सेंसेक्स	80,710.76
निफ्टी	24,741.00
सोना	1,07,620
चांदी	1,26,000
डॉलर	88.18

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
शुक्रवार 06 सितम्बर 2025
भाद्रपद शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 344
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

धोखाधड़ी मामले में बढ़ीं शिल्पा और राज की मुश्किलें

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और पति राज कुंद्रा से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। मुंबई पुलिस ने 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अब अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया। मामले में अधिक जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस के आर्थिक अपराध शाखा ने यह लुक आउट सर्कुलर जारी किया है, क्योंकि यह दंपति अक्सर अंतरराष्ट्रीय यात्राएं करता रहता है। उन्होंने बताया कि अदाकारा और उनके पति के खिलाफ 14 अगस्त को जुहू पुलिस स्टेशन में एक कारोबारी से लोन कम निवेश सौदे में लगभग 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया था। लुकआउट सर्कुलर एक ऐसी व्यवस्था है जिसका इस्तेमाल किसी व्यक्ति को देश छोड़ने से रोकने या उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जाता है, आमतौर पर एमीग्रेशन और सीमा नियंत्रण चौकियों को अलर्ट जारी करके।

अनिल अंबानी-आरकॉम की मुश्किलें बढ़ीं

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक और बैंक ऑफ इंडिया के बाद, एक अन्य ऋणदाता बैंक ऑफ बड़ौदा ने दिवालिया रिलायंस कम्युनिकेशंस के ऋण खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया है और इसके पूर्व निदेशक, उद्योगपति अनिल अंबानी का नाम लिया है, जिसमें एक दशक से अधिक समय पहले दिए गए ऋणों के कथित दुरुपयोग का हवाला दिया गया है, एक नियामक फाइलिंग के अनुसार। आरकॉम ने कहा कि उसे बैंक ऑफ बड़ौदा से 2 सितंबर को एक पत्र मिला है जिसमें कंपनी और प्रवर्तक अनिल अंबानी के ऋण खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने के निर्णय की जानकारी दी गई है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने कंपनी को 1,600 करोड़ रुपये और 862.50 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा स्वीकृत की थी। आरकॉम द्वारा नियामकीय फाइलिंग में जारी ऋणदाताओं के पत्र के अनुसार, कुल 2,462.50 करोड़ रुपये में से 28 अगस्त तक 1,656.07 करोड़ रुपये बकाया थे। पत्र में कहा गया है कि इस खाते को 5 जून 2017 से गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। जबकि आरकॉम कंपनी को अपने नियंत्रण में लेने तथा अपनी देनदारियों को चुकाने के लिए उपयुक्त व्यक्ति की तलाश में कॉर्पोरेट दिवाला समाधान कार्यवाही से गुजर रही है, बैंक ऑफ बड़ौदा ने पत्र में कहा है कि वर्तमान में एनसीएलटी द्वारा अनुमोदित कोई सक्रिय समाधान योजना नहीं है।

देश के कई राज्यों में बाढ़ का गंभीर संकट

दिल्ली-पंजाब से कश्मीर तक पानी-पानी...देश में 24 नदियां और 50 डैम बाढ़ के सेंसिटिव जोन में

नई दिल्ली। देशभर में बाढ़-बारिश ने तबाही मचाई है। अधिकांश नदियां विकराल रूप में तबाही मचा रही हैं। हिमाचल और जम्मू-कश्मीर से छोड़े गए पानी के कारण पंजाब की प्रमुख नदियां सतलुज, ब्यास और रावी उफान पर हैं। जिससे बाढ़ की गंभीर स्थिति है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की 24 नदियों में गंभीर बाढ़ की स्थिति है, जबकि 33 अन्य नदियों का जलस्तर सामान्य से ऊपर है। जिसमें बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा की नदी में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। देश के कई राज्यों में भारी बारिश और नदियों के उफान के चलते हालात बिगड़ते जा रहे हैं। हिमाचल और जम्मू-कश्मीर से छोड़े गए पानी के कारण पंजाब की प्रमुख नदियां सतलुज, ब्यास और रावी उफान पर हैं। पंजाब में बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है, इस बीच उत्तर भारत के पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इससे ब्यास, सतलुज, रावी, चिनाब, अलकनंदा और भागीरथी नदियों में जलस्तर ओर बढ़ सकता है।

पंजाब के 23 जिलों में बाढ़, 3.55 लाख लोग प्रभावित

पंजाब के सभी 23 जिलों में बाढ़ से 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। राज्य में सभी स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी की छुट्टियां 3 सितंबर से बढ़ाकर 7 सितंबर कर दी गई हैं। 1 अगस्त से 3 सितंबर तक बाढ़ में 37 लोगों की मौत हुई है। गांव के गांव डूब गए हैं। घर-मकान टापू बन गए हैं। खेतों में पानी भरने से फसलें तबाह हो गई हैं। मुसीबत की मार के बीच लोगों तक मदद पहुंचाने के लिए सेना-एनडीआरएफ मोर्चे पर डटी हुई है। पंजाब में सतलुज, ब्यास और रावी, यह तीनों नदियां उफान पर हैं। जिससे पंजाब में 37 साल बाद बाढ़ की ऐसी आफत आई हुई है। वैसे तो पंजाब के सभी 23 जिले प्रभावित हैं लेकिन गुरदासपुर, पठानकोट, फाजिल्का, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, होशियारपुर और अमृतसर में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। बहुत से लोग अब भी घरों की छतों या ऊंचे जगहों पर फंसे हैं लोगों का लगातार रेस्क्यू किया जा रहा है और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

यमुना में उफान, पानी खतरे के निशान के पार

लगातार 4 दिन से यमुना खतरे के निशान से ऊपर है। यमुना के पास का इलाका लबालब है। सीएम के दफ्तर से लेकर निगम बोध घाट, राजघाट, कश्मीरी गेट आईएसबीटी, यमुना बाजार, मॉनिस्ट्री मार्केट सब पानी-पानी हैं। 10 हजार से ज्यादा लोगों को घर छोड़कर राहत कैंपों में शिफ्ट होना पड़ा है। हालांकि, दिल्ली में यमुना का जलस्तर अब घटना शुरू हो गया है लेकिन फिर भी 207 मीटर के ऊपर है।

सेंसेटिव जोन में 50 डैम और बैराज

केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, देश भर में 50 बांधों और बैराजों के लिए जलप्रवाह पूर्वानुमान जारी किए गए हैं, जिनमें कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात और तमिलनाडु की प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं। गुजरात में अगले दो से तीन दिनों में नर्मदा, तापी, साबरमती और बनास सहित नदियों में उफान आने का अनुमान है। पूर्वी राज्यों में भी स्थिति गंभीर है। ओडिशा में बुरहाबलंग, सुवर्णरेखा, बैतरणी और महानदी नदियां सामान्य से ऊपर से लेकर गंभीर बाढ़ की स्थिति में हैं, जबकि बिहार में गंगा और कोसी कई जिलों में खतरनाक स्तर पर बह रही हैं।

कश्मीर में बेकाबू हुई झेलम नदी ने मचाई तबाही

बाढ़ ने अब जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर को भी हिट कर दिया है। 2014 में भी श्रीनगर में बाढ़ आई थी, जिसमें 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। एक बार फिर से झेलम बेकाबू हो गई और साउथ कश्मीर में तबाही मचा रही है।

मुंबई पर मंडराया खतरा आतंकी संगठन ने दी 34 मानव बम लगाने की धमकी

मुंबई। मुंबई पुलिस को शुक्रवार को शहर में 34 मानव बम लगाए जाने की धमकी मिली। इसके चलते पूरी मुंबई हाई अलर्ट पर है। खबर है कि लश्कर-ए-जिहादी नाम के संगठन ने यह धमकी दी है। इससे पहले 1993 में मुंबई में सिलसिलेवार धमाके हुए थे, जिसमें 250 से ज्यादा लोग मारे गए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कॉल करने वाले ने दावा किया है कि वाहनों में धमाके के लिए 34 मानव बम लगाए गए हैं, जिनके पास 400 किलो आरडीएक्स मौजूद है। धमकी दी गई है कि धमाकों से पूरा शहर हिल जाएगा। मुंबई पुलिस ने कहा है कि यह धमकी अनंत चतुर्दशी से पहले आई है, जिसके चलते सुरक्षा को और मुस्तैद कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि धमकी में दावा किया गया है कि 34 कारों में सवार मानव बमों का इस्तेमाल 400 किलो आरडीएक्स में विस्फोट के लिए, किया जाएगा, जिससे एक करोड़ लोगों की मौत हो सकती है। बता दें सोमवार को महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि गहन जांच के बाद यह धमकी झूठी निकली थी। राजकीय रेलवे पुलिस ने बताया कि आरोपी रूपेश मधुकर रणपिसे ने रविवार शाम करीब चार बजे पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर बताया कि उसने कलवा रेलवे स्टेशन पर बम रखा है। जीआरपी ने कहा कि रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को इसके बारे में सूचित किया गया और बम निरोधक दस्ते और रेलवे सुरक्षाबल के श्वान दस्ते ने गहन तलाशी ली। आरोपी ने पुलिस को फोन पर बताया कि वह बम के साथ कलवा रेलवे स्टेशन पर है और परिसर को उड़ा देगा।

कांग्रेस बिहारियों की तुलना बीड़ी से करती है, यही उसका असली चेहरा

पटना। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होना है। इसे लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारियां तेज कर दी हैं और वरिष्ठ नेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है। इस बीच केरल कांग्रेस के एक पोस्ट पर बवाल मच गया। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर केरल कांग्रेस के पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा- पहले हमारे पीएम मोदी का अपमान और अब पूरे बिहार का अपमान, यही है कांग्रेस का असली चरित्र, जो बार-बार देश के सामने उजागर हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि कांग्रेस बिहारियों की तुलना बीड़ी से करती है। पहले भी तेजस्वी यादव और राहुल गांधी रेवंत रेड्डी जैसे लोगों का साथ देते रहे हैं, जिन्होंने बिहार और बिहारियों को गाली दी थी। कांग्रेस बिहार विरोधी है। राजद बिहार विरोधी है। बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कांग्रेस द्वारा बीड़ी की तुलना बिहार से करने पर कहा कि इससे कांग्रेस की मानसिकता उजागर हुई है कि वह बिहार और बिहारी के बारे में क्या सोचते हैं। आज बिहार की जनता खुद को अपमानित महसूस कर रही है और कांग्रेस से सवाल पूछ रही है कि बिहारी के प्रति यह मानसिकता क्या है। उन्होंने कहा कि बिहार के प्रति कांग्रेस की जो सोच है, यह दिखाता है। केरल कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि बीड़ी और बिहार शब्द बी से शुरू होते हैं। अब इसे पाप नहीं माना जा सकता। साथ ही उन्होंने जीएसटी को स्लैब भी शेयर की, जिसमें तंबाकू, सिगार और सिगरेट पर जीएसटी 28 फीसदी से बढ़ाकर 40 फीसदी कर दी गई है, जबकि बीड़ी पर टैक्स 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है। इससे पहले बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार बंद के सफल आयोजन पर कहा कि मैं बिहार की माताओं, बहनों और सभी महिलाओं को दिल से धन्यवाद देता हूं। उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से बीजेपी महिला मोर्चा के साथ मिलकर इस बिहार बंद को सफल बनाया।

विमान में तकनीकी खराबी, इमरजेंसी लैंडिंग

इंदौर। दिल्ली से इंदौर आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को शुक्रवार सुबह इंदौर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। फ्लाइट में कुल 161 यात्री सवार थे। जानकारी के अनुसार, उड़ान संख्या आईएक्स-1104 के इंजन में खराबी के चलते सुबह 09:54 बजे आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की घोषणा करते हुए अलर्ट जारी किया। इस पर फ्लाइट को लैंड करने के लिए रनवे के आसपास रेस्क्यू टीम, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस सहित सभी संबंधित टीमें तैनात कर दी गई। इमरजेंसी लैंडिंग की खबर जब विमान में बैठे यात्रियों को लगी तो हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट पर इंतजार कर रहे उनके परिजन भी घबरा गए।

सहयोगियों के बहिष्कार से दुविधा में कांग्रेस, जेपीसी पर क्यों अटकी रणनीति?

नई दिल्ली। जेल में बंद मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को पद से हटाने से जुड़े विधेयकों पर गठित होने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को लेकर कांग्रेस गहरे संकट में है। सरकार लगातार कांग्रेस से समिति के लिए नाम देने को कह रही है, लेकिन पार्टी अब तक चुप्पी साधे हुए है। वजह है, उसके सहयोगी दलों का बहिष्कार। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और समाजवादी पार्टी (सपा) ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वे जेपीसी का हिस्सा नहीं बनेंगे। माना जा रहा है कि आम आदमी पार्टी और शिवसेना भी इसी राह पर चल सकती हैं। वाम दल (सीपीएम) ने भी समिति से बाहर रहने का निर्णय लिया है। ऐसे में कांग्रेस की दिक्कत यह है कि अगर वह जेपीसी में शामिल होती है तो विपक्षी एकता पर सवाल उठेंगे, और अगर नहीं होती तो सरकार को खुला मैदान मिल जाएगा। कांग्रेस ने दूसरी संसदीय समितियों, जैसे- जन विश्वास संशोधन विधेयक और दिवाला संहिता संशोधन विधेयक पर लोकसभा की सेलेक्ट कमेटियों में अपने सांसदों के नाम दे दिए हैं। लेकिन जेपीसी पर उसने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी अंदर ही अंदर शामिल होने के पक्ष में है, लेकिन सहयोगियों के बहिष्कार के कारण असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

डेरेक ओब्रायन का हमला- टीएमसी नेता डेरेक ओब्रायन ने जेपीसी की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस तरह की समितियों में सत्ता पक्ष का दबदबा रहता है। उन्होंने पुराने उदाहरण गिनाते हुए कहा, 1987 बोफोर्स घोटाला जेपीसी = विपक्षी दलों ने बहिष्कार किया, रिपोर्ट पक्षपातपूर्ण बताई। 2013 वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाला जेपीसी = तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष अरुण जेटली ने इसे 卐व्यर्थ की कवायद卐 कहा था। हाल के वर्षों में भी जेपीसी के गठन पर विपक्ष की आपत्तियों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया गया है। जानकार कह रहे हैं कि मॉनसून सत्र में एकजुट होकर सरकार को घेरने वाला विपक्ष अब जेपीसी मुद्दे पर विभाजित नजर आ रहा है। अगर कांग्रेस सहयोगियों की राह छोड़कर समिति में शामिल होती है, तो विपक्षी एकजुटता को गहरी चोट लग सकती है। वहीं, बहिष्कार करने पर कांग्रेस को यह आलोचना झेलनी पड़ सकती है कि उसने गंभीर विधेयकों पर विचार का अवसर खो दिया।

भाजपा में बढ़ता असंतोष, गडकरी और आंबानी कर सकते बड़ा खेल

नई दिल्ली। भाजपा के भीतर असंतोष की आंच अब खुलकर सामने आने लगी है और पार्टी में सत्ता संघर्ष की सुगबुगाहट तेज हो गई है। सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी असंतुष्ट खेमे के संभावित सरदार के रूप में उभर रहे हैं और करीब 100 से 125 सांसद उनके पक्ष में खड़े हो सकते हैं। पार्टी के गलियारों में इस संघर्ष में अंबानी फैक्टर की भूमिका को लेकर भी चर्चा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा दो ध्रुवों में बंटी हुई दिखाई दे रही है। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की गुजरात लॉबी है, जबकि दूसरी ओर गडकरी का गुट है, जिन्हें संघ का करीबी माना जाता है और जिनके पीछे महाराष्ट्र और नागपुर की मजबूत पकड़ है। यही वजह है कि गडकरी की लोकप्रियता और संगठन में उनकी पकड़ पार्टी के अंदर नई हलचल पैदा कर रही है। गडकरी को कमजोर करने के लिए लगातार मीडिया में उनके खिलाफ नकारात्मक खबरें लीक कराई जा रही हैं। कभी सड़कों की महंगाई को लेकर सवाल उठते हैं, तो कभी एथेनॉल बिजनेस पर आरोप लगाए जाते हैं। भाजपा में इस बात की चर्चा भी जोरों पर है। मुकेश अंबानी के पुत्र अनन्त अंबानी के वन्य तारा की जांच शुरू कराने से मुकेश अंबानी नाराज हैं। माना जाता है अंबानी समर्थक सांसदो की संख्या 80 से ऊपर है। उपराष्ट्रपति के चुनाव में अंबानी और गड़करी मिलकर कोई बड़ा खेल कर सकते हैं। मोदी-शाह और गौतम अडानी रिलायंस समूह के ऊपर दबाव बना रहे थे। विश्लेषकों का कहना है कि यह सब उनकी छवि को कमजोर करने की रणनीति का हिस्सा है। 2014 और 2019 की जीत के बाद भाजपा अब नए दबाव का सामना कर रही है। 2024 के चुनावों के बाद से पार्टी की नीतियों पर सवाल उठने लगे हैं, जिनमें नोटबंदी, जीएसटी और विदेश नीति प्रमुख मुद्दे हैं। पार्टी के भीतर यह आवाज बुलंद हो रही है कि अब बदलाव का वक्त आ गया है और मोदी-शाह को पीछे हटकर नए नेतृत्व को सामने लाना चाहिए। इस बीच, संघ की भूमिका भी अहम हो गई है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने स्पष्ट किया है कि वे इस्तीफा नहीं देंगे बल्कि भीतर रहकर ही रणनीति बनाएंगे। लगातार हो रही गुप्त बैठकों और मुलाकातों से संकेत मिलता है कि पार्टी में बड़ा बदलाव संभव है। भाजपा सूत्रों का मानना है कि आने वाले राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति चुनाव और बिहार विधानसभा चुनाव पार्टी की आंतरिक राजनीति में निर्णायक साबित होंगे। यदि असंतोष को समय रहते संतुलित नहीं किया गया तो गुजरात बनाम नागपुर की खींचतान खुलकर सामने आ सकती है। एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि अब पार्टी में शक्ति संतुलन की लड़ाई निर्णायक मोड़ पर है। उनके शब्दों में 卐इस बार एक शहीद होगा, या अंबानी या मोदी। आने वाले महीनों में तस्वीर साफ हो जाएगी।

गुमशुदगी की सूचना

ग्राम पंचायत बम्हनी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट निवासी श्रीपाल राजूरकर पिता रूपचंद राजूरकर जाति तेली उम्र लगभग 28 वर्षीय दिनांक 3 सितंबर 2025 को सुबह लगभग 11 बजे अपने घर से यह कहकर निकले थे, कि वह खेत जा रहे हैं। किन्तु उसके बाद से वे अब तक घर वापस नहीं लौटे हैं। पड़ोसियों व रिश्तेदारों से पता करने के बाद भी उनका कोई अता-पता नहीं चला है। उनकी पहचान रंग गेहुआ, कद लगभग 5 फीट 7 इंच, चेहरा गोल है। लाल रंग की शर्ट एवं काले रंग की पैंट पहने हुए हैं। जिस किसी भी स'जन को इनके संबंध में कोई जानकारी मिले अथवा ये कहीं दिखाई दें, तो कृपया तत्काल परिजनों को सूचित करने का कष्ट करें। सूचना देने वाले को 25000 (पच्चीस हज़ार रुपये) इनाम दिया जायेगा।

संपर्क

7247232806, 8435869717, 9691451021

कुछ ना कहना

नकली नोट की फैक्ट्री पकड़ाई

40 लाख के नोटों के साथ 2 गिरफ्तार, मुख्य आरोपी पर 16 मामले दर्ज हैं

डीसा। गुजरात में बनासकांठा पुलिस ने डीसा तालुका के महादेविया गांव में नकली भारतीय नोट बनाने वाली एक फैक्ट्री पकड़ी है। गुरुवार देर रात की गई छापेमारी में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 40 लाख रुपए से ज्यादा के नकली नोट और उन्हें बनाने के उपकरण जब्त किए हैं। बनासकांठा पुलिस की स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) को विशेष सूचना मिली थी कि महादेविया गांव में नकली नोट बनाए जा रहे हैं। इसके आधार पर एलसीबी की टीम ने बीती देर रात गांव में छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस ने वहां से 40 लाख से ज्यादा के नकली नोट बरामद किए।

मुख्य आरोपी रायमल सिंह फरार

बनासकांठा के एसपी प्रशांत सुम्बे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया कि मामले के मुख्य मास्टरमाइंड संजय सोनी और कौशिक श्रीमाली नाम के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि, मुख्य आरोपी रायमल सिंह फरार है। पुलिस के अनुसार, रायमल सिंह और संजय सोनी दोनों का आपराधिक इतिहास रहा है। रायमल सिंह पर जबरन वसूली और धोखाधड़ी समेत 16 मामले दर्ज हैं और हाल ही में उसे हिरासत से रिहा किया गया था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संगठित अपराध की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

दिल्ली पुलिस ने 15 विदेशी नागरिकों को किया डिपोर्ट, 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशी

नई दिल्ली। दिल्ली में घुसपैठियों के खिलाफ पुलिस सर्च अभियान चल रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने द्वारका में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया है। द्वारका के पुलिस उपायुक्त के मुताबिक पुलिस ने अगस्त महीने में 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशियों को निर्वासन के लिए भेजा। ये 15 लोग द्वारका में अवैध रूप से रह रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक द्वारका की ऑपरेशन यूनिट और पुलिस नियमित रूप से उन विदेशी नागरिकों के बारे में खुफिया जानकारी जुटा रही है, जो अवैध रूप से इलाके में रह रहे हैं या घूम रहे हैं। द्वारका के मोहन गार्डन थाने की 5, एंटी-नारकोटिक्स सेल की 5, उत्तम नगर थाने की 3 और डाबरी थाने की 2 टीमों ने द्वारका की निगरानी में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। ये टीमें उन विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए सक्रिय हुईं, जो बिना वैध वीजा के देश में तय समय से ज्यादा समय तक रह रहे हैं, अवैध रूप से प्रवेश कर चुके हैं और द्वारका जिले के क्षेत्र में रह रहे या घूम रहे हैं।

सरकार की आमद मरहबा लबैक या रसूलल्लाह

इस्लामी नारो की सदाओ से गुंजा शहर, हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व, पैगंबरे इस्लाम की यौमे पैदाइश पर विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन, शानो शौकत के साथ निकाला गया जुलूस ए मोहम्मदी

बालाघाट(पद्‌मेश न्यूज)। पैग़ंबरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश पर मनाया जाने वाला पर्व, जश्ने ईद मिलादुन्नबी शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में मुस्लिम समाज द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां दिन भर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। मुस्लिम धर्मावलंबियों के सबसे बड़े पर्व में अल सुबहा से ही इबादत का दौर शुरू हो गया। जहा घर घर खीर पूड़ी सहित अन्य मीठे पकवान बनाकर फातिहा दी गई ।वही लोगो ने एक दूसरे को मिठाई बाटकर ईदमिलादुन्नबी नबी की मुबारकबाद पेश की ।इसी कड़ी में हर साल की तरह इस साल भी नगर में जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व पूर्ण अकीदतो, धार्मिक विधि-विधानो और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर सुबहा 8,45 बजे जामा मस्जिद चौक में परचम कुशाई(झंडा फहराया) कि गई ।जहां सलातो सलाम के बाद करीब 09 बजे इस्लामी नारो के साथ जुलूस ए मोहम्मदी शहर गस्त के लिए शानो शौकत के साथ रवाना हुआ ।जहा जुलुस में शामिल गुलामे मुस्तफाओ ने सरकार की आमद मरहबा लबैक या रसूलल्लाह की सदाए बुलन्द की।

अमनो अमान के संदेश के साथ रवाना हुआ जुलूस

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर हर साल की तरह इस साल भी नगर की जामा मस्जिद से जुलूस ए मोहम्मदी निकला गया। यह जुलूस जामा मस्जिद से अंजुमन शादी हाल, चांदनी चौक बैहर रोड मार्ग से शास्त्री चौक होते हुए मरारी मोहल्ला से देवी तलाब रोड वहां इतवारी बाजार अज्जु गनी के सामने से इतवारी बाजार के अंदर से डॉ. चतुर मोहता के सामने से मेंन रोड होते हुए काली पुतली चौक पहुँचा ।वहां से जेल के सामने से जय स्तंभ चौक, वहां से बूढ़ी हॉस्पिटल के सामने से अवन्ति चौक ,बैहर रोड रज़ा चौक से डॉ.खान गली से गुजरी होते हुए पुलिस क्वाटर के सामने से जामा मस्जिद वापस पहुँचा ।जहां सलातो सलाम का नजराना पेश कर ,देश में अमन, चैन ,शांति और आपसी भाईचारे की दुआएं कर जुलूस ए मोहम्मदी का समापन किया गया।

जुलूस का जगह जगह हुआ स्वागत, मरहबा के नारों से गुंजा नगर

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर निकाले गए इस जुलूस ए मोहम्मदी का जगह जगह स्वागत किया गया। वही जगह जगह मिठाइयां,हलवा,खीर,छुवारे, शरबत सहित अन्य सामग्रियों का वितरण कर लोगो ने एक दूसरे को ईदमिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी ।इस दौरान जुलूस में शामिल धर्मालंबियों द्वारा लगाए गए नारे सरकार की आमद मरहबा नारा ए तकबीर -अल्लाहो अकबर सहित अन्य इलामी नारो से शहर गूंज उठा ।जहां जुलूस में शामिल धर्मालंबियों के साथ साथ नात खानों ने नात ए रसूल, सलातो सलाम सहित अन्य इस्लामी तरानों की प्रस्तुतियां दी,वही बच्चे व युवा हाथो में हरे झंडे लिए बुलंद नारो के साथ इस्लामी तरानों में मनमुग्द नजर आए, इसके अलावा जुलूस में शामिल अन्य लोगो को दरूद ए मोहम्मदी का जिक्र करते हुए देखा गया ।जिन्होंने पैग़ंबरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश पर अपनी खुशी का इजहार करते हुए मोहम्मद साहब के पैगाम को जन जन तक पहुँचाया।

अंजुमन शादी हाल में लुटाया गया लंगर

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर शुक्रवार सुबहा से विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए ।जहां ,मोहम्मदी जुलूस, व जगह जगह लंगर ए आम का आयोजन किया गया ।इसी कड़ी में हर साल की तरह इस साल भी अंजुमन शादी हाल में लंगर ए आम का आयोजन किया गया ।जहां जुलूस के बाद जुमे की नमाज अदा की गई ।तो वही शाम को मगरिब की नमाज के बाद शादी हाल में लंगर तकसीम किया गया। लंगर का सिलसिला देर रात तक चलता रहा ।इसके अलावा नगर के विभिन्न मार्गों में भी जगह जगह धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन कर लंगर वितरित किया गया।

देर रात तक सजावट का लुत्फ उठाते नजर आए शहरवासी

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर नगर में की गई जगह-जगह सजावट का देर रात तक लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। जहां सजावट का मुख्य आकर्षण केंद्र बैहर रोड बना रहा। जहां मुस्लिम बंधुओ द्वारा पूरी बैहर रोड को दुल्हन की तरह सजाया गया था, तो वहीं विभिन्न चौक चौराहों व मार्गों पर रंग बिरंगी लाइटिंग सजाई गई थी ,इसके अलावा मुख्य चौक चौराहों पर तरह-तरह की इस्लामिक चिन्हित आकृतियां बनाई गई, जिसका नगर वासियों ने जमकर लुफ्त उठाया ।तो वही जगह जगह लंगर के इंतजाम हुए ।इसके अलावा सुबह से लेकर देर रात तक खीर ,पुरी, हलवा शरबत सहित अन्य मिष्ठान सामग्रियों का जगह-जगह वितरण कर लोगों ने एक दूसरे को ईद मिलादुन्नबी की बधाइयां दी।

सुरक्षा व्यवस्था के दिखे पुख्ता इंतेजाम

उधर जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम देखे गए। जहां किसी भी अनहोनी या घटना को रोकने के लिए जगह-जगह पुलिस बल मुस्तहेद नजर आया ।तो वही भारी संख्या में पुलिस जवानों ने जुलूस ए मोहम्मदी में शामिल लोगों को सुरक्षा दी। इस तरह हर वर्ष की भांति इस वर्ष अमनो आमान के साथ जुलूस ए मोहम्मदी का समापन किया गया।

आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत जनपद स्तर पर दिया गया दो दिवसीय प्रशिक्षण

बालाघाट(पद्‌मेश न्यूज) ।भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत श्री मृणाल मीना कलेक्टर, जिला बालाघाट एवं श्री अभिषेक सराफ मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नोडल अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट के निर्देश में बालाघाट जिले में दो दिवसीय विकासखंड स्तरीय प्रोसेस लैब का आयोजन जनपद स्तर पर दिनांक 03 से 04 सितम्बर 2025 तक आयोजित किया गया है। आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत जिले के कुल 200 ग्रामों का चयन किया गया है, जिसमें विकासखंड बैहर के 59 ग्राम, बिरसा के 59 ग्राम, परसवाड़ा के 46 ग्राम, बालाघाट के 11 ग्राम, लांजी के 12 ग्राम, किरनापुर के 02 ग्राम, लालबर्रा 03 ग्राम एवं कटंगी के 08 ग्राम सम्मिलित है। राज्य स्तर से प्रशिक्षित जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा दिनांक 22 से 24 अगस्त 2025 तक विकासखंड स्तर के नामांकित मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया है। जिसके अनुक्रम में दिनांक 03 एवं 04 सितम्बर 2025 को विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा अपने ङ्कअपने विकासखण्ड क्रमशः बैहर, बिरसा, परसवाड़ा, लांजी, किरनापुर, बालाघाट कटंगी एवं लालबर्रा में दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। उक्त प्रशिक्षण में बैहर विकासखण्ड में 55 ग्राम स्तरीय मास्टर ट्रेनर, बिरसा विकासखण्ड में 42 ग्राम स्तरीय मास्टर ट्रेनर, परसवाड़ा विकासखण्ड में 37 ग्राम स्तरीय मास्टर ट्रेनर,लांजी एवं किरनापुर विकासखण्ड में 60 ग्राम स्तरीय मास्टर ट्रेनर, बालाघाट विकासखण्ड में 59 ग्राम स्तरीय मास्टर ट्रेनर, कटंगी विकासखण्ड में 46 ग्राम स्तरीय मास्टर ट्रेनर, लालबर्रा विकासखण्ड में 34 ग्राम स्तरीय मास्टर ट्रेनर सम्मिलित रहें। इस तरह जिलें के आठ विकासखण्ड में कुल 333 ग्राम स्तरीय मास्टर ट्रेनर (ङ्करूञ्ज) को प्रशिक्षण दिया गया । इस प्रशिक्षण में कटंगी एवं परसवाड़ा में प्रशांतदीप ठाकुर, लांजी एवं किरनापुर में श्री सी.एस.मेरावी,बैहर में सत्यम पटेल, बिरसा में प्रशांत कावड़े, बालाघाट में श्रीमति विनिता फूलबेल, लालबर्रा में विकास रघुवंशी जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर आदि कर्मयोगी अभियान उपस्थित रहें। उक्त प्रशिक्षण विकासखण्ड नोडल अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत के मार्गदर्शन में सुव्यवस्थित तरीकें से संपन्न हुआ । इसके पश्चात चयनित ग्रामों के क्लस्टर स्तर पर दिनांक 10 सितम्बर 2025 को कार्ययोजना तैयार किये जाने हेतु बैठक आयोजित की जायेगी। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा चयनित ग्रामो में जाकर अभियान के संबंध में ग्रामवासियों को जानकारी प्रदान करेंगे तथा दिनांक 15 से 20 सितम्बर 2025 के मध्य ग्राम बैठकों के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी द्वारा गांव का सामाजिक एवं संसाधन मानचित्रण, ट्रांजेक्ट वॉक, गांव का विजन प्लान का निर्माण कर ब्लाक स्तर के माध्यम से जिला स्तर को उपलब्ध कराया जायेगा। वहीं चयनित प्रत्येक गांव में आदि सेवा केन्द्र की स्थापना की जाएगी। आदि कर्मयोगी अभियान की जिला स्तरीय, विकासखंड स्तरीय एवं क्लस्टर स्तरीय कार्यो की समीक्षा हेतु भारत सरकार द्वारा नामांकित राज्य प्रभारी अजीत कुमार श्रीवास्तव संयुक्त सचिव एवं आयुक्त ह्ववस्ञ्जस एवं जिला प्रभारी डॉ. कुमुद कुशवाहा उप-आयुक्त को नामांकित किया गया है।

बीमार बैगा जनजाति की महिला के लिए मददगार बनी संजीवनी-108 सेवा

बालाघाट(पद्‌मेश न्यूज) । जिले में निवास करने वाली विशेष पिछड़ी जनजाति बैग के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने स्वास्थ्य विभाग तत्परता से काम करता है। लेकिन कभी-कभी परिस्थितियां विपरीत हो जाती हैं। इसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग का मैदानी अमला हार नहीं मानता है और अपने प्रयासों से सफलता हासिल कर लेता है। ऐसा ही कुछ प्रयास संजीवनी-108 के स्टाफ ने किया है और दूरस्थ वनग्राम की बीमार गर्भवती महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचा कर भर्ती कराया है। यदि इस महिला को अस्पताल में भर्ती नहीं कराया जाता तो उसके साथ अनहोनी घटना हो सकती थी और उसकी जान जा सकती थी।

बालाघाट जिले के बिरसा ब्लॉक के अंतर्गत मोहगांव के चिचरुंगपुर वन ग्राम के टोंडियाटोला में एक 29 वर्षीय आदिवासी बैगा परिवार की महिला सुगवती पति बिरन मर्सकोले पिछले कई दिनों से बीमार थी ।गांव में स्वास्थ्य विभाग की सीएचओ शशिकला बिसेन आई थी तो उसने आशा कार्यकर्ता के साथ बीमार व गर्भवती महिलाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्हें सुगवती के बीमार होने की जानकारी लगी। मौके पर जाकर सुगवती व उसके पति से सम्पर्क करने पता चला कि सुगवती छठवीं बार गर्भवती हैं और पहले से उसके पांच बच्चे हैं। सीएचओ ने देखा कि सुगवती में खून की बहुत कमी और उसे अस्पताल में भर्ती कराया जाना बहुत जरूरी है। उसने सुगवती के पति से कहा कि उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर जाए। लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं था और आनाकानी करने लगा।

सीएचओ श्रीमती बिसेन ने बिरसा के बीएमओ डा सुनील सिंह को इसकी जानकारी दी और संजीवनी-108 ग्राम चिचरुंगपुर भिजवाने का अनुरोध किया। जिस पर डा. सुनील सिंह ने तत्परता से कार्यवाही कर संजीवनी-108 को चिचरुंगपुर भिजवाने की व्यवस्था की। लेकिन गांव तक पहुंचने में अधिक रात हो जाने के कारण संजीवनी-108 एम्बुलेंस 05 सितंबर को सुबह चिचरुंगपुर पहुंची। टोंडिया टोला से चिचरुंगपुर पहुँच मार्ग भारी बारिश से खराब हो गया था, जिसके कारण संजीवनी-108 एम्बुलेंस का वहां पहुंचना कठिन था। इस कारण संजीवनी-108 के ईएमटी डॉ गौरी शंकर पटले व पायलेट जयेश चौहान, आशा कार्यकर्ता श्रीमती चीमन ठाकरे के साथ चिचरुंगपुर लगभग डेढ़ किमी पैदल ही गये। वहां बैगा परिवार अस्पताल जाने से पूरी तरह से इंकार कर रहा था। महिला का पति झोलाछाप डॉक्टर से महिला को बाटल लगवाने की बात कर रहा था।

खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील सिंह व सीएचओ श्रीमती शशिकला बिसेन व ईएमटी डॉ गौरी शंकर पटले व ग्रामीण महिलाओं के सहयोग से परिवार को समझाया गया और पीड़ित महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरसा में सकुशल भर्ती कराया गया। जहाँ बी.एम.ओ के दिशा निर्देश पर तुरंत महिला का उपचार प्रारम्भ किया गया। सुदूर ग्रामीण क्षेत्र व कान्हा किसली का टाईगर बफर जोन होने के कारण हितग्राही तक चिकित्सा सेवा पहुंचाने में स्वास्थ्य टीम को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लेकिन स्वास्थ्य विभाग की टीम अपने मकसद में कामयाब रही और तगड़े विरोध के बाद भी बीमार गर्भवती महिला सुगवती को अस्पताल में भर्ती कराने में कामयाब रही। इन प्रयासों से गर्भवती बैगा महिला की जीवनरक्षा हो सकेगी। महिला के पांचों बच्चे भी बुखार से पीडित थे जांच में वे मलेरिया से ग्रसित पाए हैं। सुगवती के साथ उसके पांच बच्चों को भी बिरसा का अस्पताल में भर्ती कराया जाकर उपचार शुरू कर दिया गया है।

कैरियर स्कुल में माटी गणेश सिद्ध गणेश महोत्सव आयोजित

वारासिवनी(पद्‌मेश न्यूज)। कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में माटी गणेश सिद्ध गणेश महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेविकाओं सहित अन्य छात्र छात्राओं के द्वारा मिट्टी के गणेश की मूर्ति का निर्माण किया गया। मिट्टी की मूर्ति निर्माण करने वाले मुर्तीकारों ने जैव अथर्व,अमन, प्रणय, कु. प्रीति, कुणाल, आर्वी, चंचल, कृतिका, आरूषी, अवनि, खुशबू, नूरसबा, ओम, देवांश, योगेन्द्र,

अथर्व, प्रिन्स, आदित्य, आनंद, वैशली पथिक, जानवी, पिंकी एवं मानसी सम्मिलित थे। इन मूर्ति निर्माण में जिन तीन सर्वश्रेष्ठ मूर्तियां घोषित की गई, उनमें प्रथम कु. कृतिका सोनकुसरे ,द्वितीय कु. वैशाली पथिक एवं तृतीय कु. नुरसबा कादरी द्वारा निर्मित मूर्तियाँ सम्मिलित है। भगवान गणेश की निर्मित माटी की मूर्ति की स्कूल संचालक एवं प्राचार्य निरंजन बिसेन सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा ,श्रीमती अनिता मिश्रा ,ज्योति गौतम ,देवसिंह ठाकुर,,ज्योति बिसेन, आँचल साकरे, श्रीमती मौसमी बिसेन के द्वारा पूजन किया गया । तथा श्रीमती अनिता मिश्रा, की ओर से समस्त मूर्ति निर्माताओं छात्र छात्राओं को संचालक प्राचार्य निरंजन बिसेन के कर कमलों द्वार पुरस्कार प्रदान किया गया।

बसपा कार्यकर्ता संगठन समीक्षा बैठक संपन्न

विभिन्न मांगों को लेकर राज्यपाल के नाम सौपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्‌मेश न्यूज)। शुक्रवार को कोसमी स्थित सामुदायिक भवन में, बहुजन समाज पार्टी की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया ।आयोजित इस कार्यकर्ता संगठन समीक्षा बैठक के दौरान पदाधिकारियो ने विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा कर महामहिम राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौपा है। कलेक्टर के मार्फत सौंपे गए इस ज्ञापन के दौरान पदाधिकारियो ने करीब एक वर्ष पूर्व तह.-कटंगी ग्राम-मंगलेगांव, में मृतक श्रीमती सीमा पति राजेश बोरकर प्रकरण में न्याय दिलाने की मांग की ।ज्ञापन में बताया गया कि सीमा बोरकर का शव खेतों से पुलिस द्वारा बरामद किया गया था। श्रीमती सीमा की हत्या किये जाने की आशंका जताकर परिवार के लोगों द्वारा पुलिस थाना-कटंगी में लिखित शिकायत की गयी। लेकिन वर्तमान तक अपराधी को पकड़ा नही गया और ना ही ठीक से जांच हुई ।हमारी मांग है कि इस मामले में उचित जांच करके अपराधियों का पता लगाकर गिरफ्तार किया जाए ।इसी तरह ग्राम-झामुल, तहसील-बिरसा, में अनु. जाति के लोगों पर जातिगत भेदभाव कर, अन्याय, अत्याचार करने के तहत् ग्राम के जिन लोगों पर प्रकरण दर्ज किया गया उन्हें शीघ्र गिरफ्तार करने,ग्राम सोनेवानी के जंगल में मृत टायगर सम्बंधित प्रकरण में छोटे कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि डी.एफ.ओ. अधर गुप्ता पर भी प्रकरण बनना चाहिये था। डी.एफ.ओ. अधर गुप्ता पर भी प्रकरण बनाकर गिरफ्तार किए जाने। और बालाघाट शहर के अधिकांश क्षेत्रों में पानी निकासी की व्यवस्था बनाए जाने की मांग की है। इस दौरान बसपा केंद्रीय स्टेट कोऑर्डिनेटर बालकिशन चौधरी, जोन प्रभारी अजाब शास्त्री, जिला प्रभारी दुर्गेश बिसेन, जिला अध्यक्ष इंजी. महेंद्र, जिला प्रभारी दीपक मेंश्राम, महासचिव राज्यपाल उके, जिला सचिव काशीराम नगपुरे और कोषाध्यक्ष देवाजी रामटेके सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थिति रहे।

शासकीय महाविद्यालय में शिक्षक दिवस पर हुआ गरिमामय आयोजन

लांजी (पद्‌मेश न्यूज)। शासकीय महाविद्यालय में शुक्रवार, 5 सितंबर 2025 को शिक्षक दिवस के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद कैरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. आर. आर. सोनवाने ने की। उन्होंने मां सरस्वती और पूर्व राष्टपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में प्रो. सोनवाने ने गुरु और शिक्षक के बीच अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा, गुरु वह है जिसमें प्रलय और निर्माण दोनों समाहित होते हैं। शिक्षक एक मोमबत्ती की तरह होता है, जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। शिक्षा शेरनी का दूध है, जिसे पीकर व्यक्ति दहाड़ता है। प्रो. आर. आर. टिकेश्वर ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डाला। स्वामी विवेकानंद कैरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. गौतमा कठाने ने भारत की प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के जीवन और उनके शैक्षिक योगदान की विस्तृत जानकारी दी। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. नितेश मेश्राम ने कहा, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक वे हैं, जो विद्यार्थियों को सीधे उत्तर देने के बजाय उनके भीतर उत्तर खोजने की जिज्ञासा जागृत करते हैं। कार्यक्रम में प्रो. गोलू परते, डॉ. डालेश कुमार विजयवार, डॉ. ललीत कामड़े, डॉ. जसपाल सिंह सिद्धू, साहेबलाल एड़े, महेश दमाहे, क्षीर कुमार चौधरी, लक्ष्मण बोरकर, शमांक पटले, लखन बाहे, शुभम रामटेके, राहुल पारधी, भागवत रघुवंशी, कैलाश इंझरावते, कु. जया कछवाहे, कु. अंजली सोनी, अमन राउत, वीरेंद्र बिसेन, श्रीमती मानसी उइके, श्रीमती खेलनबाई राउत, श्रीमती गीता शुक्ला, सुनील तिड़के, शेषराम घोरमारे सहित कई प्राध्यापक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। छात्राओं रेशमी उपरोडे, नीलम चौरे, मैत्री भंडारकर, ऋषभ भादरे और जितेंद्र ठाकरे की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन आकाश गोस्वामी ने किया, जिन्होंने शिक्षकों के सम्मान में एक प्रेरणादायक कविता भी प्रस्तुत की। समापन पर महाविद्यालय परिवार ने शिक्षक दिवस को श्रद्धापूर्वक मनाते हुए गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

शिक्षकों ने किया शिक्षक दिवस का बहिष्कार

पुरानी पेंशन सहित अन्य मांगों को लेकर किया उपवास, कहा- हमारा असली सम्मान, पुरानी पेंशन ही है

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। गुरू ब्रह्मा गुरू विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा गुरु साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नमः अर्थात गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है और गुरु ही भगवान शंकर है ।गुरु ही साक्षात परब्रह्म है ।ऐसे गुरु को मैं प्रणाम करता हूं ।इसी आस्था और विश्वास के साथ शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।जहां जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए ।प्रथम राष्ट्पति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाये जाने वाले शिक्षक दिवस पर बालाघाट में भी विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए ।जहा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षको को सम्मानित किया गया। नगर में जहा एक तरफ शिक्षकों के सम्मान के लिए शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया, तो वहीं दूसरी ओर शिक्षकों ने ही पुरानी पेंशन बहाली सहित वर्षों से लंबित अपनी मांगों के लिए शिक्षक दिवस का बहिष्कार कर ,सामूहिक रूप से उपवास किया। शिक्षक दिवस के दिन उपवास का यह कार्यक्रम नगर के मोती तालाब गार्डन में आयोजित किया गया ।जहां सर्वप्रथम उपस्थित समस्त शिक्षकों ने प्रथम राष्ट्पति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किए, वहीं अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी करते हुए शिक्षक दिवस का बहिष्कार कर सामुहिक उपवास किया ।इस दौरान शिक्षकों ने स्पष्ट कर दिया कि उनका असली सम्मान पुरानी पेंशन बहाली है, जो सरकार द्वारा नहीं दी जा रही है।

शिक्षको ने,सरकार के खिलाफ जताई नाराजगी

वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी ना होने से जिला सहित सम्पूर्ण प्रदेश के समस्त शिक्षक संवर्ग प्रदेश सरकार से खासा नाराज है ।जिन्होंने प्रदेश सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी करने की गुहार लगाई है ।जहां विभिन्न लंबित मांगे पूरी ना होने से नाराज शिक्षको ने राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संघ के बैनर तले पुरानी पेंशन बहाली सहित अन्य सूत्रीय मांगों को पूरा करने को लेकर शिक्षक दिवस के दिन ही ,शिक्षक दिवस का बहिष्कार कर सामूहिक रूप से उपवास किया।

इन मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार

राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संघ द्वारा उपवास कार्यक्रम के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षण करते हुए, यथाशीघ्र पुरानी पेंशन बहाल करने, उच्च माध्यमिक शिक्षक संवर्ग को 12 व 24 वर्ष पूर्ण होने पर क्रमोन्नति का लाभ देने, 24 वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण करने वाले माध्यमिक शिक्षक संवर्ग को क्रमोन्नति का लाभ देने, समयमान वेतनमान देने, प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि गणना कर ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण वरिष्ठता लागु करने, ,युनीफाईड पेंशन स्कीम की जगह पुरानी पेंशन स्कीम लागु करने, ई-अटेंडेंस व्यवस्था समाप्त करने, पुरानी पेंशन बहाली और निजीकरण की समाप्ती करने सहित अन्य मांगो को पूरा करने की गुहार लगाई है।

बुढ़ापे की लाठी पेंशन व्यवस्था बहाल करे सरकार

पदाधिकारियो ने बताया कि देश भर में एक करोड़ शिक्षक कर्मचारी एवं समस्त विभाग के अधिकारी कर्मचारी एनपीएस के दायरे में आते हैं जो लगातार पुरानी पेंशन बहानी के मांग कर रहें है। लेकिन सरकार द्वारा पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल नही किया गया बल्कि यूनीफाईड पेशन स्कीम जैसी अहितकारी एक नई व्यवस्था लागु की गई, जो कर्मचारी की दृष्टी में राष्ट्रीय पेंशन योजना से भी खराब व्यवस्था हैं,इसलिये पुरानी पेंशन बहाली की मांग बढ़ती जा रही है ।उन्होंने बताया कि सरकारी संस्थाओं की निजीकरण होना देश के नौजवानों, देश के लिये अफसोसजनक है ।इससे पुंजीवाद बढेगा और सरकारी संस्थाओं में रोजगार सृजन के मौके समाप्त होंगे।

आदेश के बावजूद भी नही दिया जा रहा क्रमोन्नति का लाभ

पदाधिकारियो ने बताया कि जबलपुर संभाग के अंतर्गत कार्यरत बालाघाट जिले के माध्यमिक शिक्षक संवर्ग द्वारा 24 वर्ष की नियमित सेवा पूर्ण किये जाने के उपरांत 24 वर्षीय द्वितीय क्रमोन्नत वेतनमान और उच्च माध्यमिक शिक्षक संवर्ग के शिक्षक जिनकी सेवा अवधि 12 व 24 वर्ष हो गई है, उनके क्रमोन्नत आदेश आज दिनांक तक कार्यालय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग द्वारा बालाघाट जिले मे कार्यरत शिक्षकों को जारी नही हुये है ।जबकि मप्र शासन स्कुल शिक्षा विभाग द्वारा 05. अक्टूबर 2023 को समयमान वेतनमान / क्रमोन्नत वेतनमान जारी करने के आदेश हो चुके है ।लेकिन बालाघाट जिले में आदेश नही आए ।इससे जिले के शिक्षक काफी नाराज है।

हमारी प्रमुख मांग ओपीएस है -गिरधारी ठाकरे

राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संघ,प्रान्तीय संगठन मंत्री गिरिधारी ठाकरे, ने बताया कि पुरानी पेंशन बहाली संघ के माध्यम से आज संपूर्ण भारतवर्ष के सभी जिला मुख्यालय पर सामूहिक उपवास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। हमारी प्रमुख मांग ओपीएस की है, हमें यूपीएस और एनपीएस नहीं चाहिए। इसके अलावा हमारी कई स्थानीय मांगे हैं जिनको लेकर कई बार ज्ञापन सौपा गया है। लेकिन आज तक उन स्थानीय मांगो का निराकरण नहीं निकल पाया है। उन्होंने बताया कि उच्च माध्यमिक शिक्षकों को अभी तक क्रमोन्नतवेतन और क्रमोन्नति का लाभ नहीं मिला है। जबकि क्रमोन्नति के आदेश संपूर्ण मध्य प्रदेश में आ चुके हैं, लेकिन जबलपुर संभाग में यह आदेश नहीं आए हैं। इसके अलावा हमारे अन्य मांगे भी हैं जिसको लेकर आज उपवास किया जा रहा है ।

नवीन व्यवस्था के तहत 1000 से 1500 रु मिलती है पेशन- पटेल

वहीं जिला अध्यक्ष श्री पटेल ने बताया कि हमारा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से निवेदन है कि शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी को पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाए। क्योंकि पुरानी पेंशन नहीं मिलने से रिटायर हो रहे कर्मचारियों को महज हजार से 1500 रुपए की पेंशन मिलती है ।जिनका इस महंगाई के दौर में जीना दुभर हो चुका है। हालात कुछ ज्यादा ही बुरे हो चुके हैं। इसलिए हमारी मांग है की पुरानी पेंशन लागू की जाए ।इसके अलावा ई-अटेंडेंस क्रमोन्नति का लाभ, एरियर का भुगतान सहित अन्य मांगे भी शामिल है जिसको लेकर आज यहां उपवास कार्यक्रम किया गया है।

गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का दौर हुआ शुरू

कलेक्टर और एसपी ने देखी विसर्जन स्थलों की व्यवस्था

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।कलेक्टर मृणाल मीना एवं पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने 05 सितंबर को गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए शंकर घाट, जागपुर घाट एवं गायखुरी घाट में की गई व्यवस्था का निरीक्षण किया और गई व्यवस्था का जायजा लिया। आपको बता दे कि मुख्यालय में दस दिवसीय गणेशोत्सव के तहत शुक्रवार से गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया है। शुक्रवार को कई परिवारों ने घरो में विराजित गणेश प्रतिमा को भक्तिभाव से विदाई दी। वैनगंगा नदी के पुल के पास बने विसर्जन कुंड में भक्तों ने गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया। शुक्रवार को ही कलेक्टर मृणाल मीणा, अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा और एसडीएम गोपाल सोनी के साथ प्रशासन, पुलिस और नगरपालिका की टीम ने विसर्जन स्थलों में विसर्जन के लिए की गई व्यवस्थाओं को देखा। कलेक्टर मृणाल मीणा ने बताया कि गत वर्ष की अपेक्षा इस बार सभी विसर्जन कुंड वैनगंगा नदी के पुल के पास विसर्जन कुंड, छोटा पुल, महामृत्युंजय घाट, गायखुरी घाट और अन्य विसर्जन स्थलो पर व्यापक व्यवस्था की गई है। जिसमें डीजे को लाना मना है, विसर्जन स्थल पर प्रकाश, सफाई और अलाउंसमेंट की क्या व्यवस्था होगी। विसर्जन स्थल पर नगरपालिका, पुलिस और बचाव दल के कर्मियों को तैनात है, इसके अलावा कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे निर्धारित 8 सितंबर तक सभी प्रतिमाओं का विसर्जन कर दे।

सुरक्षा व्यवस्था को और दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर जी एस धुर्वे, एसडीएम गोपाल सोनी, सीएसपी वैशाली करहालिया, मुख्य नगर पालिका एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे । निरीक्षण के दौरान सभी विसर्जन स्थल पर फ्लेश लाईट लगाने और होमगार्ड के जवानों को बोट व तैराकों के साथ मौजूद रहने के निर्देश दिये गये। बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन शंकर घाट पर छोटे पुल से पूरे सम्मान के साथ किया जाएगा। अपर कलेक्टर श्री धुर्वे, एसडीएम गोपाल सोनी, सीएसपी सुश्री वैशाली एवं नगरपालिका सीएमओ ने देवटोला एवं ढीमरटोला में प्रतिमा विसर्जन के लिए की

अनुभा मुंजारे के आरोप पर मौसम बिसेन का पलटवार, कहा जिनके घर शीशे के होते है वह दूसरों के घरो में पत्थर नहीं फेंकते

पति से झगड़ा और प्रपंच की सबको है जानकारी, जिले की स्वस्थ्य राजनीति को दूषित ना करे अनुभा मुंजारे

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । डीएफओ नेहा श्रीवास्तव द्वारा बालाघाट विधायक पर रुपए मांगने का आरोप लगाया गया था, जिसमें बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा यह पूरा षड्यंत्र पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन और मौसम बिसेन के इशारों पर आरोप लगाए जाने की बात कही गई थी और कई गंभीर आरोप बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन और मौसम बिसेन पर लगाए थे, जिसका पलटवार करते हुए मौसम बिसेन ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया कि बालाघाट विधायक उन पर अनर्गल आरोप लगा रही हैं, जबकि बालाघाट विधायक स्वयं ही सवालों के घेरे में गिरी हुई है और वह उन पर व्यक्तिगत आरोप लगा रही हैं , जो कि गलत है उन्होंने अपने बयान में कई संगीन आरोप बालाघाट विधायक पर लगाये है और कहां है कि विधायक अनुभा मुंजारे कई सवालों के घेरे में घिरी हुई हैं, पहले वह उनके जवाब दे, उसके बाद उन पर व्यक्तिगत आरोप लगाए। आपको बता दे की विधायक अनुभा मुंजारे पर डीएफओ नेहा श्रीवास्तव के तीन लाख रूपए के लिए धमकाने और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप पर राजनीति शुरू हो गई है। इस मामले में विधायक अनुभा मुंजारे ने बीते दिवस, डीएफओ नेहा श्रीवास्तव को मोहरा बताते हुए इसके पीछे पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन और आयोग सदस्य मौसम बिसेन का हाथ होने की बात कही थी। जिस पर पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने, इस सवाल पर जवाब देने से इंकार कर दिया। लेकिन आयोग सदस्य मौसम ने विधायक के बयान पर जवाबी हमला किया है। मौसम बिसेन ने रामचरित मानस की चौपाई जाके रही भावना जैसी, प्रभु मुरत देखी तीन जैसी, बोलते हुए कहा कि मुंजारे दंपत्ति की आदत है कि वह विषय से हटकर अनर्गल बयानबाजी करते है।

किसी आईएफएस अधिकारी का, इस तरह से संवैधानिक पद पर बैठी विधायक पर आरोप, कोई सामान्य घटनाक्रम नहीं है, जिसकी जांच के बाद, सच्चाई सामने आ जाएगी, लेकिन जिस तरह से संकीर्ण मानसिकता के साथ विधायक अनुभा मुंजारे ने अनर्गल और व्यक्तिगत बयानबाजी की है, यह कोई पहला मामला नहीं है, विधानसभा चुनाव में अनुभा मुंजारे ने विभिन्न मंचो से व्यक्तिगत बयान दिए है, लेकिन आज तो उन्होंने सारी हदे पार कर दी है , आखिर वह किस अधिकार से मेरी पहचान पूछ रही है, मुझे संविधान ने अधिकार दिया है कि मैं अपनी पहचान कैसे बताउं, इस पर उनको क्या आपत्ति है। जिनके घर शीशे के होते है, वह दूसरो के घरो में पत्थर नहीं फेंकते का मुहावरा बोलते हुए मौसम ने कहा कि, पति का घर छोड़कर अलग चला जाना, पति-पत्नी का झगड़ा और उनके प्रपंच, छिपे नहीं है। किसी पर व्यक्तिगत प्रहार करना ना मुझ-में ना मेरे संस्कार और ना ही मेरी पार्टी की विचारधारा है। मायनिंग अधिकारी से अभद्रता और आंदोलन के दौरान पुलिसकर्मी पर हाथ उठाने जैसे उनके वीडियो सामने आए है, वह हमे नैतिकता का पाठ पढ़ाएगी। मैंने बालाघाट में ही जन्म लिया है, यही पली-बढ़ी हुं, मैने 40 सालो की राजनीति में अनेक जनप्रतिनिधि देखे, पर ऐसा कभी नहीं देखा। उन्होंने विधायक अनुभा से कहा कि उनके पति पूर्व सांसद कंकर मुंजारे, आपके विधायक प्रतिनिधि को करप्ट बता रहे है, उसकी सत्यता क्या है, यह बताए। वे, जिले में मुद्दो, सिद्धांतो और वैचारिक राजनीति करें, जिले की स्वस्थ्य राजनीति को दूषित करने का काम ना करे। अगर इतना ही दंभ है तो नैतिकता के आधार पर स्तीफा दे और जनादेश का सामना करे।

बाघ के हमले में घायल 73 वर्षीय व्रद्ध की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत

कटंगी वन परिक्षेत्र के ग्राम अम्बेझरी की घटना, बैल चराकर जंगल से लगे खेत से वापस हो रहा था सेवकराम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कटंगी वन परिक्षेत्र में आने वाले ग्राम अंबेझरी के जंगल लगे खेत में बाघ के हमले में गंभीर रूप से घायल एक वृद्ध की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक सेवक राम पिता रामजी गोपाले 73 वर्ष ग्राम अम्बेझरी थाना तिरोड़ी निवासी है। 4 सितंबर की शाम यह घटना उस समय हुई जब यह वृद्ध अपने बैल चराने के लिए जंगल से लगे अपने खेत गया था। जिला अस्पताल पुलिस ने इस वृद्ध का का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को को सौप दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार कटंगी वन परिक्षेत्र में आने वाले ग्राम अम्बेझरी निवासी सेवक राम गोपाले अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिसके परिवार में तीन बेटे हैं । सेवक राम गोपाले खेती किसानी के अलावा घर के मवेशी भी चलाते हैं। जिनका खेत जंगल से लगा हुआ है। रोज की 4 सितंबर को दोपहर में सेवक राम गोपाले घर के बैल चराने के लिए जंगल समीप अपने खेत ले गए थे। शाम 5:00 बजे करीब सेवक राम गोपाले अपने बैल चराकर बैलों को लेकर अपने घर लौट रहे थे। तभी झाड़ी के पास से गुजरते समय अचानक बाघ ने सेवक राम गोपाले पर पीछे से हमला कर दिया। अचानक बाघ द्वारा सेवकराम गोपाले पर हमला करने से बैल बिदक। जिससे बाघ वहा से भाग गया। बाघ के हमले में घायल सेवकराम गोपाले अपने को बाघ से बचाते हुए जैसे तैसे अपने घर पहुंचा और अपने परिवार वालों को बताये ।परिवार वालों ने बाघ द्वारा किए गए हमले के संबंध में उपक्षेत्रपाल ओ पी जगने परिक्षेत्र सहायक कन्हड़गाव को बताये। खबर मिलते ही वन अमले की टीम ग्राम अम्बेझरी पहुंची और बाघ के हमले में गंभीर रूप से घायल सेवकराम गोपाले को तुरंत ही अपने वाहन से कटंगी के अस्पताल लाकर भर्ती किये जहा से सेवकराम गोपाले को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान रात्रि 10:00 बजे करीब सेवक राम गोपाले की मौत हो गई। 5 सितंबर को जिला अस्पताल पुलिस ने बाघ के हमले में मृत सेवक राम गोपाले का। शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कासिम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना तिरोड़ी भिजवा दी है।

पिताजी बैल लेकर घर आ रहे थे तभी शेर ने पीछे से हमला किया- संजय गोपाले

मृतक सेवक राम गोपाले के पुत्र संजय गोपाले ने बताये की उनके पिता बैल चराने रोज अपने खेत जाते हैं। वे बैल लेकर घर आ रहे थे। रास्ते में झाड़ी पड़ती है। वहा पर से बल लेकर आ रहे थे। तभी शेर ने पीछे से हमला कर दिया। बेल छूटे तो उनको देखकर शेर वहा से भाग गया ।जिसकी वजह से पिता की जान बच गई। वे जैसे तैसे घर आए ।जिन्हें कटंगी लेकर गए थे। कटंगी से जिला अस्पताल बालाघाट लाए थे। जहां रात्रि 10:39 बजे उनकी मौत हो गई।

सूचना मिलने पर तत्काल सेवकराम को कटंगी के अस्पताल में भर्ती किए थे- ओ पी जगने उप वनक्षेत्रपाल

ओ पी जगने उप वनक्षेत्रपाल परिक्षेत्र सहायक कन्नड़गांव ने बताये कि बाघ के हमले में घायल सेवक राम पिता राम जी गोपाले अंबेझरी के रहने वाले हैं। बैल चराने अपने खेत गए थे। चार-पांच बजे के बीच वन्य प्राणी बाग ने हमला कर दिया। हमला करने के बाद सेवक राम बीच बचाव करते हुए घर आए और अपने परिवार वालों को बताएं। परिवार वालों ने हमको सूचना मिलते ही वे तत्काल अम्बेझरी पहुंचे और हम लोगों ने सेवक राम को कटंगी अस्पताल लाये थे वहा से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था। जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान उन्होंने प्राण त्याग दिए। श्री जगने ने बताया कि तत्कालीन सहायता राशि 2000 रुपये रात्रि में ही उपलब्ध करवा दी थी और अंतिम संस्कार के लिए राशि शासन के प्रावधानों के अनुसार दी जाएगी।

कृत्रिम अंक लगाने चार दिव्यांग हुए चिन्हित

बैहर(पद्मेश न्यूज) ।नगर के समाज सेवियों द्वारा समाजसेवी राकेश असाटी के नेतृत्व में 3 सितंबर को यहां के निदान अस्पताल में कृत्रिम अंग लगाने हेतु चिन्हित शिविर का आयोजन किया गया । इस शिविर में चिन्हित 4 दिव्यांगों को समाज सेवी संस्था द्वारा जयपुर राजस्थान स्थित राजा मानसिंह अस्पताल से निःशुल्क कृत्रिम पैर की सुविधा का लाभ दिलाया जाएगा। समाजसेवी राकेश असाटी ऐसे पुनीत कार्य के लिए सदैव तत्पर रहते हैं यदि कोई भी दिव्यांग कृत्रिम हाथ पैर की निशुल्क सुविधा का लाभ लेना चाहते हैं वे समाजसेवी राकेश असाटी से संपर्क कर सकते हैं।

शिक्षक दिवस पर सम्मानित हुए पूर्व शिक्षक और सफाई कर्मी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर राजधानी भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में राज्यपाल मंगू भाई पटेल की उपस्थिति में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने, जिले के शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा के उच्च माध्यमिक शिक्षक सौरभ कुमार शर्मा को सम्मानित किया। वहीं बालाघाट मुख्यालय में 5 सितंबर को नगरपालिका के बालाघाट गौरव दिवस और शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम में जिले के रिटायर्ड शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में ओबीसी आयोग सदस्य मौसम हरिनखेड़े, नपाध्यक्ष भारती ठाकुर, भाजपा अध्यक्ष रामकिशोर कावरे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, पूर्व जिला पंचायत प्रधान रेखा बिसेन, पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी ने रिटायर्ड शिक्षकों को पुष्पहार पहनाकर, शॉल श्रीफल के साथ एक पेड़ मां के नाम लगाने के लिए पेड़ का पौधा भेंट किया। उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने अमेरिका के टेरिफ की चुनौती से देश जूझ रहा है, लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि दृढ़-इच्छाशक्ति के धनी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इस चुनौती को पार कर लेंगे। उन्होंने जिले के शिक्षकों से इसी तरह से स्नेह, प्यार, आशीर्वाद सदैव देते रहने की अपेक्षा करते हुए कहा कि कि देश को सर्वश्रेष्ठ, राष्ट्र बनाने में आप सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर नपा के स्वच्छता प्रहरियों का भी बालाघाट गौरव दिवस पर सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नपाध्यक्ष भारती ठाकुर ने बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने 5 सितंबर को नगर गौरव दिवस मनाने का आह्वान किया था। जिसके बाद से, नगरपालिका बालाघाट, लगाातर 5 सितंबर को नगर गौरव दिवस मनाते आ रही है। जिसके पीछे पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन का कहना था कि जिले के शिक्षकों ने ना केवल जिले बल्कि पूरे देश में, अपनी एक अलग पहचान बनाई है। जिसके चलते प्रतिवर्ष नगरपालिका, 5 सितंबर को नगर गौरव दिवस मनाते आ रही है। उन्होंने बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री और पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन की पहल के कारण, नगर को यह गौरव मिला कि वह नगर का गौरव सम्मान समारोह मना रहा है।

रजा मस्जिद में हर्षोल्लास से मनाया गया ईद-मिलादुन्नबी पर्व

निकाला गया मोहम्मदी जुलूस, लंगर ए-आम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। पैगम्बर इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश पर मनाया जाने वाला पर्व जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व शुक्रवार को नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में मुस्लिम समुदाय के द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। साथ ही दिन-भर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए। इस जश्ने ईद-मिलादुन्नबी पर्व के अवसर पर मुस्लिम धर्मावलंबियों के सबसे बड़े पर्व ईद-मिलादुन्नबी के अवसर पर अल सुबह से ही इबादत का दौर शुरू हो गया। जहां घर-घर खीर पूड़ी सहित अन्य मीठे पकवान बनाकर फातिहा दी गई। वही लोगों ने एक दूसरे को मिठाई बाटकर ईद मिलादुन्नबी पर्व की मुबारकबाद पेश कर सभी को पर्व की शुभकामनाएं दिये। इस ईद-मिलादुन्नबी पर्व के अवसर पर 5 सितंबर को रजा मस्जिद अमोली में प्रातः 8.45 बजे परचम कुशाई (झंडा फहराया) की गई। तत्पश्चात 'नारे तकबीर-अल्लाहू अकबर, नारे रिसालत-या रसूलल्लाह, पत्ता पत्ता फूल फूल या रसूल या रसूल, आमदे मुस्तफा मरहबा, मरहबा, यौमे पैदाईश-मरहबा, मरहबा, सरकार की आमद मरहबा, मरहबा' सहित अन्य सदाओं के साथ मस्जिद से प्रातः 9 बजे मुस्लिम धर्मावलंबियों के द्वारा मोहम्मदी जुलुस निकाला गया। यह जुलूस अमोली होते हुए बस स्टैण्ड, सब्जी मार्केट, मजार के पास, सिवनी रोड़, आमाटोला, पांढरवानी सहित अन्य स्थानों का भ्रमण करते हुए मस्जिद पहुंचा। जहां सलातो सलाम का नजराना पेश कर देश में अमन, चैन, शांति और आपसी भाईचारे की दुआएं कर जुलूस का समापन किया गया तत्पश्चात लंगर ए आम का आयोजन किया गया।

जुलूस का जगह जगह हुआ स्वागत

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर्व के अवसर पर निकाले गये इस जुलूस ए मोहम्मदी का जगह जगह स्वागत किया गया। इस दौरान जगह-जगह जुलूस में उपस्थितजनों को मिठाइयां, हलवा, खीर, छुवारे, शरबत सहित अन्य सामग्रियों का वितरण कर लोगों ने एक दूसरे को ईद मिलादुनबी पर्व की मुबारकबाद दी। इस दौरान जुलूस में शामिल धर्मालंबियों द्वारा लगाये गये नारे "सरकार की आमद, नारा एक तकबीर-अल्लाहों अकबर" सहित अन्य इलामी नारों से नगर गुंज उठा। जहां जुलूस में शामिल धर्मालंबियों के साथ-साथ नात खानों ने नात ए रसूल, सलातो सलाम सहित अन्य इस्लामी तरानों की प्रस्तुतियां दी। वही ब'चें व युवा हाथों में हरे झंडे लिए बुलंद नारो के साथ इस्लामी तरानों में मगमुग्ध नजर आये, इसके अलावा जुलूस में शामिल अन्य लोगों को दरूद ए मोहम्मदी का जिक्र करते हुए देखा गया। जिन्होंने पैग़ंबर इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश पर अपनी खुशी का इजहार करते हुए मोहम्मद साहब के पैगाम को जन जन तक पहुंचाया। इस मोहम्मदी जुलूस में पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। चर्चा में रजा मस्जिद अमोली के पदाधिकारियों ने बताया कि ईद मिलादुन्नबी का पर्व पैगम्बर मोहम्मद साहब के जन्मदिवस पर मनाया गया और इस अवसर पर 5 सितंबर को रजा मस्जिद अमोली से प्रातः 9 बजे मोहम्मदी जुलुस निकाला गया जो पूरे नगर का भ्रमण करते हुए मस्जिद पहुंचा जहां फातिया यामी सलामे सलामी के पश्चात लंगर ए आम का आयोजन किया गया। साथ ही यह भी बताया कि ईद मिलादुन्नबी पर्व पर यही संदेश देना चाहेगें कि पूरी दुनिया में अमन, शांति, प्रेम बना रहे और सभी भाईचारे के साथ रहे जिससे हमारे हिन्दुस्तान की शान बरकरार रहे। वहीं ईद मिलादुन्नबी पर्व पर मिले सहयोग के लिए रजा मस्जिद कमेटी अमोली ने पुलिस प्रशासन का आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर पर रजा मस्जिद कमेटी के समस्त पदाधिकारी एवं मुस्लिम भाई व बच्चें उपस्थित रहे।

विसर्जन घाट पांढरवानी बड़ा तालाब का थाना प्रभारी एवं नायब तहसीलदार ने किया निरीक्षण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। वहीं 6 सितंबर को प्रतिमा का विसर्जन कर पर्व का समापन किया जायेगा। जिसके लिए प्रशासन के द्वारा विसर्जन स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मंशा से ग्राम सरपंच को सुरक्षा के आवश्यक दिशा-निर्देश दिये जा रहे है। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के लालबर्रा गार्डन स्थित बड़ा तालाब का शुक्रवार को थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी, नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा एवं पांढरवानी सरपंच के द्वारा निरीक्षण किया गया क्योंकि बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन शनिवार को भगवान श्रीगणेश जी की प्रतिमा विसर्जन करने के लिए विसर्जन घाट पहुंचेगें। इस निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी एवं नायब तहसीलदार ने पांढरवानी पंचायत से विसर्जन घाट की साफ-सफाई करने, प्रकाश की व्यवस्था करने के साथ ही श्रध्दालुओं की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही है। इसी तरह थाना प्रभारी एवं नायब तहसीलदार के द्वारा लालबर्रा क्षेत्र के विभिन्न विसर्जन घाटों का भी निरीक्षण कर ग्राम सरपंच को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये है और सभी से कहा कि प्रतिमा विसर्जन के दौरान श्रध्दालुओं को गहरे पानी में न जाने दे। साथ ही विसर्जन घाट में मछुआरे, गोताखोर एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहेगें ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में तुरंत राहत कार्य किये जा सके। इस अवसर पर थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी, नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, सरपंच अनीस खान सहित अन्य उपस्थित रहे।

आमाटोला (ददिया) में विराजे विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का हुआ विसर्जन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम आमाटोला में आमाटोला मित्र मंडल समिति के द्वारा गत दिवस प्रथम पू'य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर 10 दिवसीय पर्व श्रीगणेशोत्सव भक्तिभाव के साथ मनाया गया। वहीं पर्व के दसवें दिन शुक्रवार को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण किया गया, जिसके बाद प्रतिमा स्थल से शोभायात्रा निकालकर ग्राम के समीप से गुजरी सर्राटी नदी पहुंचे जहां आरती करने के बाद गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ के नारों के साथ भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विसर्जित किया गया। चर्चा में मित्र मंडल समिति रामजीटोला अध्यक्ष रामप्रसाद कावरे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व धूमधाम एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया एवं रोजाना विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए। साथ ही यह भी बताया कि शुक्रवार को अनंत चतुर्दशी को प्रातः विधि विधान पूर्वक हवन पूजन कर महाआरती की गई तत्पश्चात कन्याभोज करवाया गया। जिसके बाद भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर मित्र मंडल समिति आमाटोला अध्यक्ष रामप्रसाद कावरे, उपाध्यक्ष कमलेश कावड़े, सचिव बालकृष्ण कावरे, सहसचिव सतीश नागेश्वर,सदस्य रामेश्वर मेश्राम, मोहित कावड़े, राकेश नागेश्वर, निलेश कावरे, रितेश कावरे सहित श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संदिग्ध स्थिति में दशरथ की हुई मौत

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. के अंतर्गत आने वाले वनग्राम चिखलाबड्डी के एक व्यक्ति की शुक्रवार को संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वनग्राम चिखलाबड्डी निवासी 40 वर्षीय दशरथ धुर्वे मजदूरी कार्य करता था, जो गुरूवार की रात में परिवार के लोगों के साथ खाना खाने के बाद सो गया था। लेकिन सुबह 9 बजे तक सो कर नही उठा तो परिजनों को लगा कि उसे ठीक नही लग होगा इसलिए सो रहा होगा और उसे उठाये नही किन्तु वहां दोपहर 12 बजे तक सो कर नही उठा तो परिजनों उसके बिस्तर के पास जाकर देखे तो उसकी सांस नही चल रही थी एवं शरीर ठंडा हो चुका था। जिससे उन्हे लगा कि उसकी मौत हो चुकी है, जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। वहीं पुलिस को वनग्राम चिखलाबड्डी निवासी दशरथ की घर पर ही मौत होने की जानकारी लगने के बाद थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी के निर्देश पर सहायक उपनिरीक्षक चेतन उइके पुलिसबल के साथ घटना स्थल पहुंचे और उसे तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर मृत व्यक्ति का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि वनग्राम चिखलाबड्डी निवासी 40 वर्षीय दशरथ धुर्वे के परिवार में पत्नि, ब%चें है और वह मजदूरी कार्य करता था। जो गुरूवार को रात में भोजन करने के बाद सो गया था एवं जिसके सीने में दो दिनों से दर्द भी होने की बात कही जा रही है। साथ शुक्रवार को दोपहर तक सो कर नही उठा तो परिजनों ने उसके पास जाकर देखे तो उसकी मौत हो चुकी थी। जिससे ऐसा लग रहा है कि सीने में दर्द अधिक होने, शराब के सेवन से या फिर जहरीले कीड़े व सर्प के काटने से उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। वहीं दशरथ धुर्वे की मौत का मामला संदिग्ध लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा कि किस कारण से दशरथ की मौत हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इनका कहना है-

शुक्रवार को दोपहर में चिखलाबड्डी से जानकारी मिली थी कि एक व्यक्ति की घर पर ही मौत हो गई है। जिसके बाद घटना स्थल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही कर शव को लालबर्रा अस्पताल लाया गया और पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है एवं मर्ग कायम मामले की जांच की जा रही है।

चेतन उइके
सहायक उपनिरीक्षक
थाना - लालबर्रा।

कटंगझरी की टीम विजेता तो बावली उगली की टीम बनी उपविजेता

रामजीटोला में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का समारोहपूर्वक हुआ समापन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम रामजीटोला में श्री शिव शक्ति सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के द्वारा गत 27 अगस्त को प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। वहीं गणेशोत्सव के अवसर पर 3 सितंबर से दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था और 4 सितंबर को फाइनल कबड्डी प्रतियोगिता के साथ समारोहपूर्वक किया गया। इस दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में क्षेत्रभर के 30 टीम शामिल होकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किये एवं दोपहर में फाइनल कबड्डी प्रतियोगिता प्रारंभ हुई। जिसमें कटंगझरी एवं बावली उगली के मध्य फाइनल मैच खेला गया और कटंगझरी टीम के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मैच का खिताब जीत लिया। जिसके बाद अतिथियों के हस्ते कटंगझरी की टीम को प्रथम पुरस्कार 10001 रूपये, बावली उगली की टीम को द्वितीय पुरस्कार 7001 रूपये एवं बालाजी क्लब रामजीटोला की टीम को तृतीय पुरस्कार 5001 रूपये एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया। वहीं उपस्थित अतिथियों ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए विजेता एवं उपविजेता टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल में एक टीम को हार का सामना करना पड़ता है। लेकिन हारी हुई टीम को निराश होने की आवश्यकता नही है, वे प्रयास करें कि उनसे कहा गलती हुई है उसमें सुधार कर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टीम का नाम जिले सहित प्रदेश में रौशन करने की बात कही है। साथ ही यह भी कहा कि खेल से शारीरिक एवं मानसिक विकास भी होता है इसलिए सभी को कुछ न कुछ खेल खेलते रहना चाहिए। यह कार्यक्रम जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे के मुख्य आतिथ्य, सेवकराम माने की अध्यक्षता एवं जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, जनपद सदस्य दीपक कावरे के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। चर्चा में जनपद सदस्य दीपक कावरे ने बताया कि श्री शिव शक्ति सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के तत्वाधान में भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया जा रहा है एवं रोजाना विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। साथ ही गणेशोत्सव पर्व के अवसर पर 3 सितंबर से दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें क्षेत्रभर के 30 टीम शामिल होकर अपने खेल का जौहर दिखाये, जिसमें फाइनल मैच कटंगझरी एवं बावली उगली के मध्य खेला गया और कटंगझरी की टीम ने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विजेता बनी है। जिन्हे प्रथम पुरस्कार 10001 रूपये, बावली उगली की टीम को द्वितीय पुरस्कार 7001 रूपये, बालाजी क्लब रामजीटोला की टीम को तृतीय पुरस्कार 5001 रूपये देकर सम्मानित किया गया है। श्री कावरे ने बताया कि 5 सितंबर को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी का वितरण किया गया है और 6 सितंबर को प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि आगामी वर्ष में और भव्य कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर आयोजन समिति संरक्षक डॉ. रामप्रसाद पंचेश्वर, गोविंदराम पंचेश्वर, कुंवरलाल माने, उमाशंकर नागेश्वर, रंजन राजुरकर, जवाहरलाल पंचेश्वर, मिश्रीलाल पंचेश्वर, लेखराम माने, बसंत हट्टेवार, महेश माने, मनोज यादव, धनीराम पंजरे, यशवंतराव बाहेश्वर, देवनलाल पंचेश्वर, युवराज पंचेश्वर, मुकेश यादव, शिवभजन कावरे सहित समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

डीएफओ झूठे आरोप लगाकर जनप्रतिनिधि की छबि को कर रही धुमिल - भाऊराम

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने विज्ञप्ति जारी कर डीएफओं नेहा श्रीवास्तव के द्वारा बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे पर रूपये लेने का जो आरोप लगाया गया है उसकी निंदा करते हुए कहा कि विधायक श्रीमती मुंजारे के संदर्भ में डीएफओं नेहा श्रीवास्तव के द्वारा जो अनर्गल प्रचार किया जा रहा है वह सब सत्यता से परे है। एक प्रशासनिक अधिकारी द्वारा जनता से चुने जनप्रतिनिधि पर रिश्वत मांगने का झूठा आरोप लगाया गया है जो गलत है, जिसकी कांग्रेस पार्टी लालबर्रा कठोर शब्दों से निंदा करता है। श्री गाड़ेश्वर ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी द्वारा विधायक के खिलाफ इस तरह की झूठे आरोप लगाना निंदनीय है और प्रशासन से मांग है कि ऐसी गैर जिम्मेदाराना आरोप लगाने और विधायक की छवि को धूमिल करने वाले अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करें।

भाजपा कार्यालय में शिक्षक दिवस का हुआ आयोजन

शिक्षक समाज का दर्पण होता है-प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनपा पार्टी कार्यालय में ५ सितंबर २०२५ को शिक्षक दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ,सेवानिवृत्त शिक्षक वाय एस पवार, आर के लटारे , पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल,नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ,भाजपा नेता शैलेन्द्र सेठी, नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष वेदप्रकाश पटेल, मिलिंद नगपुरे सहित अन्य गणमान्य लोगों की प्रमुख उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रचलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के करीब एक सैकड़ा से अधिक शिक्षक व सेवानिवृत्ति शिक्षकों का प्रदीप जायसवाल के हस्ते तिलक वंदन कर शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। वहीं शिक्षकों के द्वारा प्रदीप जायसवाल को यशस्वी भव का आशीर्वाद दिया गया। वहीं पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहां की पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल और उनके पिता सदैव दीनदुखी की मदद के लिए आगे आते रहे हैं। प्रतिवर्ष शिक्षकों के सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया जाता रहा है। जिसमें आज भी वह अपने शिक्षकों एवं क्षेत्र के सेवानिवृत शिक्षकों सहित कार्यरत शिक्षकों को प्रतिवर्ष सम्मान देते हैं जो सराहनीय कार्य है। जिस उम्र में हम आज खड़े हैं वहां हमारे पास पाने के लिए कुछ नहीं है । खोने के लिए सब कुछ और हमने अपना पूरा जीवन समाज को दिया है। अब इस आयु में इस प्रकार का यदि सम्मान मिलता है तो हमें लगता है कि हमने जीवन में कुछ अच्छा किया है साथ ही अन्य बातें कही गई। इस अवसर गणमान्य नागरिक सहित सेवानिवृत शिक्षक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

प्रतिभावान गरीब बच्चो की व्यक्तिगत मदद करना शिक्षको का दायित्व है-वाय एस पवार

सेवानिवृत शिक्षक वाय एस पवार ने शिक्षको के व्यवहार से लेकर शिक्षा के विषय में आ रही अनेको गिरावटो पर टिप्पणी करते हुये कहा की आज प्रतिभावान गरीब बच्चो की व्यक्तिगत मदद करने की शैली समाप्त सी हो गयी है। शिक्षकगण आज के दौर में अगर जवाबदेही से कार्य करेंगे तो समाज में अपराध में कमी, नशे की प्रवर्ति कम होंगी और समाज में अच्छे लोगो की संख्या अधिक हो जायेगी।'

महानगरो में वारासिवनी का नाम सम्मान से लिया जाता है-डी पी चौरागड़े

सेवानिवृत शिक्षक डी पी चौरागड़े ने कहा की गुरूजनो के संस्कारो के कारण आज प्रदीप जायसवाल क्षेत्र का सर्वांगीण विकास कर रहे है। आज भी महानगरो में वारासिवनी का नाम सम्मान से लिया जाता है।

आने वाली पीढ़ी को संदेश मिले की गुरु जीवन में कितना महत्व रखता है

पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि शिक्षक स्वयं भी राष्ट्रपति बन सकते है और अपने ज्ञान,समर्पण व अनुभव से किसी को भी राष्ट्रपति बना सकते है। वे एक शिक्षक के बेटे है स्व.अम्रतलाल जायसवाल पहले शिक्षक के रूप में कार्य करते थे। आज जिस तरह वरिष्ठ शिक्षको ने शिक्षा पध्दति पर अपने कमेंटस दिये है वह शिक्षा सहित अन्य क्षेत्रो में ही लागू होते है। आज राजनिति का स्तर जिस तरह से गिर रहा है उससे वे भी परेशान हो जाते है। जिसको देखो वह ही बगैर जवाबदारी के अपने बयान तक जारी कर देते है। कभी कभी राजनिति का यह क्षेत्र छोड़ तक देने का मन करता है। किंतू फिर घनघोर अंधेरे में एक दिया ही प्रकाश के लिये काफी होता है की सोच एक नया उत्साह पैदा कर देती है। आज सम्मान समारोह में सभी शिक्षकगणो को शाल श्रीफल से सम्मानित कर हम स्वंय गर्व का अनुभव महसूस कर रहे है। श्री जायसवाल ने कहा कि शिक्षक दिवस मनाने के पीछे हमारा उद्देश्य होता है कि आने वाली पीढ़ी को संदेश मिले की गुरु जीवन में कितना महत्व रखता है। शिक्षक चाहे तो किसी को कुछ भी बना सकता है इसलिए शिक्षकों का आशीर्वाद जरूरी है । क्योंकि यह जो पद है वह सेवा का पद है और यही शिक्षक है जो सकारात्मक सोच व दिशा अपने शिष्यों को प्रदान करता है। जिससे देश और समाज आगे बढा़ रहा है समाज और देश को बनाने वाले शिक्षक इन्हीं पर निर्भर है कि देश व समाज कैसा बनेगा शिक्षक कभी भी साधारण नहीं होता है। शिक्षक समाज का दर्पण होता है शिक्षकों का हमारे जीवन में बहुत बड़ा महत्व होता है।

मनरेगा उपयंत्री की हड़ताल से पंचायत का काम अवरूध्द

पंचायत के कार्य हुए अवरुद्ध ग्रामीण जन परेशान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत क्षेत्र के समस्त ग्राम पंचायतों में मनरेगा का कार्य अवरुद्ध पड़ा हुआ है। जहां ग्रामीणों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि मनरेगा उपन्यत्री अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। जिसका परिणाम है कि ग्राम में कोई नया कार्य स्वीकृत नहीं हो पा रहा है ,तो वहीं पूर्व के किए गए कार्यों का मूल्यांकन ना होने से वह कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। ऐसे में सभी कार्य अवरुद्ध पड़े हुए हैं। विदित हो की मनरेगा उपयंत्री संघ अपनी संविदा की समय सीमा बढ़ाने,वहीं दिए जा रहे वेतन को पे स्केल में लाने जैसी विभिन्न मांगों को लेकर १६ अगस्त से हड़ताल पर चले गए थे। जिसमें उनके द्वारा प्रथम चरण में १० दिवसीय सामूहिक अवकाश लिया गया था। इसके बाद उनके द्वारा २६ अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी गई। ऐसे में वर्तमान तक सभी मनरेगा उपयंत्री हड़ताल पर चल रहे हैं जिस पंचायत में बीते दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण मनरेगा के विभिन्न कार्य जैसे सड़क कट जाना, नाली सफाई ,नई नाली निर्माण, पानी निकासी की व्यवस्था जैसे विभिन्न कार्य ढप पड़े हुए हैं। क्योंकि उक्त कार्य का एस्टीमेट एवं प्रकरण उपयात्रियों के द्वारा तैयार किया जाना है जिसके बाद स्वीकृति प्राप्त होगी। परंतु हड़ताल पर उपयंत्री होने से वह कार्य का स्टीमेट या प्रकरण तैयार नहीं कर पा रहे हैं। तो वहीं ग्राम स्तर पर समस्याएं बनी हुई है जिससे हर कोई ग्रामीण प्रभावित हो रहा है। इस परिस्थिति में हर किसी के द्वारा व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है।

उपयंत्रियों की हड़ताल से ग्राम का विकास प्रभावित हुआ है-कन्हैया खैरवार

ग्राम सरपंच कन्हैया खैरवार ने बताया कि मनरेगा उपयंत्री की हड़ताल चलने से ग्राम का विकास प्रभावित हुआ है। तो वहीं पिछली बारिश में होने वाले नुकसान यथावत पड़ा हुआ है। सुधार कार्य करने की जरूरत है किंतु स्टीमेट उपयंत्री बनाते हैं। उसके बाद ही सुधार कार्य हो पता है ऐसे में दिक्कत बनी हुई है तो वहीं पूर्व के जो कार्य कराए गए थे उसका मूल्यांकन भी नहीं हो पाया है। जिस कारण राशि नही निकलने से कार्य बंद पड़ा हुआ है। हमारे यहां पिछली बारिश में तालाब की पार फूट गई थी जल भराव की समस्या बनी हुई है। ऐसे अनेक कार्य करवाने के लिए ग्रामीणों को अब समस्या हो रही है परंतु इस हड़ताल के चलते हम कार्य करने में असमर्थ है।

हड़ताल के कारण पंचायत स्तर के सभी कार्य बंद पड़े हुए है-संदीप पटले

संदीप पटले ने बताया कि पंचायत में मनरेगा के माध्यम से विभिन्न कार्य संचालित किए जाते हैं। जैसे नाली निकासी , साफ सफाई ,किंतु यह कार्य बंद है पूर्व के जो कार्य तैयार थे उसमें स्वीकृति प्रक्रिया की जा रही है। परंतु उसमें भी समस्या आ रही है ऐसे में पंचायत स्तर के सभी कार्य बंद पड़े हुए हैं। शासन को हड़ताल कर रहे लोगों की मांगों पर विचार कर जल्दी से हड़ताल को समाप्त करवाना चाहिए ताकि ग्राम विकास के कार्य आगे बढ़ सके।

इनका कहना है

मौखिक चर्चा मे बताया की मनरेगा उपयांत्रि की हड़ताल चल रही है जिसके कारण कार्य तो प्रभावित है। उनकी प्रदेश स्तरीय हड़ताल है शासन से चर्चा चल रही है अभी कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गयी हैं।

दीक्षा डहेरिया
सीईओ जनपद पंचायत वारासिवनी

कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में शिक्षक दिवस समारोह सम्पन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में कार्यरत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा देश के भूतपूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन का जन्म दिवस शिक्षक दिवस के रूप में समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह का शुभारंभ स्कूल संचालक प्राचार्य निरंजन बिसेन के द्वारा माँ सरस्वती ,डॉ. राधाकृष्णन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतीक पुरूष स्वामी विवेकानंद के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। तथा कु. श्रुति गौतम, किंजर बिसेन एवं कु. भुमिका सोनकुसरे के द्वारा माँ सरस्वती की वंदना के गायन के उपरांत स्कूल संचालक प्राचार्य सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का पुष्पगुच्छ एवं उपहार भेंट कर स्वयं सेवक एवं सेविकाओं के द्वारा सम्मान किया गया। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। जिसमें एक दन्त गीत के बोल पर स्कूल संचालक प्राचार्य के द्वारा १०१ रूपये की राशि का पुरस्कार नृतक छात्र छात्राओं को प्रदान किया गया। तथा कु. श्रुति गौतम के द्वारा प्रस्तुत नृत्य विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। इस अवसर पर स्कूल संचालक प्राचार्य निरंजन बिसेन ने छात्र-छात्राओं को गुरूजनों का सम्मान करने हेतु प्रेरित किया गया। तथा जीवन में गुरू का महत्व उल्लेखित किया गया। समारोह में छात्र संघ के द्वारा शिक्षक का पुरस्कार डी.एस. ठाकुर एवं शिक्षिका का पुरस्कार श्रीमती कामेश्वरी बाहेश्वर को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त शिक्षक का पुरस्कार श्रीमती अनिता मिश्रा वरिष्ठ व्याख्याता को प्रदान किया गया। उपरोक्त पुरस्कार वितरण स्कूल संचालक एवं प्राचार्य निरंजन बिसेन के कर कमलों के द्वारा सम्पन्न हुआ। समारोह में विविध वेशभूषा प्रतियोगिता भी सम्पन्न हुई। समारोह का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा एवं स्वयं सेविका कु. इकरा खान के द्वारा किया गया। आभार व्यक्त कर समारोह समापन की घोषणा स्वयं सेविका कु. वैशाली पथिक के द्वारा की गई। समारोह को सफल बनाने में छात्र संघ अध्यक्ष ध्रुव पथिक एवं छात्र संघ पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा।

शानो शौकत के साथ निकला जुलूसे महोम्मद

जश्ने ईदमिलादुन्नबी पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। पैगम्बरे इस्लाम सल्लाल्लाहो अलैहे वसल्लम की आमद पर नगर में मुस्लिम धर्मावलम्बियों के द्वारा अनेक कार्यक्रमों के साथ जुलूस निकालकर जश्ने ईदमिलदुन्नबी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर खवाजा गरीब नवाज मस्जिद से जुलूस निकाला गया जो जामा मस्जिद पहुंचा जहां वरिष्ठजनों हाजियों का स्वागत किया गया। जिसके बाद यह जुलूस नगर के विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए वापस मस्जिद पहुंचा जहां विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। जश्ने ईद मिलादुन्नवी पर्व के जुलुस का जगह जगह इस्तकबाल शरबत पिलाकर एवं खजूर खिलाकर किया गया। मुस्लिम कलेण्डर के अनुसार १२ रवीउन्नुर शरीफ को हुजूर सल्लाल्लाहो अलैहे वसल्लम की आमद इस दुनियॉ में हुई थी वहीं इसी दिन वो इस दुनिया से वफात भी हुए थे। इस पाक व मुबारक मौके पर मुस्लिम भाईयों के द्वारा ईद मिलादुन्नबी के रूप में सारी दूनियॉ में मनाया जाता हैं। नगर में ५ सितंबर को इस मुबारक दिन पर मुस्लिम धर्मावलंबियों के द्वारा अनेक कार्यक्रम किये गये। जिसमे बादं नवाजे फज्र दुरूद ख्वानी व परचम कुशाई सुबह ९ बजे जामा मस्जिद में की गई। वहीं जुलूसे मोहम्मद जामा मस्जिद से निकालकर तमाम शहर का गस्त करता हुआ वापस जामा मस्जिद पहुंचा। जुलुस मोहम्मद का फुलों की पंखुडिया उड़ाकर इस्तेकबाल नगर के अनेक चौक चौराहों पर किया गया। अध्यक्ष इकबाल खान ने जानकारी देते हुए बताया कि पैगम्बरे इस्लाम सल्लाल्लाहो अलैहे वसल्लम की आमद के इस पाक एवं मुबारक मौके पर कमेटी जामा मस्जिद के द्वारा जामा मस्जिद वारासिवनी ग्राउण्ड में हुआ। जिसमें विभिन्न कार्यक्रम आयोजन किया गया है । इस दौरान सुबह नमाज अदा करने के उपरांत हाजियों का स्वागत करने के बाद जुलूस नगर में निकाला गया। जिसमें पूरे नगर का भ्रमण किया जिसका समापन जामा मस्जिद में किया गया। जहां पर नमाज अदाकर आम लंगर आयोजित किया गया।

हुजूर की आमद मरहबा के नारे से गुंजा नगर

जुलुस ए मोहम्मद खवाजा गरीब नवाज मस्जिद से निकला जो सीधा जामा मस्जिद से निकलने वाले मुख्य जुलूस में शामिल हुआ। जुलूस नेहरू चौक होते हुए जय स्तंभ चौक पहुंचा जहां से बस स्टैंड होते दीनदयाल चौक से बड़ी नहर होते बीएसएनएल एक्सचेंज के सामने पहुचां। जहाँ वार्ड नं २ के मदरसा के यहां जुलूस का ईस्तकबाल गर्मजोशी के साथ किया गया। इसके बाद यह जुलूस वापस सीधे दीनदयाल चौक, बस स्टैण्ड,जयस्तंभ चौक, नहेरु चौक से कटंगी रोड़ सब्जी बाजार होते हुए वार्ड नं.९,१०,११,१२,१३ का गस्त करता जामा मस्जिद पहुंचा। इस जुलूस ए मोहम्मद में हूजूर की आमद मरहबा के नारों से माहौल गूंज उठा।

जगह जगह जुलुस का हुआ स्वागत

नगर के विभिन्न स्थान जैसे जय स्तंभ चौक, कालेज चौक, बीएसएनएल आफिस, पीडब्ल्यूडी आफिस, दीनदयाल चौक सहित अनेक स्थानों पर शरबत एवं नाश्ते का इंतेजाम मुस्लिम भाईयों की ओर से किया गया। जहां पर उपस्थित जनों के द्वारा जुलूस का स्वागत कर उसमें शामिल लोगों को पानी और शरबत का वितरण किया गया।

जामा मस्जिद में इनका किया गया स्वागत

ईद मिलादुन्नबी नबी पर्व के अवसर पर जामा मस्जिद में हाजियों के स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां विधायक विवेक पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे, पार्षद संदीप मिश्रा सहित एसडीएम ,एसडीओपी, थाना प्रभारी, नायब तहसीलदार सहित समस्त प्रशासनिक अमले का भी स्वागत किया गया।

शिक्षकों के आशीर्वाद मिला और इस मुकाम तक पहुंचा हूं -विवेक पटेल

कांग्रेस कार्यालय में शिक्षक दिवस मनाकर शिक्षकों का साल श्रीफल से किया सम्मान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। विधायक विवेक विक्की पटेल ने सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन की जयंती पर वारासिवनी जनसंपर्क कार्यालय में शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विधायक विवेक पटेल और सभी शिक्षकों के द्वारा मां सरस्वती व सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात विधायक विवेक पटेल ने शिक्षकों का तिलक वंदन कर शाल श्रीफल से सम्मान किया । जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में १२५ से अधिक सेवानिवृत शिक्षक शामिल हुए। इसके बाद विधायक विवेक पटेल ने सभी शिक्षकों का बारी बारी से तिलक वंदन कर साल श्रीफल से सम्मान कर उनका आशीर्वाद लिया। सेवानिवृत शिक्षक वाय एस पावर सर ने अपने संबोधन में कहा कि जैसा आप फल बोएंगे वैसा ही फल पाएंगे। समाज के हर व्यक्ति को शिक्षको का सम्मान करना चाहिए हमारे देश को अच्छी नागरिक की जरूरत है। शिक्षक ही एक ऐसा गुरु है जो बच्चों को शिक्षा देने में कभी कमी नहीं करता वह सेवा के समय भी शिक्षा देता है और सेवा समाप्ति के बाद भी शिक्षा देता है। शिक्षक ही एक ऐसा गुरु है जो बच्चों को कभी गलत शिक्षा नहीं देता। हमेशा अच्छी ही शिक्षा देता है और उनके पढ़ाए हुए बच्चे आज देश की सेवा कर रहें है। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि शिक्षक ही हमारे गुरु है जो हमें मार्गदर्शन दिखाते हैं । अगर हमारे जीवन में गुरुओं का महत्व नहीं होता तो हमें ज्ञान प्राप्त नहीं होता। बिना गुरु के शिक्षा ग्रहण नहीं किया जा सकता । जब मैं नगर पालिका अध्यक्ष था तो मैं सबसे पहले गुरुओं का सम्मान घर घर जाकर लिया था। आज मुझे उन्हीं का आशीर्वाद मिला और इस मुकाम तक पहुंचा हूं। विधायक पटेल ने कहा कि शिक्षक पुरे ३६५ दिन पूजे जाते है शिक्षा के अलावा कोई भी विभाग में जिसका ट्रांसफर या रिटायर्ट होता तभी सम्मान पाता है। मगर शिक्षक शिक्षा के दौरान भी और रिटायर्ट होने के बाद भी सम्मान पाता है। उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान वही होता है जब उनके पड़े हुए बच्चे भले ही बड़ी ऊंचाइयों पर ना पहुँच पाए परंतु सभी बच्चों का अपने शिक्षक के प्रति आज भी उतना ही सम्मान बरकरार है। जितना छात्र विद्यालय के दिन में होता था छात्र छात्रओं को बेहतर शिक्षा मिले शिक्षक हमेशा प्रयास करता है शिक्षा के बिना कोई भी ज्ञान अर्जित नहीं कर सकता है शिक्षक कभी रिटायर्ट नहीं होता है। इस दौरान जनपद सदस्य जीतू राजपूत, रामकिशोर बिसेन,सुदेश गुड्डु सोनी, राजकुमार चौधरी,गगन बिसेन,छोटू ठाकरे,विजय बिसेन,अनिल गौतम,चिंटू जैन,संदेश बिसेन,प्रणय धार्मिक,नेवी पटले मौजूद रहे।

बौध्द समाज के द्वारा महाबोधि मुक्ति विहार आंदोलन के तहत नगर में निकली रैली

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। बौध्द समाज के द्वारा महाबोधि मुक्ति विहार आंदोलन के तहत देश के विभिन्न हिस्सों में रैलियाँ निकाली गई हैं और निकाली जा रही हैं। इसी कड़ी में वारासिवनी नगर में भी बौद्ध समाज के द्वारा रैली निकाली गई जो की नगर के वार्ड नंबर १ के तक्षशिला से महाबोधि महाविहार की धम्म यात्रा निकल गई। जो कि नगर भ्रमण करते हुए वार्ड नंबर ४ रमाबाई बुद्ध विहार पहुंची । वहां से पुन: नगर भ्रमण करते हुए धम्म यात्रा वार्ड नंबर ९ की बुद्ध विहार पहुंची । इस अवसर पर कैलाश मेश्राम ने बताया कि इस आंदोलन का उद्देश्य १९४९ के बुद्धगया मंदिर अधिनियम एक्ट को रद्द करवाना है। ताकि बुध्दगया स्थित महाबोधि मंदिर का प्रबंधन और नियंत्रण पूरी तरह बौद्ध समुदाय को सौंपा जा सके। विदित है कि यह आंदोलन फरवरी २०२५ में शुरू हुआ और अब तक कई राज्यों में जनसभाएँ, शांति रैलियाँ और मशाल यात्राएँ आयोजित हो चुकी हैं। इस अवसर पर विमलेश मेश्राम, प्रवीण डोंगरे ,धर्मपाल बोरकर, रितेश बोरकर ,जीतू बौद्ध सहित समाज के महिलाएं और पुरुष उपस्थित रहे।

हर देश को अपनी रक्षा का अधिकार है और देश से बढ़कर कुछ नहीं है

रक्षा प्राचीन सभ्यता और श्रम संस्कृति दोनों में, श्रम का एक सामान्य रूप है, जिसमें से हम देख सकते हैं, जकन और हिंदू पूर्व, उपर्णशा। इनमें अधिकार शामिल हैं। हथियार सत्य, अहिंसा, आश्चर्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य होने चाहिए। यदि मृत्यु धर्म के कारण हो, तो वह अहिंसा है। जियो और जीने दो। भारत में सत्य और अहिंसा के संघर्ष में, श्री मोहनदास गांधी ने अपने सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को सीखा और अपने जीवन में सत्य और अहिंसा को अपनाकर 1947 में भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराया। आज के यज्ञावर्षण युग में, अहिंसा के पालन से ही, यह सृष्टि पृथ्वी पर विद्यमान है। अंततः इस दुनिया में दो विश्व युद्ध हुए हैं, जिनमें मानव जीवन और अत्यधिक हिंसा मुख्य कारण हैं। जौनपुर के शहर, जिनके शहर गंगा की बारिश से नष्ट हो गए थे और नवरंग, जिनके शहर गंगा की बारिश से नष्ट हो गए थे। आज, सर्वोच्च शक्ति या सर्वोच्च शक्ति जो भगवान की पहुंच से परे है, ने उन्नत देशों को अपनी सुरक्षा के लिए हथियारों का उपयोग करने के लिए मजबूर किया है। सेनाओं के बीच इस प्रतिस्पर्धा के कारण ही विश्व युद्ध होगा और पृथ्वी पर जीवन समाप्त हो जाएगा। इसलिए, आज दुनिया के सभी लोगों के लिए इस धरती पर दिव्य जीवन के लिए अहिंसक जीवन जीने की कला को अपनाना आवश्यक है। भले ही दुनिया के सभी विश्व परम अहिंसा के कारण पर जुटे हों, फिर भी हर साल विश्व स्तर पर सभी दुनिया अहिंसा के मार्ग पर एक दुनिया से दूसरी दुनिया में बदल गई है। केंद्र से केंद्र की ओर बढ़ने की आवश्यकता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है और इसलिए संयुक्त परामर्श होगा।आज चीन विक्ट्री पैरेड कर शांति को भंग करना चाहता है जिसमें विश्व के शक्तिशाली देशों का जमावड़ा लगा माननीय प्रधानमंत्री जी को शंघाई शिखर सम्मलेन में जाना उचित था या नहीं ऐ देश के वीर जवानों के लहू से आप खुद समझ जायेंगे देश सर्वोपरि है सेना हमारी रक्षा करती है सियाचिन जैसे कठिन ग्लेशियर पर -30 से 40 डिग्री के तापमान पर भी देश की सीमा की रक्षा करते हैं टैरिफ ज्यादा हुआ अमेरिका से तो देश में संसाधनों की कमी नहीं है ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन की धरती पर कदम नहीं रखना चाहिए वहाँ पाकिस्तान, तुर्की भी था रूस के राष्ट्रपति पुतिन को भारत की चिंता होती तो भारत आते चीन नहीं जब 26/11/08 के हमले हुए तो यही सोच रहा था कि आतंकवादी से मुक्ति दिलाने वाला सही में वो सरकार नाकाम हुई और 2011 में वर्ल्ड कप में जब इंडिया में मैच देखने मोहाली में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह आए तो पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री की खातिरदारी हुई जो आतंक को पालता है लेकिन अब ऐसा लगने लगा है सभी राजनीती पार्टियों को देश से ज्यादा सत्ता की चिंता होती है ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान से नहीं आतंकवादी से युद्ध हुआ और पाकिस्तान की दोहरी नीति सामने आई आतंकवादी को पालना पोसना अतः युद्ध में कूद गया और पाकिस्तान को सबसे ज्यादा किसी ने मदद की है तो वो चीन ही है आप मजे से हैं तो ऐ मत सोचिये की ठीक हो रहा है जो सीमा पर डटे हैं उनसे जाकर पूछिए कितना कष्ट में जीवन यापन करते है खुद के लिए नहीं देश के लिए अतः ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब सेना के उप प्रमुख का बयान आता है कि हम तीन फ्रंट पाकिस्तान, चीन और तुर्की से भी ल? रहें थे तो उनका जज्बा देखिए कभी किसी ने चीन से युद्ध के बारे में खुले तौर पर नहीं कहा लेकिन सेना ने भारत माता के लिए वो दर्द सहा है संघर्ष किया है भारत माता का मस्तिष्क गर्व से ऊँचा किया है हम देश के लिए जिए और देश के लिए मरे यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए अमेरिका के सामने एक छोटा सा देश वेनेजुअला ने अमेरिका को डरा दिया कम नहीं है वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज़ ने घोषणा की है कि कैरिबियन में वाशिंगटन की सैन्य उपस्थिति को लेकर बढ़ते तनाव के बीच, उनका देश संयुक्त राज्य अमेरिका के किसी भी हमले का सामना करने के लिए तैयार है।रविवार को सरकारी मीडिया पर प्रसारित उनकी यह टिप्पणी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कार्टेल विरोधी अभियानों के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना बलों की तैनाती के बाद कराकस और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है भारत तो भगवान राम के आदर्शो पर चलने वाला देश है जहाँ देश ही सबकुछ है मान मर्यादा भी भारत माता के लिए है।

उम्मीदों की चीप से हौसलों की उड़ान भरता भारत

भारत ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया इतिहास रचते हुए अपना पहला पूर्णतया स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर तैयार कर एक तकनीकी क्रांति को आकार दिया है। यह उपलब्धि न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। भारत ने इस तकनीकी क्रांति की तरफ कदम बढ़ते हुए आत्मनिर्भर एवं स्वदेशी तकनीकी प्रगति को नये आयाम दिये हैं। पहला पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित करने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिये इसरो की सेमीकंडक्टर लैब साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं, अब भारत को इस तरह की तकनीक के लिये विदेशों के पराधीन नहीं होना होगा। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है, निश्चित ही इससे भारत की ताकत बढ़ेगी और तकनीक के साथ-साथ यह आर्थिक विकास को तीव्र गति देगा। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। विशेषतः भारत की यह जादूई उपलब्धि अमेरिका को आइना दिखाने वाली है, ट्रंप को यह एक ब?ा झटका है। भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है, जिससे भारत अनेक मोर्चें पर सफलता के परचम फहरायेगा। इस स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अर्धचालक प्रयोगशाला ने अभिकल्पित किया है और इसे 卐विक्रम卐 नाम दिया गया है। यह अंतरिक्ष-मानक माइक्रोप्रोसेसर है, जो मुख्यतः अंतरिक्ष अभियानों और रॉकेट प्रणालियों में प्रयोग के लिए तैयार किया गया है। इसरो ने सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) चंडीगढ़ के साथ मिलकर दो स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विक्रम 3201 और कल्पना 3201 विकसित किए हैं। यह माइक्रोप्रोसेसर प्रक्षेपण यानों के नेविगेशन और नियंत्रण में मदद करेंगे। विक्रम 3201 पूरी तरह भारत में बना पहला 32-बिट प्रोसेसर है। इस कदम से इसरो को विदेशी प्रोसेसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा जिससे अंतरिक्ष में देश की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निश्चित ही इससे भारत ने महाशक्ति बनने की ओर अपनी गति को तीव्रता दी है, जिससे अमेरिका हिला और दुनिया भारत की ताकत से रू-ब-रू हो रही है। अब तक भारत को अनेक जटिल अंतरिक्ष अभियानों के संचालन हेतु विदेशी सूक्ष्म-प्रक्रमकों और अर्धचालक पट्टिकाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। यह विदेशी निर्भरता न केवल आर्थिक दृष्टि से बोझिल थी बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी चुनौतीपूर्ण थी। विक्रम माइक्रोप्रोसेसर के निर्माण से भारत ने इस निर्भरता की बेड़ियों को तोड़ा है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाया है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। प्रधानमंत्री मोदी इसके लिये निरन्तर प्रयासरत है। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं भारत को ऐसे ही विकास के नये शिखरों पर आरोहण कराने का सशक्त माध्यम बन रही है। निश्चित रूप से मोदी सरकार के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बड़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल, राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वेदशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी। जिसका असर जियोपॉलिटिक्स पर तो होगा ही, नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा, भारत तकनीकी विकास के नये आयाम उद्घाटित करते हुए विश्व को अचंभित भी करेगा। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति शृंखला को मजबूत बना सकते हैं। 32-बिट क्षमता का अर्थ है कि यह माइक्रोप्रोसेसर अधिक व्यापक स्मृति का उपयोग कर सकता है और जटिल संगणकीय कार्यों को तीव्र गति से संपन्न कर सकता है। अंतरिक्ष अभियानों में जहाँ प्रत्येक क्षण और प्रत्येक संकेत का महत्व होता है, वहाँ इस प्रकार की क्षमता अत्यंत आवश्यक है। यह केवल गति और कार्यकुशलता नहीं देता बल्कि विकिरण-सहनशीलता और दीर्घकालीन स्थिरता जैसे गुण भी समाहित करता है। अंतरिक्ष में प्रबल विकिरण, तापमान का उतार-चढ़ाव और कठोर परिस्थितियाँ होती हैं, जिनका सामना सामान्य माइक्रोप्रोसेसर नहीं कर सकते। इसलिए इस प्रकार का अंतरिक्ष-योग्य माइक्रोप्रोसेसर ही मिशनों की सफलता का आधार बन सकता है। इस उपलब्धि का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके लिए आवश्यक रूपांकन, निर्माण और परीक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया भारत में ही सम्पन्न की गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत अब केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं बल्कि उसका सर्जक भी है। सूक्ष्म-संगणक की यह अभिकल्पना केवल एक चिप का निर्माण नहीं है, यह भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा, उसकी दूरदृष्टि और आत्मविश्वास का परिचायक है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को संबल देने के लिये डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव यानी डीएलआई के तहत दिए जा रहे लाभ के विस्तार के साथ ही, इसके तहत दिये जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। जिसके तहत महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं के लिये केंद्र व राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का सत्तर फीसदी मिलना जारी रह सकता है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत में गेम चेंजर टेक क्रांति माना जा रहा है। इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि भारत के विभिन्न प्रौद्योगिकी संस्थान पहले ही शक्ति और वेगा जैसे स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर पर काम कर चुके हैं। इन प्रयासों ने आधारभूमि तैयार की और आज 卐विक्रम卐 के रूप में वह प्रयास मूर्त रूप में सामने आया है। यह न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र बल्कि रक्षा, चिकित्सा उपकरणों और संचार प्रणाली में भी क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है। निश्चित ही चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। बड़े पैमाने पर उत्पादन, उपकरण-समूह की उपलब्धता, संगणक-कार्यक्रमों का विकास, अनुप्रयोग-तंत्र का विस्तार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणन जैसी प्रक्रियाएँ अभी पूरी करनी होंगी।

किंतु भारत ने जिस आत्मविश्वास के साथ इस दिशा में पहला कदम रखा है, वह आश्वस्त करता है कि भविष्य में हम और भी उन्नत सूक्ष्म-प्रक्रमक तैयार करने में सक्षम होंगे। विक्रम केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है, यह भारत की स्वाभिमानी यात्रा का घोष है। यह घोषणा है कि अब भारत केवल विज्ञान का अनुयायी नहीं बल्कि विज्ञान का

-ललित गर्ग

तो क्या यही ज्ञान हमें विश्व गुरु बनायेंगे ?

हमारा देश भारतवर्ष कभी न कभी जरूर विश्व गुरु रहा होगा। इसके लक्षण तो आप आज भी देख सकते हैं। जगह जगह लोग आपको सलाह देने वाले, घरेलु नुस्का या टोटका बताने वाले मिल जायेंगे। जो स्वयं अपने ही भविष्य के बारे में अनजान हैं ऐसे तमाम लोग फुट पाथ से लेकर बड़े बड़े आधुनिक कार्यालयों तक में बैठे भविष्य वक्ता आपको पूरे देश में बैठे मिल जायेंगे। । भारत चूँकि अपना भविष्य जानने वाले जिज्ञासुओं का एक बड़ा बाजार है। इसलिये तमाम बाबाओं व ज्योतिषियों की दुकानदारी इसी पर चल रही है। हमारे देश का एक काफी बड़ा वर्ग इन अवैज्ञानिक व गैर तार्किक बातों पर विश्वास भी करता है। आप देखिये कि भारत ही अकेला ऐसा देश है जहाँ करोड़ों रूपये कोठी निर्माण पर खर्च करने के बाद कोठी के मस्तक पर नजरबट्टू भूत लगाना नहीं भूलते,कहीं जूता या काला टायर भी लटका मिल जायेगा। यह हमारे देश के शिक्षित व संपन्न लोगों का हाल है तो करीबों या अशिक्षित लोगों की बौद्धिकता पर सवाल ही क्या उठाना? बहरहाल,चूँकि हमारे देश के अधिकांश जनता अशिक्षित परन्तु धार्मिक प्रवृति की है इसलिये स्वयं को पढ़े लिखे कहने वाले कुछ चतुर्बुद्धि लोग उनकी सादगी,शराफत,भोलेपन,धार्मिक आस्था व विश्वास का लाभ उठाकर तरह तरह की धार्मिक व पौराणिक बातें बताकर उन्हें यह जताने की कोशिश करते हैं की हम चूँकि समान आस्था विश्वास व विचार वाले हैं इसलिये हम ही तुम्हारे शुभचिंतक हैं। लिहाजा हमें वोट दो और हमें सत्ता में बने रहने दो। परन्तु वैज्ञानिक व तार्किक सोच रखने वाले लोग जब इन्हें व इनके तर्कों को खारिज करते हैं तो यह लोग बड़ी चतुराई व शातिरपने से सही बातों को झुठलाने के लिये इस पढ़े लिखे व तर्कशील वर्ग को अधार्मिक,धर्मद्रोही और जरूरत पड़ने पर राष्ट्रद्रोही भी बता देता है। गोया सच को झूठ और झूठ को सच बताने लगता है। और इससे बड़ा दुर्भाग्य यह कि लालची प्रोपेगंडा गोदी मीडिया भी इस घातक मिशन में ऐसे लोगों का साथ देता है। उदाहरण के तौर पर इस्लामी यहूदी व ईसाई धर्म में समान रूप से माने जाने वाले पैगंबर हज़रत मूसा के बारे में एक किस्सा प्रचलित है कि उन्होंने अल्लाह के हुक्म से चमत्कारिक रूप से लाल सागर को दो हिस्सों में विभाजित कर दिया था । बताया जाता है कि जब फ़रिऔन की सेना ने मूसा और उनके अनुयायियों को मारने के लिये उनका पीछा किया, तो मूसा ने अपने असा (एक प्रकार की छड़ी) को समुद्र पर मारा। उसी समय अल्लाह ने समुद्र को दो भागों में बाँट दिया, जिससे मूसा व उनके समर्थक समुद्र पर कर गये परन्तु जब समुद्र के बीच बने इसी रस्ते से फ़रिऔन की सेना ने उनका पीछा किया, तो समुद्र फिर से मिल गया, और फ़रिऔन की सेना डूब गयी । इस घटना का उल्लेखन केवल कुरान नहीं बल्कि बाइबिल में भी मौजूद है। परन्तु क्या इस बात पर इस्लामी यहूदी व ईसाई धर्म के लोगों के अलावा किसी अन्य धर्म से सम्बन्ध रखने वाले तार्किक व वैज्ञानिक सोच के लोग विशवास करेंगे ? बिल्कुल नहीं क्योंकि उसके संस्कारों शिक्षा और उसके विश्वास या मान्यताओं में यह बातें हैं ही नहीं। इस्लाम धर्म की ही एक किस्सा है जिसे पैगंबर हजरत मुहम्मद के जीवन का एक सर्व प्रमुख चमत्कार माना जाता है। इसे इस्लामी इतिहास में शक़्क़-ए-अमर यानी चाँद का दो टुकड़ों में बँटना,के नाम से जाना जाता है। मक्का की इस घटना के बारे में कहा जाता है कि जब कुरैश कबीले के कुछ लोगों ने पैगंबर हजरत मुहम्मद की सिद्धि को परखने के लिये उनसे इस बड़े चमत्कार की माँग की। तब पैगंबर मुहम्मद ने अल्लाह की इजाजत से चाँद को दो हिस्सों में बाँट दिया। कुछ देर तक अलग-अलग रहने के बाद चाँद फिर एक हो गया। इस चमत्कार का उल्लेख कुरआन में भी है। परन्तु इतिहास के दौर में घटी इस घटना और इसकी व्याख्या पर भी विद्वानों और इतिहासकारों में मतभेद हैं। कुछ की नजरों में यह चमत्कार है जबकि कुछ की नजरों में यह प्रतीकात्मक या आध्यात्मिक अर्थ की घटना। इसी तरह पृथ्वी शेषनाग के फन पर टिकी है,हनुमान जी सूर्य निगल गये थे,चाहे समुद्र में वानरों द्वारा पत्थर फैक कर लंका जाने का पुल तैयार कर देना हो,या फिर भगवान भोले शंकर द्वारा अपने ही पुत्र का सिर तन से जुदा कर उस पर हाथी का सर लगाने की बात हो,गणेश जी की सवारी चूहा हो या मछली के पेट से पैदा होने या घड़े से पैदा होने,मैल से पैदा होने की घटना या संजीवनी के लिये हनुमान जी द्वारा पूरा पर्वत उठा लाना,पुष्पक विमान होना और न जाने इस तरह की अनगिनत बातें जो हमें हमारे प्राचीन धार्मिक ग्रन्थ या धार्मिक पुस्तकें हमें बताती आई हैं उन पर हम आस्था वश या बचपन से मिले संस्कारों व धार्मिक ज्ञानों के नाते विश्वास तो जरूर कर करते हैं परन्तु यह बातें विज्ञान की कसौटी पर आज के वैज्ञानिक युग में कतई खरी नहीं उतरतीं। इसलिये हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब मुंबई के एक अस्पताल के उद्घाटन के समय यह कहते हैं कि भगवान गणेश का हाथी का सिर मनुष्य के शरीर पर लगाना प्राचीन भारत में प्लास्टिक सर्जरी के अस्तित्व का प्रमाण है। जब वे कहते हैं कि हम भगवान गणेश की पूजा करते हैं, जिनका सिर हाथी का है। इसका मतलब है कि हमारे पूर्वजों को प्लास्टिक सर्जरी का ज्ञान था। प्रधानमंत्री का यह कथन निश्चित रूप से पौराणिक कथाओं पर आधारित है, परन्तु न तो इस घटना के ऐतिहासिक प्रमाण हैं न ही पुरातात्विक प्रमाण। वैज्ञानिक रूप से असमर्थित दावा होने की वजह से ही प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान की उस समय बहुत आलोचना हुई थी। क्योंकि उनका यह बयान आधुनिक विज्ञान को मिथकों से जोड़कर अवैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने वाला माना गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने ही उन्हीं दिनों कहा था कि महाभारत में कर्ण अपनी मां के गर्भ से बाहर पैदा हुआ था, इसका मतलब है कि उस समय जेनेटिक साइंस मौजूद था। वैज्ञानिक समुदाय ने इसे अस्वीकार किया, क्योंकि यह भी पौराणिक कहानी पर आधारित है और आधुनिक जेनेटिक्स से इसका कोई संबंध नहीं है। मोदी वैसे भी नाली के गैस से चाय बनाना बादलों में रडार का काम न करना जैसे न जाने कितने हास्यास्पद दावे करते रहे हैं जो हमारे देश के शिक्षार्थियों व वैज्ञानिक सोच रखने वालों के लिये खतरनाक हैं। दुनिया भी ऐसी बातों का मजाक उड़ाती है। इसी तरह गत दिनों केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के ऊना खिले के पीएम श्री स्कूल में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए छात्रों से पूछा- अंतरिक्ष में यात्रा करने वाला पहला यात्री कौन था? उस समय अधिकांश छात्रों ने नील आर्मस्ट्रॉन्ग का नाम लिया जो अंतरिक्ष में नहीं बल्कि चंद्रमा पर पहला कदम रखने वाले पहले यात्री थे। हालांकि कुछ छात्रों ने रूस के यूरी गागरिन का नाम भी लिया जो अंतरिक्ष में पहले मानव यात्री थे। परन्तु अनुराग ठाकुर ने बच्चों का जवाब सुनकर कहा मुझे तो लगता है हनुमान जी थे। साथ ही उन्होंने यह ज्ञान भी दिया कि छात्रों को टेक्स्टबुक से बाहर निकलकर अपनी प्राचीन परंपरा, वेदों और संस्कृति की ओर देखना चाहिए, क्योंकि जब तक हमें अपनी हजारों वर्ष पुरानी परंपरा, व संस्कृति का ज्ञान नहीं होगा, तब तक अंग्रेजों ने जो हमें दिखाया है, वहीं तक हम सीमित होकर रह जाएंगे। अब जरा बताइये देश का नेतृत्व करने वाले प्रधानमंत्री व केंद्रीय मंत्री स्तर के लोगों के ज्ञान से प्रेरित कोई बच्चा यदि नासा में या अन्य किसी वैज्ञानिक मंच पर अपने साक्षात्कार में यही सब बताने लगेगा तो क्या उसे सफलता मिलेगी ? वैसी भी सीधे सादे लोगों में स्वयं को धर्म और आस्था का बहुत बड़ा पैरोकार बताकर लोगों को अज्ञान में धकेलने की कोशिश करना देश के युवाओं के भविष्य के साथ बड़ा धोखा है। वास्तव में इस तरह का महाज्ञान सभी धर्मों में उनके धर्मगुरुओं के मुंह से तो शोभा दे सकता है राजनेताओं के मुंह से कतई नहीं। जरा सोचिये कि क्या इसी तरह के ज्ञान हमें विश्व गुरु बनायेंगे ?

- निर्मल रानी

भारत की सेमीकंडक्टर क्रांति- विक्रम चिप और वैश्विक डिजिटल शक्ति का नया अध्याय- सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बड़ी छलांग

वैश्विक स्तरपर भारत ने 2 सितंबर 2025 को सेमीकंडक्टर इंडिया कॉन्फ्रेंस का ऐतिहासिक उद्घाटन करके न केवल एक तकनीकी युग का शुभारंभ किया बल्कि वैश्विक राजनीति,अर्थव्यवस्था और तकनीक की दिशा में भी एक निर्णायक मोड़ ला दिया। इस कॉन्फ्रेंस में दुनियाभर से 100 से अधिक विशेषज्ञों और विभिन्न देशों ने भाग लिया। यह आयोजन भारत की उस महत्वाकांक्षा का प्रतीक था जिसमें वह स्वयं को केवल डिजिटल उपभोक्ता के रूप में नहीं बल्कि डिजिटल उत्पादक और तकनीकी नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करना चाहता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, जिस प्रकार 20वीं सदी ने तेल की क्रांति से दुनियाँ का आर्थिक और राजनीतिक मानचित्र बदला था, ठीक उसी प्रकार 21वीं सदी में सेमीकंडक्टर चिप दुनियाँ का समीकरण बदल रही है और भारत इस बदलाव का केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।तेल को 20वीं सदी का काला सोना कहा गया था। जिन देशों के पास तेल था उन्होंने न केवल आर्थिक समृद्धि पाई बल्कि विश्वराजनीति में भी प्रमुख भूमिका निभाई। अमेरिका और खाड़ी देशों का वर्चस्व इसी ऊर्जा राजनीति पर आधारित रहा। अब वही स्थिति सेमीकंडक्टर की है।तेल ने पिछली शताब्दी में औद्योगिक क्रांति और ऊर्जा आधारित भू-राजनीति को दिशा दी थी। चिप वह अदृश्य हीरा है जो हर मशीन, हर उपकरण और हर डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का दिमाग बन चुका है। चाहे वह मोबाइल फोन हो, लैपटॉप,टीवी,इलेक्ट्रिक गाड़ियां, कैलकुलेटर, घड़ी, रक्षा उपकरण या फिर अंतरिक्ष उपग्रह, किसी भी तकनीकी उत्पाद का संचालन बिना चिप के असंभव है। यही कारण है कि आज दुनियाँ का हर बड़ा देश इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और वर्चस्व के लिए संघर्ष कर रहा है।

साथियों बात अगर हम भारत में 2 सितंबर 2025 का दिन चिप क्रांति का ऐतिहासिक दिनकी करें तो सेमीकंडक्टर कॉन्फ्रेंस का आयोजन केवल एक उद्घाटन समारोह नहीं था बल्कि यह भारत के भविष्य का खाका था। पीएम ने जिस डिजिटल डायमंड की बात की,वह केवल एक प्रतीक नहीं बल्कि वास्तविकता की ओर बढ़ता हुआ कदम है। भारत ने यह दिखा दिया है कि वह केवल डेटा उपभोक्ता राष्ट्र नहीं बल्कि तकनीकीशिल्पकार बन सकता है।इस पूरे परिप्रेक्ष्य में कहा जा सकता है कि 2 सितंबर 2025 का दिन भारतीय इतिहास में चिप युग का आगाज कहलाएगा।जैसे आजादी का दिन 15 अगस्त 1947 ने राजनीतिक स्वतंत्रता दी थी, वैसे ही 2 सितंबर 2025 ने तकनीकी स्वतंत्रता की दिशा में पहला कदम दिया है। विक्रम चिप भारत के आत्मनिर्भर भविष्य का प्रतीक है और यह भारत को 21वीं सदी में डिजिटल सुपरपावर बनने की दिशा में अग्रसर करेगा।यह वही क्षण है,जब भारत ने अपनी नई पहचान गढ़ते हुए यह घोषणा की कि आने वाले वर्षों में वह केवल चिप आयातक नहीं रहेगा बल्कि निर्यातक भी बनेगा। भारतीय पीएम ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि भारत अब डिजिटल उपभोक्ता नहीं बल्कि निर्माता बनने की राह पर है। उन्होंने भारत को डिजिटल डायमंड के रूप में परिभाषित करते हुए यह स्पष्ट किया कि देश में स्वदेशी क्रांति की नई नींव रखी जा चुकी है। साथियों बात अगर कर हम सेमीकंडक्टर के वैश्विक महत्व की करें तो,सेमीकंडक्टर का महत्व केवल अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक शक्ति से भी जुड़ा है। आजकल के युद्ध केवल पारंपरिक हथियारों से नहीं लड़े जाते बल्कि साइबर युद्ध, ड्रोन, मिसाइल गाइडेंस सिस्टम और एआई आधारित तकनीकों से लड़े जाते हैं। इन सभी का संचालन चिप्स के बिना संभव नहीं। यदि किसी देश के पास अपनी चिप निर्माण क्षमता है तो वह न केवल आत्मनिर्भर रहेगा बल्कि अपने विरोधियों पर तकनीकी बढ़त भी बनाएगा। भारत के लिए यह रक्षा और अंतरिक्ष दोनों ही क्षेत्रों में निर्णायक साबित होगा। वैश्विक स्तर पर भारत की सेमीकंडक्टर पहल अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलनकारी भूमिका निभा सकती है। अमेरिका ताइवान और कोरिया पर निर्भर है लेकिन उसे भारत जैसे स्थिर और विश्वसनीय भागीदार की आवश्यकता है। चीन अपनी तकनीकी शक्ति बढ़ा रहा है, लेकिन उस पर भरोसा करने में पश्चिमी देश हिचकिचाते हैं। भारत यदि अपनी चिप इंडस्ट्री को तेजी से विकसित करता है तो वह न केवल आत्मनिर्भर बनेगा बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भी एक निर्णायक हिस्सा होगा। साथियों बात अगर हम सेमीकंडक्टर की परिभाषा समझनें की करें तो, यह बेहद महत्वपूर्ण है। सेमीकंडक्टर एक ऐसा पदार्थ होता है जिसकी चालकता(कंडक्टिविटी) धातु और अचालक(इन्सुलेटर) के बीच होतीहै,सिलिकॉन इसका सबसे प्रमुख उदाहरण है।जब इसमें डोपिंग की जाती है तो यह नियंत्रित तरीके से विद्युत प्रवाह को संचालित करता है और इसी से ट्रांजिस्टर, माइक्रोप्रोसेसर और मेमोरी चिप बनाए जाते हैं। सरल भाषा में कहा जाए तो सेमीकंडक्टर चिप किसी भी मशीन का दिमाग होता है। यह मशीन को सोचने, निर्णय लेने और सही समय पर सही कार्य करने की क्षमता देता है। यही कारण है कि इसे आधुनिक सभ्यता का आधारस्तंभ कहा जा सकता है।कोई भी देश जो सेमीकंडक्टर निर्माण और डिजाइन में अग्रणी है, वह केवल तकनीकी शक्ति ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीति में भी नियंत्रण स्थापित करता है। यही वजह है कि अमेरिका, चीन, ताइवान, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश इस क्षेत्र में तीव्र प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अमेरिका अपनी तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखने के लिए ताइवान जिसकी जनसंख्या भारत के दिल्ली से भी काम है लेकिन वह विश्व में चिप का टॉप निर्माता है उसकी टीएसएमसी और दक्षिण कोरिया की सैमसंग जैसी कंपनियों पर निर्भर है। चीन अपने मेड इन चाइना 2025 मिशन के तहत इस क्षेत्र में भारी निवेश कर रहा है। ऐसे में भारत का इस क्षेत्र में कदम रखना केवल आर्थिक ही नहीं बल्कि भू-राजनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथियों बातें अगर हम सेमीकंडक्टर बनाने की जटिल प्रक्रिया की करें तो, सेमीकंडक्टर निर्माण बेहद जटिल प्रक्रिया है। एक चिप बनाने के लिए सैकड़ों चरणों से गुजरना पड़ता है।इसके लिए फैब यूनिट की आवश्यकता होती है जिसे बनाना और चलाना अत्यंत महंगा और कठिन है। एक फैब यूनिट में 25, से 51हजार करोड़ रुपए तक का निवेश लगता है। इसके अलावा वहां स्वच्छता का स्तर इतना ऊंचा होता है कि उसकी तुलना अस्पताल के आईसीयू से भी नहीं की जा सकती। वास्तव में फैब यूनिट की स्वच्छता आईसीयू से हजार गुना अधिक होती है क्योंकि एक छोटे से धूलकण से भी पूरी चिप नष्ट हो सकती है। इसीलिए इसे दुनियाँ की सबसे जटिल उत्पादन प्रक्रिया कहा जाता है।भारत ने इस चुनौती को स्वीकार कर दुनियाँ को यह संदेश दिया है कि वह अब केवल उपभोक्ता नहीं रहेगा। यह कदम भारतीय युवाओं और इंजीनियरों के लिए भी अवसरों का नया द्वार खोलता है। भारत में बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग स्नातक और आईटी पेशेवर मौजूद हैं।अब उन्हें सेमीकंडक्टर डिजाइनफैब्रिकेशन और टेस्टिंग जैसे क्षेत्रों में रोजगार मिलेगा। यह भारत की अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर साबित हो सकता है। साथियों बात अगर हम भारत कीविक्रम चिप नाम रखने की करें तो,इसका नाम विक्रम साराभाई के नाम पर रखा गया है। विक्रम साराभाई को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक कहा जाता है। उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद भारत को अंतरिक्ष शक्ति के रूप में खड़ा किया। आज इस नाम का उपयोग कर भारत ने यह संदेश दिया है कि जिस प्रकार अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने आत्मनिर्भरता पाई थी,उसी प्रकार सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी वह आत्मनिर्भर होगा। विक्रम चिप केवल तकनीक नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय विरासत और आत्मनिर्भरता की पहचान है। साथियों बात अगर हम भारत की इस क्रांति का असर ग्लोबल साउथ के देशों पर भी पड़ेगा। विकासशील देश अबतक तकनीक के मामले में पश्चिम और पूर्वी एशिया पर निर्भर थे। लेकिन भारत यदि एक मजबूत चिप सप्लायर बनता है तो वह इन देशों को भी विकल्प दे सकेगा। इससे तकनीकी साम्राज्यवाद की पकड़ ढीली होगी और विकासशील देशों को अधिक अवसर मिलेंगे।अर्थव्यवस्था की दृष्टि से देखें तो भारत की सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री आने वाले वर्षों में लाखों रोजगार उत्पन्न करेगी। निर्यात से अरबों डॉलर की आय होगी। ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता से आयात पर निर्भरता घटेगी और चालू खाता घाटा कम होगा। भारत का जीडीपी इस क्षेत्र से नई गति प्राप्त करेगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत की सेमीकंडक्टर क्रांति-विक्रम चिप और वैश्विकडिजिटल शक्तिका नया अध्याय, सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बड़ी छलांग चिप के बिना कोई भी इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल उपकरण कार्य नहीं कर सकता।सेमीकंडक्टर को आधुनिक युग का डिजिटल ऑक्सीजन कहा जा रहा है।

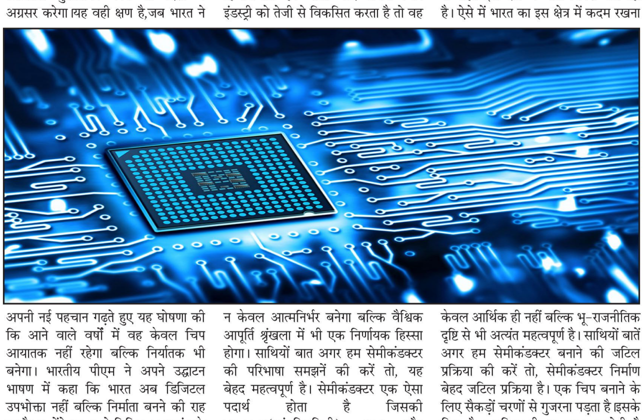

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली के चलते शुक्रवार को अनाज मंडी में मूंग बाजार सुर्खी पर रहे। चने में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में बड़ी इलायची मजबूत रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में बरसात पानी के चलते आवकें कमजोर रहने से बाजार सुर्खी पर रहे। चना सुस्ती पर रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-इंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन आवकों के अभाव में सुर्ख ही रहा। उधर, किराना जिंसों में बड़ी इलायची में तेजी देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4240, खोपरा गोला 325-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 270-275, मीडियम 280-290, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-770, गरबल 711-715, मटरदाना 830-835, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3700, (160) 4000-4100, (200) 4500-4700, (250) 4800-4900

तेल- सींगदाना 1360-1370, मुम्बई 1380, राजकोट तेलिया 2150-2160, सोया साल्वेंट 1180-1185, सोया रिफाइंड 1245-1250, कपास्या 1245-1250, धूलिया 1250, कड़ी 1255,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1345, मुम्बई पाम 1275, मुम्बई सोया 1290,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4550, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5950-6000, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। शुक्रवार को विदेशी बाजारों में बनी सुर्खी से स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 126100, चॉंदी (99) 125800, टंच 124900, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 108000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 88.23 पर बंद हुआ। आज सुबह कमजोर अमेरिकी डॉलर और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के चलते भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक पैसे की तेजी के साथ 88.11 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.11 पर खुला और शुरुआती गिरावट के बाद फिर उसी स्तर पर स्थिर हो गया। गुरुवार को रुपया 88.12 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से रुपये को समर्थन मिला, लेकिन विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा पूंजी निकासी ने उसकी तेजी को सीमित कर दिया।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। मित्रों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी से लंबी दूरी की यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। आप किसी से कोई बात बहुत ही तोल मोलकर बोले और अपनी वाणी पर थोड़ा संयम रखें। माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकती हैं, जिसको लेकर आप लापरवाही बिल्कुल न करें। किसी की कही सुनी बातों पर भरोसा करने से कार्यक्षेत्र में लड़ाई झगड़े की स्थिति उत्पन्न होगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए दानपुण्य के कार्य में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए रहेगा। आपकी किसी पुराने साथी से मुलाकात होगी। वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं दूर होंगी। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। आपको आज अपने पारिवारिक मामलों को लेकर किसी बाहरी व्यक्ति से बातचीत करने से बचना होगा, नहीं तो इससे आपके आपसी विवाद खड़े होंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आप जीवन साथी के साथ रोमांटिक पल व्यतीत करेंगे और आपको यदि कोई शारीरिक समस्या थी, तो वह भी दूर होगी। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आप किसी वाद विवाद से दूरी बनाकर रखें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। किसी से मांग कर वाहन चलाने से बचें, नहीं तो खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है और भाई व बहनों से आप काम को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

कर्क- आज दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। दोस्तों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। अविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है। आपके भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी। आप अपनी जल्दबाजी की आदत के कारण परेशान रहेंगे। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई बेहतर अवसर हाथ लगेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए उलझनों भरा रहने वाला है। आपको अपने लंबे समय से रुके हुए कामों पर फोकस करने की आवश्यकता है, तभी वह पूरे होंगे। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो आप अवश्य करें, लेकिन धन से संबंधित मामलों में आपको सतर्कता बनाए रखनी होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आपको अपनी आय और व्यय में तालमेल बनकर चलना होगा। आप अपने बढ़ते खर्चों को कंट्रोल करने की कोशिश करें। नौकरी मे बदलाव की योजना बना रहे लोगों को किसी दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता है। आज आपको अपने माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालना होगा। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको अपने आलस को त्याग कर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है, तभी आपके काम आसानी से पूरे होंगे और आप अपनी आवश्यकताओं के अनुसार ही खर्च करें, क्योंकि बाद में आपको धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। जीवन साथी नौकरी के किसी काम को लेकर कहीं बाहर जा सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए इनकम के मामले में बढिया रहने वाला है। आप अपने घर की साज सज्जा के लिए भी कुछ नई चीजों की खरीदारी कर सकते हैं। परिवार में यदि किसी बात को लेकर कलह चल रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर होगी। आज आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आपके आसपास में यदि कोई वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आपस उसमें चुप लगाएं।

धनु- आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। धन को लेकर यदि कोई समस्या थी, तब वह भी दूर हो सकती है। सामाजिक क्षेत्र में भी आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आपकी अच्छी सोच से आपके काफी मित्र बनेंगे। आपको बिजली के कोई उपकरणों से संबंधित काम मिलने में सफलता मिलेगी। दोस्तों व परिवार के सदस्यों का आपको पूरा साथ मिलेगा।

मकर- आज आप अपने अधूरे कामों को पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। सामाजिक कामों में आप बढ चढ़कर हिस्सा लेंगे, जिससे आपकी छवि और निखरेगी। परोपकार के कार्यों में आप आगे बढ़ेंगे। भाई व बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा और आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आप आपको किसी काम को पूरा करने में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर हो सकती है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को साथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आपको अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने की आवश्यकता है, क्योंकि आपके सामने कुछ ऐसे खर्चे आएंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे। आप बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध न करें, नहीं तो परिवार के सदस्य आपसे नाराज हो सकते हैं। आपको कोई निर्णय सोच समझ कर लेना होगा और आप किसी अजनबी पर आंख बंद करके भरोसा ना करें।

मीन- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। बिजनेस में आपको अच्छी कमाई होगी और आपकी पार्टनरशिप भी बेहतर चलेगी। आप अपने व्यवसाय को कहीं बाहर तक ले जाने की कोशिश में भी कामयाब रहेंगे। धन को लेकर यदि कोई काम रुका हुआ था, तो उसके भी पूरे होने की संभावना है। दोस्तों व परिवार के सदस्यों के साथ आप समय व्यतीत करेंगे।

शब्दजाल - 8012

मं	स	दौ	ल	त	का	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	फ	रि	श्ता	ला	फि	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	ला	पू	ना	ण	ट	को
पां	इ	ल	त	हैं	प	ल	ला	रं	ला	आ
डे	श्क	ल	मा	नु	आ	उ	वा	ण	घ	ब
ती	ब	ल	शा	सं	शी	ही	रं	कौ	ला	रु
क	बा	हु	र	मे	र्वा	अ	य	या	श	गा
बे	द	ल	बे	ला	द	स	छू	र	प	न
व	र	ल	प	ग	जी	ना	ल	त	के	दों
फा	क	ल	प	द	म	दि	व्य	ब	क	या
जी	आ	ज	औ	र	क	ल	द्दा	ण	घ	न्या

शब्द जाल में अशोक कुमार की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अछूत कन्या, तमाशा, फरिश्ता, काफिला, बेवफा, आज और कल, वारंट, बहु बेगम, आबरु, आशीर्वाद

शब्दजाल - 8011 का हल

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	क्र	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6956

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की 'ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान. रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6955

का	ला	प	त्थ	र		को	ह	रा	
र		ड़ो		क्ष	त्रि	य		ही	रा
वाँ		स	ड़	क		ला	वा		खी
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ट्टा	मी	ठा		मि	ली
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डो
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	रा	स	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8480

बाएँ से दाएँ

1. सुगंध, खुशबू-3
3. व्यवस्था-2,2
5. आम लोग-2
6. चिंतन, सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश, विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वसय, घेरा-3
15. आंचल, पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर, पिता का घर-3
24. नवीन, नया, नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक, न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे

1. जी, चित्त, इच्छा-2
2. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर, विदुषक-4
5. दुनिया, जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव, हरदम-2
11. जन्म, पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी, नलका-2
18. वश, अधीन-2
19. परिणाम, हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8479 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

6 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.33 बजे से
चंद्र	मकर में	तुला	08.44 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	10.59 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.15 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.20 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.06 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.39 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.10 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.50 बजे से
		मिथुन	23.48 बजे से
		कर्क	02.01 बजे से
		सिंह	04.17 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2025 वर्ष का 249 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 01.42 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 22.56 बजे को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 11.52 बजे को समाप्त। **करण** गर 14.32 बजे तदनन्तर वणिज 01.42 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 13.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 06° 25' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872459 **जूलियन दिन** 2460924.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 13 **विशेष** अनंत चतुर्दशी, गणेश विसर्जन।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सच्ची पूजा

एक बार संत राबिया बेतहाशा सड़क पर भागी जा रही थीं। उनके एक हाथ में पानी से भरा प्याला था और दूसरे में जलती मशाल। लोगों ने उन्हें इस तरह देखा तो हैरत में पड़ गए। आमतौर पर राबिया अध्यात्म का कोई गूढ़ तथ्य समझाने के लिए विचित्र कहानियों और रूपकों का प्रयोग करती थीं, लेकिन यह आचरण उन सबसे अलग था। लोग कुछ पूछें इसकी गुंजाइश भी नहीं थी क्योंकि वह तेजी से दौड़ती जा रही थीं और साथ में कुछ कहती भी जा रही थीं। हालांकि जिस किसी ने ध्यान दिया उसने राबिया के वचनों को सुना। वह कह रही थीं कि मैं स्वर्ग को जला देना और नरक को पानी में डुबो देना चाहती हूं। सुनने वालों को समझ में नहीं आया कि ऐसा कहने के पीछे आशय क्या है। राबिया की बात का मर्म जानने की उत्सुकता हर किसी में थी। लोग उनका सम्मान करते थे और उनकी बातें बड़ी गंभीरता से सुनते थे। इसलिए कई और लोग उनके पीछे-पीछे दौड़ने लगे। एक जगह एक बुजुर्ग फकीर ने राबिया को रोका और पूछा कि वह ऐसा क्यों करना चाहती हैं। राबिया ने कहा, 'मैं स्वर्ग को जलाना और नरक को डुबाना इसलिए चाहती हूं कि लोग सही मायने में धार्मिक हो सकें। लोग जन्नत के लालच में नेक काम करते हैं या दोजख से डर कर बुरे कामों से बचते हैं। लालच और डर जहां हों वहां ईश्वर के प्रति सच्चा प्रेम नहीं हो सकता। स्वर्ग और नरक नहीं होंगे तो लालच और डर मिट जाएगा और हम ऊपर वाले की बंदगी ज्यादा अच्छी तरह कर सकेंगे।'

सूडोकु नवताल- 7265

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7264 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शेयर बाजार सपाट कारोबार के साथ बंद हुआ

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को मिश्रित कारोबार हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी आईटी और एफएमसीजी शेयरों पर दबाव से दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 7.25 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 80,710.76 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 6.70 अंक की बढ़त के साथ ही 24,741.00 पर बंद हुआ। आज ऑटो शेयरों के कारण बाजार ऊपर आया। निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.25 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। वहीं निफ्टी मेटल 0.68 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.17 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.14 फीसदी और निफ्टी मीडिया 0.59 फीसदी के साथ बंद हुए। वहीं आईटी और एफएमसीजी शेयर नीचे आये। निफ्टी आईटी इंडेक्स -1.44 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी (-1.42 फीसदी), निफ्टी रियल्टी (-1.16 फीसदी) और निफ्टी इंडिया डिफेंस (-0.35 फीसदी) की गिरावट के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप के विपरीत ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 116.05 अंक या 0.20 फीसदी की तेजी के साथ 57,075.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 33.30 अंक करीब 0.19 फीसदी की बढ़त के साथ 17,655.25 पर था।सेंसेक्स में एमएंडएम, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, इटरनल (जोमैटो), सन फार्मा, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील और एशियन पेंट्स के शेयर लाभ में रहे जबकि आईटीसी, एचटीएल टेक, टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचयूएल, एलएंडटी और टाइटन के शेयरों को नुकसान हुआ।

इससे पहले आज सुबह जीएसटी स्लैब में संभावित कटौती की उम्मीदों ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया। सेंसेक्स 300 अंकों की उछाल के साथ 81,012.42 पर खुला। उधर निफ्टी भी मजबूती के साथ 24,818.85 पर खुला। घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजर अब विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़ों और सिन गुड्स कंपनियों पर है, क्योंकि सरकार ने इन पर अतिरिक्त टैक्स लगाने की घोषणा की है। यह टैक्स कंपनजेशन सेस खत्म होने के बाद भी जारी रहेगा। वहीं एशियाई बाजारों में भी शुक्रवार को जोरदार तेजी रही। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.39 फीसदी चढ़ा, जबकि साउथ कोरिया का कॉस्पी और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 क्रमश: 0.26 फीसदी और 0.58 फीसदी ऊपर बंद हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जापानी ऑटो शुल्क में कटौती और चिप उत्पादकों पर सख्ती के फैसले ने वैश्विक बाजारों को सहारा दिया। वॉल स्ट्रीट के प्रमुख सूचकांक भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुए।

तेल व गैस ईएंडपी सेवाओं पर बढ़ा जीएसटी

नई दिल्ली। भारत में तेल और गैस के खोज और उत्पादन (ईएंडपी) क्षेत्र को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि जीएसटी परिषद ने इस क्षेत्र में उपयोग होने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर कर दर को 12 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसदी कर दिया है। इस निर्णय से कंपनियों की उत्पादन लागत में इजाफा होना तय है, जबकि कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस अभी भी जीएसटी के दायरे से बाहर हैं। इसका मतलब है कि इन उत्पादों की बिक्री पर कंपनियां इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का पूरा लाभ नहीं उठा सकेंगी, जिससे फंसे हुए कर का बोझ बढ़ेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वृद्धि ऐसे समय में की गई है जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। अप्रैल 2025 से ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 66 डॉलर/बैरेल पर आ गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 फीसदी कम है। ओएनजीसी जैसी प्रमुख कंपनियों की प्राप्ति में 20 फीसदी की गिरावट आई है, जिससे उनकी आय और मार्जिन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। आईसीआरए के एक वरिष्ठ अ?धिकारी ने चेताया कि कर वृद्धि और कम ऊर्जा कीमतों के चलते कुछ परियोजनाएं आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं रह जाएंगी। हालांकि सरकार द्वारा ओएएलपी-एक्स जैसे नए सुधार लाए गए हैं, लेकिन जीएसटी दरों में वृद्धि ने इन प्रयासों की गति को धीमा करने का खतरा पैदा कर दिया है।

जीएसटी में सुधार भारत के कपड़ा क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक छलांग

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा है कि नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी सुधार भारत के कपड़ा क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक छलांग हैं, जो 2030 तक देश को 350 अरब डॉलर की कपड़ा अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में उत्प्रेरक का काम करेंगे। कपड़ा मंत्रालय ने इन सुधारों को लागू करने के लिए उद्योग के हितधारकों, निर्यातकों, कारीगरों और उद्यमियों के साथ मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इन जीएसटी ऐतिहासिक सुधारों से लागत कम होने, संरचनात्मक विसंगतियों को दूर करने, रोजगार को बनाए रखने और रेशे से लेकर फैशन और विदेशी बाजारों तक, संपूर्ण कपड़ा वैल्यू चेन को मजबूत करने की उम्मीद है। ये सुधार पीएम मोदी के दूरदर्शी 5एफ फॉर्मूले के साथ पूरी तरह से जुड़े हैं, जिसका उद्देश्य भारत को एक ग्लोबल टेक्सटाइल पावरहाउस के रूप में स्थापित करना है। कपड़ों में जीएसटी को रेशनलाइज बनाने से विकृतियां दूर होंगी, उत्पादन लागत कम होगी, मांग बढ़ेगी, निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। ये सुधार रेशे के स्तर पर विसंगतियों को दूर करते हैं, धागे और कपड़े के स्तर पर लागत कम करते हैं, परिधानों की सामर्थ्य में सुधार करते हैं, खुदरा स्तर पर मांग को पुनर्जीवित करते हैं और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाते हैं। महत्वपूर्ण रूप से ये उपाय भारत की रेशा-तटस्थ नीति को मजबूत प्रोत्साहन देते हैं, जिससे कपास और मानव निर्मित क्षेत्रों में संतुलित विकास सुनिश्चित होता है। रेडीमेड कपड़ों और मेड-अप वस्तुओं पर 2500 रुपए प्रति पीस तक की 5 फीसदी जीएसटी दर, किफायती परिधानों को, विशेष रूप से मध्यम वर्ग और निम्न-आय वाले परिवारों के लिए, सस्ता बनाती है। इससे टियर 2 और 3 शहरों और ग्रामीण बाजारों में मांग में सुधार की उम्मीद है। मीडिया रिपोर्ट में मंत्रालय ने कहा कि परिधान उद्योग की श्रम-प्रधान प्रकृति को देखते हुए खासकर सिलाई, टेलरिंग और फिनिशिंग इकाइयों में महिलाओं के लिए उच्च मांग से रोजगार बना रहेगा। यह कदम मेक इन इंडिया ब्रांडों को भी समर्थन देगा, जिससे उन्हें कम और मध्यम-मूल्य वाले क्षेत्रों में सस्ते आयातों से प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में उत्साहपूर्वक मनाया गया शिक्षक दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में 5 सितंबर को भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त शिक्षक नाथूराम दहीकर, नामदेव बावनथड़े, केशोराव ब्राह्मणकर और श्रीमती आशा वानखेड़े उपस्थित रहे। उनके साथ स्कूल के प्राचार्य गणेश फरदे, शिक्षकगण, कर्मचारी और छात्र-छात्राओं ने इस आयोजन को यादगार बनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य गणेश फरदे और अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती और डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पमाला अर्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद स्कूल के छात्र-छात्राओं ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। प्राचार्य महोदय ने सभी अतिथियों का पुष्पमाला,

श्रीफल, पेन और डायरी भेंटकर हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर शाला के पूर्व छात्र मुकेश नगपुरे ने विशेष योगदान देते हुए सभी शिक्षकों, शिक्षिकाओं और अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किए। उन्होंने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में शिक्षकों के समाज में योगदान और उनके द्वारा दी गई शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, शिक्षक न केवल ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं, बल्कि समाज के भविष्य को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उद्बोधन सत्र में अतिथि नाथूराम दहीकर ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन, उनके दर्शन और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि एक शिक्षक ही समाज को सही दिशा प्रदान करता है। नामदेव बावनथड़े ने भी अपने विचार साझा करते हुए शिक्षक दिवस के महत्व और डॉ. राधाकृष्णन के आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा दी। संस्था के शिक्षक सुखदेव रहांगडाले और डालीराम उपराड़े ने भी अपने विचार रखे। श्री रहांगडाले ने शिक्षक दिवस को एक अवसर के रूप में बताया, जिसमें शिक्षक अपने कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों को पुनः याद करते हैं। श्री उपराड़े ने शिक्षकों की समाज में भूमिका और उनके द्वारा किए गए बलिदानों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य गणेश फरदे ने गुरु की महिमा और उनके समाज में योगदान को रेखांकित करते हुए सभी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। उनके प्रेरणादायी शब्दों के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई। इस आयोजन को सफल बनाने में स्कूल के सभी शिक्षकों, अतिथि शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने एक-दूसरे के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की, जिसने इस शिक्षक दिवस को और भी विशेष बना दिया।

नगर में ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर उत्साह के साथ निकाला गया जुलूस-ए-मोहम्मदी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर में हजरत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश, जिसे ईद मिलादुन्नबी के रूप में जाना जाता है, को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पवित्र अवसर पर मुस्लिम समुदाय ने पूरे नगर में धूमधाम से उत्सव का आयोजन किया, जिसमें जुलूस-ए-मोहम्मदी और जलसों ने विशेष आकर्षण का केंद्र बने। इस दिन का महत्व पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की जन्म तिथि के उपलक्ष्य में है, जिन्हें इस्लाम धर्म में रसूल-ए-पाक के रूप में सम्मानित किया जाता है। जुलूस-ए-मोहम्मदी की भव्यता शुक्रवार की सुबह से ही लांजी नगर में उत्सव का माहौल देखने को मिला। जुलूस-ए-मोहम्मदी में भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। जुलूस के दौरान लोग नारे-तकबीर और नात-ए-पाक का गायन करते हुए सड़कों पर उतरे। जुलूस में शामिल लोग हरे रंग के झंडे, बैनर और इस्लामी प्रतीकों के साथ उत्साहपूर्ण माहौल में नजर आए। मस्जिदों और दरगाहों में विशेष प्रार्थनाएं ईद मिलादुन्नबी के इस पवित्र अवसर पर शुक्रवार की सुबह से ही लांजी की मस्जिदों और दरगाहों में विशेष तैयारियां की गई थीं। सुबह की नमाज के बाद लोग मस्जिदों और दरगाहों में पहुंचे, जहां उन्होंने विशेष नमाज अदा की और अमन-चैन, भाईचारे और देश की खुशहाली के लिए दुआएं मांगीं। कई मस्जिदों में जलसों का आयोजन भी किया गया, जहां उलेमा और विद्वानों ने हजरत मोहम्मद साहब की जीवनी और उनके उपदेशों पर प्रकाश डाला।

पुलिस की मुस्तैदी और सुरक्षा व्यवस्था

जुलूस-ए-मोहम्मदी के दौरान लांजी नगर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। स्थानीय पुलिस प्रशासन ने शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जुलूस के मार्गों पर विशेष निगरानी रखी। पुलिसकर्मी जुलूस के साथ-साथ चलते हुए दिखाई दिए और ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिक्षक दिवस पर एनएमओपीएस के आह्वान पर पुरानी पेंशन बहाली के लिए उपवास आंदोलन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) की मध्यप्रदेश इकाई के आह्वान पर लांजी में पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग को लेकर एक महत्वपूर्ण उपवास आंदोलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व संगठन के प्रमुख गोविंद सोनवाने और जैनेन्द्र कुमार बेदरे ने किया। गायत्री मंदिर, लांजी में आयोजित इस सभा में शिक्षकों और कर्मचारियों ने एकजुट होकर सरकार से पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग की और इसके समर्थन में सामूहिक उपवास रखा।

उपवास आंदोलन का उद्देश्य

एनएमओपीएस लंबे समय से राष्ट्रीय और मध्यप्रदेश स्तर पर पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए आंदोलन चला रहा है। संगठन का कहना है कि नई पेंशन योजना और यूनिफाइड पेंशन स्कीम कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित करने में अपर्याप्त हैं। पुरानी पेंशन योजना के तहत कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद निश्चित और सम्मानजनक पेंशन प्राप्त होती थी, जो उनकी सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करती थी। इस मांग को लेकर एनएमओपीएस ने शिक्षक दिवस के दिन देशव्यापी उपवास का आह्वान किया था, जिसके तहत लांजी में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का विवरण

लांजी के गायत्री मंदिर में आयोजित इस उपवास कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक और कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम में संगठन के प्रमुख गोविंद सोनवाने और जैनेन्द्र कुमार बेदरे ने सरकार से पुरानी पेंशन योजना को तत्काल लागू करने की मांग की और इसे कर्मचारियों का अधिकार बताया। उन्होंने कहा कि सरकार

बार-बार कर्मचारियों की इस उचित मांग को अनदेखा कर रही है, जिसके कारण शिक्षक और कर्मचारी वर्ग को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य प्रमुख व्यक्तियों में ईश्वर बंसोड़, अनिल कुमार शेंडे, मनोज बारमाटे, दिलीप कुमार भीमटे, विजय कुमार मेश्राम, रामकुमार राहंगडाले, लक्ष्मीचंद बिसेन, रूपेंद्र कौशल, मनीष जुमड़े सहित कई अन्य साथी शामिल थे। सभी ने एक स्वर में पुरानी पेंशन बहाली की मांग का समर्थन किया और सरकार से इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई की अपील की।

एनएमओपीएस का रुख और भविष्य की रणनीति

एनएमओपीएस के नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार ने जल्द ही पुरानी पेंशन योजना को बहाल नहीं किया, तो संगठन और अधिक उग्र आंदोलन की योजना बनाएगा। इससे पहले भी संगठन ने मध्यप्रदेश और देश के अन्य हिस्सों में रैलियां, प्रदर्शन और सामूहिक उपवास जैसे कार्यक्रम आयोजित किए हैं। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने हाल ही में कहा था कि पुरानी पेंशन की बहाली न केवल कर्मचारियों का अधिकार है, बल्कि यह उनके बुढ़ापे की आर्थिक सुरक्षा का भी सवाल है। लांजी में आयोजित इस उपवास कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों और कर्मचारियों ने संकल्प लिया कि वे इस मांग को तब तक उठाते रहेंगे, जब तक सरकार उनकी बात नहीं मान लेती। उन्होंने यह भी कहा कि पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए वे हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार हैं।

मध्यप्रदेश में पुरानी पेंशन का मुद्दा

मध्यप्रदेश में पुरानी पेंशन योजना की बहाली का मुद्दा पिछले कुछ वर्षों से जोर पकड़ रहा है। एनएमओपीएस और अन्य कर्मचारी संगठनों ने इस मांग को लेकर कई बार भोपाल, उज्जैन और अन्य शहरों में बड़े प्रदर्शन और रैलियां आयोजित की हैं। संगठन का कहना है कि जब कई अन्य राज्य, जैसे राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश ने पुरानी पेंशन योजना को बहाल कर दिया है, तो मध्यप्रदेश सरकार को भी इस दिशा में कदम उठाना चाहिए।

सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में मनाया गया शिक्षक दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बोलेगांव में 5 सितंबर 2025 को शिक्षक दिवस का आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। इस अवसर पर

विद्यालय परिसर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य बी.आर. गुरदे जी के नेतृत्व में मां सरस्वती की प्रतिमा और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति, महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण और पूजन के साथ हुआ। इस पावन अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और उपस्थित अतिथियों का पुष्पगुच्छ, तिलक और आत्मीयता के साथ स्वागत किया, जिसने कार्यक्रम में एक विशेष उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने देशभक्ति से ओतप्रोत गीत, नृत्य, नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। इन प्रस्तुतियों में भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का संदेश प्रमुखता से उभरकर सामने आया। छात्रों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उनकी सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण रहा सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान। इस अवसर पर ग्राम के सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक चिंतामन गोस्वामी जी और तिलकचंद धामने जी को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। दोनों शिक्षकों ने अपने शिक्षण कार्यकाल के दौरान विद्यालय और समाज के लिए किए गए अमूल्य योगदान को याद करते हुए अपनी भावनाएं साझा कीं, जिसने सभी को प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त, संकुल पी.एम. श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भानेगांव में पदस्थ लिपिक पी.एल. ध्रुव (बाबूसाहब) को उनके उत्कृष्ट कार्य और समर्पण के लिए विद्यालय की ओर से शाल, श्रीफल और मेमोरेंडम भेंट कर सम्मानित किया गया। इस सम्मान ने उनके कार्य के प्रति उनकी निष्ठा और मेहनत को रेखांकित किया। कार्यक्रम में ग्राम के अन्य सेवानिवृत्त शिक्षक, विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, सह-शैक्षिक स्टाफ और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्राचार्य श्री बी.आर. गुरदे जी ने अपने संबोधन में शिक्षकों के महत्व और उनके समाज निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को डॉ. राधाकृष्णन के जीवन से प्रेरणा लेने और शिक्षा के प्रति समर्पण का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक राष्ट्रगान और मिष्ठान वितरण के साथ हुआ। इस आयोजन ने न केवल शिक्षकों के प्रति सम्मान को दर्शाया, बल्कि विद्यालय में एकता, समर्पण और उत्साह का माहौल भी बनाया। यह दिन सभी के लिए एक यादगार अनुभव बन गया, जो शिक्षा और शिक्षकों के महत्व को और अधिक रेखांकित करता है।

सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में शिक्षक दिवस व आचार्य सम्मान समारोह मनाया गया

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में 5 सितंबर को डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती एवं आचार्य सम्मान समारोह बड़े ही हर्ष के साथ मनाया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजकुमार कर्राहे विधायक, अध्यक्ष बारेलाल बडघैया कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति एवं व्यवसायी विजय रामटेक्कर सचिव और खंड संचालक, योगेश रामटेककर सदस्य एवं समाजसेवी आलोक चौरसिया भाजपा मंडल अध्यक्ष, रमेश असटकर पूर्व सचिव व्यवसायी, सुखपाल भर्रे समाजसेवी एवं व्यवसाय, गौरव बैस पूर्व छात्र, योगेंद्र दहिकर खंड कार्यवाह, श्रीमती नीलम भर्रे दीदी राष्ट्र सेविका समिति, अध्यक्ष दिनेश गिरी गोस्वामी प्राचार्य एवं सदरुलाल बोहने प्रभारी प्रधानाचार्य मंचासीन थे। इन अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती मां भारती एवं डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। एवं सामूहिक वाणी वंदना हुई तथा समस्त अतिथियों का परिचय त्र्यंबक भगत वरिष्ठ आचार्य द्वारा किया गया एवं शाला नायक अजय सोनवने एवं कुमारी भावना भुंडेकर बहिन द्वारा अतिथियों का तिलक वंदन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कुमारी लक्ष्मी सातपुते एवं सहेली द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कु. भीमेश्वरी टिकेश्वर द्वारा अंग्रेजी में भाषण ध्रुव सातपुते द्वारा भाषण कुमारी गौरी मानकर एवं सहेलियां द्वारा गीत कु पारुल लिल्हारे द्वारा भाषण, कु वर्षा हिवारे एवं सहेलियां द्वारा गीत, कु मेघा व सहेलियां द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया ।

तत्पश्चात भैया बहनों द्वारा समस्त आचार्य परिवार की आरती उतारकर कलम एवं श्रीफल भेंट किया गया। एवं झंकार किरनापुरे पूर्व छात्र एवं व्यवसायी द्वारा आचार्य परिवार को कॉपर जग भेंट किया गया । यह भेंट अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया है । राजकुमार कर्राहे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु शिष्य की परंपरा अनादि काल से चली आ रही है ।शिष्य अपने गुरु का सदैव सम्मान करते आ रहे हैं गुरु हमेशा अपने शिष्य को सही मार्गदर्शन देकर उच्च शिखर तक पहुंचा दिए हैं ।मैंने इसी विद्यालय में शिक्षा ग्रहण की है विद्यालय के दिए हुए संस्कार और शिक्षा ने मुझे इस मुकाम तक पहुंचा है। इसी शाला से मैंने चुनाव लड़ना सीखा है और राजनीति में कदम रखा हूं तथा हर चुनाव में मेरी जीत हुई है भैया बहनों आप सभी में कोई ना कोई कला छुपी होती है उसे कला को परखने की जरूरत है। आप अपना एक लक्ष्य बनाते हुए अपने आगे की पढ़ाई करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी ।अपने फ्रांस के प्रशासक बोनाफोर्ट नेपोलियन का उदाहरण देते हुए बहुत ही कर सागर्वित वक्तव्य प्रस्तुत किया योगेश रामटेककर ने कहा कि हमारे जीवन में गुरु का विशेष महत्व है गुरु की तुलना देवताओं से भी की गई है ।बिना गुरु के ज्ञान नहीं मिल सकता है। इस विद्यालय में अच्छी शिक्षा के साथ संस्कार एवं संस्कृति की शिक्षा दी जाती है ।अपने देश समाज एवं परिवार को शिक्षा के माध्यम से ही और देशभक्ति से ही हम आगे बढ़ा सकते हैं ।अपने गुरु का जीवन में सम्मान एवं आदर करना चाहिए ।अपने विधायक महोदय जी का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि इस शाला में प्रयोगशाला एवं रंग रोगन की आवश्यकता है आप अपनी निधि से सहयोग करने की कृपा करेंगे तथा प्राचार्य श्री गोस्वामी जी ने भैया बहनों को आशीष प्रदान करते हुई कहा कि संपूर्ण देश सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मना रहा है। जिन्होंने अपना जन्म दिवस शिक्षकों को समर्पित किया तथा शिक्षक भी अपना दायित्व पूरी ईमानदारी से निभाना चाहिए । विद्यार्थी का उत्साह वर्धन कर उसे पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए उसे एक लक्ष्य तक पहुंचाने का प्रयास होना चाहिए। उपस्थित अतिथिगण पूर्वछात्र आचार्य परिवार तथा भैया बहनों का कार्यक्रम में उपस्थित होकर सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया मंच संचालन कु चेतेश्वरी कछवाहे ने किया और कार्यक्रम के अंत में वृक्षारोपण किया गया।

बिंझलगांव में कृषि अधिकारियों ने किया अरहर फसल का निरीक्षण, किसानों को दी महत्वपूर्ण सलाह

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जिला कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा बालाघाट जिले में दलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप इस वर्ष जिले में दलहनी फसलों के रकबे में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। कृषि विभाग का मैदानी अमला किसानों के साथ निरंतर संपर्क में रहकर उन्हें दलहनी फसलों की उन्नत खेती और देखभाल के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। इसी कड़ी में 05 सितंबर 2025 को लांजी विकासखंड के ग्राम बिंझलगांव में कृषि अधिकारियों ने किसान सुरेश रावते के खेत में लगी अरहर फसल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कृषि अधिकारियों ने अरहर फसल की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया और किसान सुरेश रावते को फसल की बेहतर पैदावार के लिए महत्वपूर्ण सलाह दी। अधिकारियों ने बताया कि अरहर के पौधों में उगने वाली अतिरिक्त कोंपलों की समय पर कटाई करना अत्यंत आवश्यक है। कोंपलों की कटिंग करने से पौधों में नई कोंपलें अधिक संख्या में विकसित होती हैं, जिससे फूलों और फलियों की संख्या में वृद्धि होती है। इससे अरहर का उत्पादन बढ़ता है और किसानों को अधिक लाभ प्राप्त होता है। कृषि अधिकारियों ने किसान को यह भी सुझाव दिया कि वे फसल की नियमित निगरानी करें और कीट-रोगों से बचाव के लिए उचित उपाय अपनाएं। इसके अतिरिक्त, मिट्टी की उर्वरता और नमी को बनाए रखने के लिए जैविक खाद और उचित सिंचाई का उपयोग करने की सलाह दी गई। कृषक सुरेश रावते ने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर दिए जा रहे मार्गदर्शन से उन्हें अरहर की खेती में काफी मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि विभाग की सलाह को अपनाकर वे अपनी फसल की गुणवत्ता और उत्पादन को बढ़ाने में सक्षम हो रहे हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में दलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम और प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को उन्नत बीज, खेती की आधुनिक तकनीकें और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। विभाग का लक्ष्य है कि दलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ाकर न केवल किसानों की आय में वृद्धि हो, बल्कि क्षेत्र में पोषण सुरक्षा भी सुनिश्चित हो। इस निरीक्षण के दौरान मौके पर कृषि विभाग के मैदानी कर्मचारी और स्थानीय किसान भी उपस्थित थे। कृषि विभाग ने अन्य किसानों से भी अपील की है कि वे दलहनी फसलों की खेती को अपनाएं और विभाग द्वारा दी जा रही तकनीकी सलाह का लाभ उठाकर अपनी आय में वृद्धि करें। यह प्रयास न केवल जिले के कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध हो रहा है, बल्कि किसानों के बीच दलहनी फसलों के प्रति रुचि और जागरूकता भी बढ़ा रहा है।

एमडी–एमएस के लिए पात्र स्टूडेंट्स नहीं मिले तो प्रवेश के नियमों में मिलेगी छूट

भोपाल

मध्यप्रदेश में मेडिकल कॉलेजों में एमडी और एमएस तथा एमडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए मध्यप्रदेश के नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्सा महाविद्यालय से एमबीबीएस उत्तीर्ण होना और मध्यप्रदेश मेडिकल काउंसिल में स्थाई, अस्थाई पंजीयन होना जरुरी है। लेकिन प्रवेश के समय काउंसलिंग के दूसरे चरण और उसके बाद वाले चरणों के लिए पंजीकृत उम्मीदवारों में मध्यप्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालय से एमबीबीएस परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने की दशा में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए इस तरह की अनिवार्य योग्यता शर्तों में छूट दी जाएगी। तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग ने इसके लिए मध्यप्रदेश निजी व्यावसायिक शिक्षण संस्था प्रवेश का विनियमन एवं शुल्क का निर्धारण अधिनियम के तहत मध्यप्रदेश चिकित्सा शिक्षा प्रवेश नियम में संशोधन किया है। एमडीएमएस पाठयक्रम में प्रवेश के लिए जो अनिवार्य अर्हता है उसमें उम्मीदवार के प्रवर्ग एवं श्रेणी के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा चयन परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम पर्सेन्टाइल प्राप्त होना आवश्यक है। नेशनल मेडिकल कमीशन से मान्यता प्राप्त चिकित्सा महाविद्यालय से एमबीबीएस उत्तीर्ण होना अथवा भारत वर्ष से अन्यत्र अर्हता परीक्षा उत्तीर्ण करने की दशा में नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन से स्क्रीनिंग टेस्ट उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इसके अलावा नेशनल मेडिकल कमीशन से मान्यता प्राप्त चिकित्सा महाविद्यालय में नेशनल मेडिकल कमीशन के मापदंडों के अनुसार इंटर्नशिप पूरी करना जरुरी है। मध्यप्रदेश मेडिकल काउंसिल में पंजीयन, एमपी के नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्सा महाविद्यालय से एमबीबीएस पाठयक्रम उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। जो संशोधन किया है उसके तहत काउंसलिंग के दूसरे चरण और उसके बाद के चरणों में मध्यप्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालय से एमबीबीएस परीक्षा उत्तीर्ण उम्मीदवार नहीं मिलते है तो अनिवार्य अर्हता स्वयं ही शिथिल मानी जाएगी।

एमडीएस में भी मिलेगी छूट

इसी तरह एमडीएस में प्रवेश के लिए उम्मीदवार के प्रवर्ग एवं श्रेणी में डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा चयन परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम पर्सेंटाइल जरूरी है। मप्र डेंटल काउंसिल में पंजीयन और डेंटल काउंसिल से मान्यता प्राप्त कॉलेज से बीडीएस उत्तीर्ण होना जरुरी है। इसमें भी एमपी के कॉलेजों से बीडीएस परीक्षा उत्तीर्ण उम्मीदवार नहीं मिलने पर अनिवार्य अर्हता स्वमेव शिथिल मानी जाएंगी।

आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी कॉलेजों में रिजर्वेशन के पात्र छात्र नहीं मिले तो अनरिजर्व्ड को एडमिशन

भोपाल

प्रदेश के शासकीय, स्वशासी, निजी क्षेत्र के आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी चिकित्सा महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस के पात्र उम्मीदवार नहीं मिलते है तो इन सीटों को अनारक्षित वर्ग से भरा जाएगा। वहीं प्रवेश के लिए अब अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उम्मीदवारों को दस्तावेजों के सत्यापन के समय वैध आय का प्रमाणपत्र जो काउंसलिंग सत्र से एक वर्ष से अधिक पूर्व का न हो प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

मध्यप्रदेश आयुष विभाग ने इस संबंध में नियमों में संशोधन कर दिया है। इसके पहले काउंसलिंग सत्र से एक साल पहले तक के आय प्रमाणपत्र स्वीकार करने के संबंध में अनिवार्यता नहीं थी। अब यह अनिवार्य कर दिया है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने ओबीसी के लिए क्रीमीलेयर संबंधी निर्धारण के लिए वैध आय प्रमाणपत्र जो काउंसलिंग सत्र से एक वर्ष से अधिक पूर्व का न हो प्रस्तुत करना होगा।

यदि किसी प्रवर्ग में सैनिक संवर्ग, स्वतंत्रा संग्राम सेनानी, दिव्यांग तथा महिला संवर्ग में रिक्त सीट पर आवंटन हेतु योग्य उम्मीदवार उपलब्ध नहीं होंगे तो उतनी रिक्त सीटें द्वितीय चरण में और आगामी चरणों के आवंटन प्रक्रिया के दौरान उसी प्रवर्ग की बिना संवर्ग में उपलब्ध करा दी जाएगी। यदि आरक्षित प्रवर्ग की बिना संवर्ग में भी रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु योग्य उम्मीदवार प्रवर्ग की आरक्षित सीमा क उपलब्ध नहीं होगा तो रिक्त सीटें अन्रू प्रवर्गो के योग्य उम्मीदवारों से भरी जाएंगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने 14 अगस्त तक मांगी थी जानकारी

20 दिन बाद भी BLA सूची नहीं दे पाए भाजपा-कांग्रेस

भोपाल

वोटर लिस्ट को लेकर देश भर में चल रहे बवाल के दौरान कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों ने अपने-अपने बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) के नाम और फोटो वाली सूची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय को उपलब्ध नहीं करा सके। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने 14 अगस्त तक 6 राष्ट्रीय दलों के बीएलए की सूची मांगी थी। सूची देने की तिथि को 20 दिन बीत जाने के बाद भी दोनों ही दलों ने अब तक सूची नहीं भेजी है। जबकि प्रदेश में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार 27 विधानसभा सीटों पर वोटों की गड़बड़ी का आरोप लगा चुके हैं और उनकी पार्टी प्रदेश भर में वोट चोर गद्दी छोड़ के आरोप लगाते हुए पिछले कई दिनों से प्रदर्शन कर रही है। जिला निर्वाचन कार्यालय से मतदाता सूची अपडेट होने के दौरान इसे क्रॉस चैक बीएलए ही करते हैं।

इस बार फोटो भी देना है

दरअसल मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने बीएलए की जानकारी देने वाले फार्म में बदलाव किया है। इस बदलाव के तहत कांग्रेस और भाजपा सहित अन्य राजनीतिक दलों को बीएलए के नाम के साथ उनका फोटो और मोबाइल नंबर भी देना है। दोनों ही दलों में जिला अध्यक्ष बीएलए को नियुक्त करते हैं। ऐसे में इनके नाम की जानकारी जिलों से प्रदेश मुख्यालय तक आती है। जब मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से भाजपा और कांग्रेस के प्रदेश दफ्तर में पत्र पहुंचा तो दोनों ही दलों ने इस संबंध में जानकारी जिलों में भेज दी। कुछ जिला अध्यक्षों ने अपनी जिले में जिला निर्वाचन अधिकारी को यह जानकारी दे दी, लेकिन प्रदेश कार्यालय को यह जानकारी नहीं भेजी। इसके चलते दोनों ही दल अब तक बीएलए के नाम, फोटो और मोबाइल नंबर मुख्य निवार्चन पदाधिकारी कार्यालय को नहीं दे सके हैं।

वोटर लिस्ट के लिए बीएलए का काम महत्वपूर्ण

निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को लगातार अपडेट किया जाता है। अपडेट करने का काम बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) करते हैं। इस सूची को फाइनल करने से पहले राजनीतिक दलों के बीएलए को दिखाई जाती है। इस तरह की रिवीजन हर तीन माह में आयोग की ओर से होती है। जिसमें मृत लोगों के नाम वोटर लिस्ट से निकाले जाते हैं, एक जगह से दूसरी जगह पर शिफ्ट होने वाले लोगों के नाम भी उनके निवास अनुसार शिफ्ट होता है। इसके अलावा 18 साल पूरे होने वाले वोटर्स भी इसमें जोड़े जाते हैं। इसमें राजनीतिक दलों के बीएलए की भूमिका दल की ओर से महत्वपूर्ण होती है।

भाजपा बोली- जिलों से जल्द मंगाएंगे लिस्ट

बीएलए की अपडेट सूची जल्द ही जिला अध्यक्षों से लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय को सौंप दी जाएगी। जिला अध्यक्ष बीएलए बनाते हैं, जिलों से जल्द ही हम यह लिस्ट मंगा लेंगे।

■ **एसएस उप्पल,** चुनाव आयोग समन्वय विभाग भाजपा के प्रदेश संयोजक

कांग्रेस ने बताई वजह- फोटो से हो रही देरी

इस बार फोटो युक्त लिस्ट मांगी गई है। अधिकांश जिला अध्यक्षों ने जिला निर्वाचन कार्यालय में तो लिस्ट दे दी है। फोटो साथ में देने के कारण समय लग रहा है, जल्द ही बीएलए के फोटो सहित नाम वाली सूची दें देंगे।

■ **डॉ. संजय कामले,** प्रदेश संगठन महामंत्री कांग्रेस

वायरल हुई ब्यूरोक्रेसी की तल'वार'...

भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव का अब तलवार के साथ फोटो वायरल है। गत दिनों ये विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह के साथ अपने ही निवास पर अप्रिय स्थिति वाली भिड़ंत के कारण चर्चा में आए थे। अब उन्होंने एक संगठन द्वारा दी गई तलवार को अपने कार्यालय में जिस अंदाज में स्वीकार किया है वह जिले और मंत्रालय के गलियारों में तेजी से वायरल हो रहा है।

DGP मकवाना की NIA के अफसरों के साथ हुई चर्चा

भोपाल

डीजीपी कैलाश मकवाना और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों के बीच लंबी मुलाकात हुई। गुरुवार को हुई यह मुलाकात सुरक्षा संबंधी विषयों के साथ ही मध्य प्रदेश में पिछले कुछ सालों में सामने आए राष्ट्र विरोधी संगठनों को लेकर हुई। हालांकि इस बैठक को उजागर नहीं किया गया है। इस बैठक में प्रदेश पुलिस की इंटेलीजेंस सहित अन्य प्रमुख शाखाओं के कुछ अधिकारी भी मौजूद थे। जानकारी के अनुसार डीजीपी ने राज्य पुलिस की आतंकी संगठन के प्रति की जा रही कार्रवाई से उन्हें अपडेट किया। वहीं एनआईए ने भी प्रदेश पुलिस और उनके सूचना तंत्र को एक दूसरे के साथ साझा करने की बात की। जिस पर दोनों ओर से मौखिक रूप से सहमति बन गई। दरअसल मध्य प्रदेश में सिमी के बाद पिछले कुछ सालों से एचयूटी सहित अन्य राष्ट्र विरोधी संगठनों से जुड़े लोगों की लगातार धरपकड़ हो रही है। इसके चलते यहां पर एनआईए ने भी अपनी एक शाखा शुरू की है। प्रदेश पुलिस और एनआईए मिलकर संयुक्त रूप से राष्ट्र विरोधी संगठनों के खिलाफ और तेजी से काम कर सकें, इसे लेकर साझा रणनीति बनाने पर इस मुलाकात में जोर दिया गया।

पन्ना जिले को 106 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात देंगे सीएम

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज पन्ना जिले की गुनौर विधानसभा क्षेत्र के अमानगंज में आयोजित कार्यक्रम में 106.15 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री द्वारा 23 करोड़ 73 लाख रुपये के 9 विकास कार्यों का लोकार्पण और 82 करोड़ 42 लाख रुपये के 16 विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया जाएगा। पीएचई की 1.04 करोड़ रुपये की जल जीवन मिशन की गड़ोखर नल जल योजना, 2.11 करोड़ की बिल्हा सुरदहा नल जल योजना तथा 1.31 करोड़ की टिकरिया नल जल योजना, लोक निर्माण विभाग की 9 करोड़ 99 लाख की 15 किलोमीटर लंबाई की मकरंदगंज हरद्वाही गुन्नौर सड़क मार्ग का उन्नयन कार्य शामिल है।

सेवा पखवाड़ा पर बीजेपी की वर्कशॉप, सीएम बोले- विरोध भ्रम फैला रहे, सावधान रहकर जवाब देना है

भोपाल

प्रदेश भाजपा की ओर से 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक पूरे राज्य में सेवा पखवाड़ा मनाया जायेगा। इसके तहत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आयोजित होंगे। साथ ही बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान भी चलाया जायेगा। इस संबंध में शुक्रवार को को प्रदेश भाजपा कार्यालय में सेवा पखवाड़ा को लेकर आयोजित कार्यशाला में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री व सेवा पखवाड़ा के राष्ट्रीय संयोजक सुनील बंसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा शामिल हुए। कार्यशाला में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विरोधी झूठ और भ्रम फैला रहे हैं। उनसे हमें सतर्क रहना है और उन्हें जवाब भी देना है। सेवा पखवाड़े की तैयारियों में सभी जुटे हुए हैं। हमें समर्पण के साथ लोगों की सेवा करना है।

हर राज्य में हो रही कार्यशाला

सेवा पखवाड़ा को लेकर सबसे पहले दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में 28 अगस्त को केंद्रीय कार्यशाला आयोजित हुई थी। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल हुए थे। इस कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा और विभिन्न कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई थी। इस कार्यशाला में तय किया गया था कि हर प्रदेश की राजधानी में भी एक-एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी। लखनऊ, रांची में गुरुवार को कार्यशाला आयोजित हुई। मध्य प्रदेश में शुक्रवार को यह कार्यशला आयोजित हुई।

किलकारी और मोबाइल अकादमी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा को बना रही सशक्तः शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि किलकारी और मोबाइल अकादमी ने यह सिद्ध किया है कि सही समय पर सही जानकारी और प्रशिक्षित आशा कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को नई दिशा दे सकती हैं। यह पहल मध्यप्रदेश को स्वस्थ, सशक्त और सुरक्षित भविष्य की ओर अग्रसर कर रही है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय मोबाइल अकादमी एवं किलकारी कार्यक्रम की कार्यशाला आयोजित हुई। अपर मिशन संचालक मनोज सरियाम और आशा कार्यक्रम के संयुक्त संचालक डॉ. राकेश बोहरे विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) एवं मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में सुधार के लिए सशक्त प्रयास कर रहा है। ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि मातृ मृत्यु दर को 80 प्रतिशत तथा शिशु मृत्यु दर को 20 प्रतिशत तक लाया जाये।

मप्र को 'नदियों की कोख' के रूप में पहचान दिलाने का अनूठा अभियान

मंत्री प्रहलाद लाए 108 नदियों का उद्गम जल

भोपाल

मध्यप्रदेश में करीब 207 छोटी-बड़ी नदियों का उद्गम होता है। श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जलवायु परिवर्तन और जल संकट की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए नदियों के संरक्षण के लिए एक अनूठा अभियान प्रारंभ किया हुआ है। इसका मुख्य उद्देश्य जनजागरण के माध्यम से लोगों को प्रकृति और नदियों से जोड़ना है। अपनी इसी उद्गम मानस यात्रा में मंत्री पटेल गुरुवार को नर्मदा जी के उद्गम स्थल पहुंचे, यह उनका 101वां पड़ाव था। आज मंत्री पटेल ने अपनी यात्रा के 104 पड़ाव पूर्ण किए। 108 नदियों का जल एकत्रित करने के अभियान में मंत्री ने 104 नदियों का जल अपने परिवार के साथ एकत्रित किया है, वहीं 4 नदियों का जल उन्हें कार्यकर्ताओं ने लाकर दिया है। इस तरह से 108 नदियों का जल वे एकत्रित कर चुके हैं। उनकी इस यात्रा में उनके साथ पूरा परिवार पत्नी पुष्पलता पटेल, बेटा और बेटियां शामिल हैं। राज्य शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान से प्रेरित होकर मंत्री पटेल ने नदियों के उद्गम स्थल की यात्रा शुरू की। नर्मदा परिक्रमावासी होने के नाते उन्होंने यह संकल्प लिया है कि वे अपनी यह यात्रा मां नर्मदा जी के चरणों में अर्पित करेंगे।

नदी है, तो सदी है: पटेल

मंत्री पटेल का स्पष्ट संदेश है- नदी है, तो सदी है। उनका मानना है कि मध्य प्रदेश की पहचान उसकी नदियों से है और जब तक सहायक नदियां सुरक्षित नहीं होंगी, तब तक नर्मदा जैसी वृहद नदियां भी जीवित नहीं रह पाएंगी। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में हमें सामूहिक प्रयास करने होंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियां स्वच्छ, हरित और निर्मल वातावरण में सांस ले सकें।

2022 वर्ल्ड कप टीम की 15 में से 10 खिलाड़ियों को मिली जगह

महिला वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान, हेली संभालेंगी कमान

सिडनी । महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 का आगाज 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में होने वाला है।

इसके लिए अब डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने भी अपने दल की घोषणा कर दी है। बता दें कि स्टार गेंदबाज मिचेल स्टार्क की पत्नी एलिसा हेली वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करती हुई नजर आएंगी। ऑस्ट्रेलिया का स्क्वाड काफी मजबूत नजर आ रहा है। वे अपने टाइटल को डिफेंड करने के लिए उतरेंगी। 2022 में ऑस्ट्रेलिया ने महिला वर्ल्ड कप जीता था, उस वर्ल्ड कप टीम के 15 में से 10 खिलाड़ी इस बार भी स्क्वाड में शामिल हैं।

एलिसा हेली, एलिस पेरी, बेथ मूनी जैसे सभी स्टार खिलाड़ी इस बार भी वर्ल्ड कप में नजर आने वाले हैं। इसमें कोई दोहराई नहीं कि ऑस्ट्रेलिया इस बार भी वर्ल्ड कप जीतने के लिए फेवरेट मानी जा रही है।

पांच वेन्यू पर खेले जाएंगे मुकाबले

आईसीसी ने मुंबई को वर्ल्ड कप की मेजबानी का 5वां वेन्यू बनाया है। पहले बेंगलुरु 5वां वेन्यू था। टूर्नामेंट में 28 लीग और 3 नॉकआउट मैच होंगे। अपडेट शेड्यूल के अनुसार, मुंबई, इंदौर, गुवाहाटी, विशाखापट्टनम और कोलंबो में खेले जाएंगे। वहीं, पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में (पाक के पहुंचने पर निर्भर) और दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर को मुंबई में होगा। फाइनल 2 नवंबर को नवी मुंबई या कोलंबो में खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम

एलिसा हेली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, ऐश गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैक्ग्रा, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वारहैम।

भारत में वर्ल्ड कप खेलना बड़ा असाइंमेंट: फेग्लर

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सिलेक्टर शॉन फेग्लर ने कहा, भारत में वर्ल्ड कप खेलना सबसे बड़ा असाइंमेंट होता है। लेकिन, हम अपनी टीम पर इस बड़े चैलेंज के लिए भरोसा करते हैं। जो अनुभव इस स्क्वाड ने पिछले कुछ सब कॉन्टिनेंट के दौरे और महिला प्रीमियर लीग खेलकर हासिल किया है, उससे मुश्किल भारतीय कंडीशंस को समझने में आसानी होगी।'

महिला वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का शेड्यूल

ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने वर्ल्ड कप के अभियान की शुरूआत न्यूजीलैंड के खिलाफ 1 अक्टूबर को मैच खेलकर करेगी। इसके बाद 4 अक्टूबर को उनका मैच श्रीलंका से होगा। फिर 8 अक्टूबर को वे पाकिस्तान से भिड़ेंगे। इसके बाद 12 अक्टूबर को उनका मैच भारत के साथ होना है। 16 अक्टूबर को महिला वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया बांग्लादेश से भिड़ेगी। फिर 22 अक्टूबर को इंग्लैंड तो 25 अक्टूबर साउथ अफ्रीका से ऑस्ट्रेलिया का सामना होगा।

एशिया कप से पहले नए लुक में दिखे हार्दिक पंड्या

नई दिल्ली । एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम भी यूएई के लिए रवाना हो गई है। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया।

हार्दिक और सूर्या के अलावा टीम के कोच गौतम गंभीर भी दुबई के लिए निकले। इन तीनों के अलावा टीम के बाकी सदस्य भी एशिया कप के लिए जल्द ही दुबई पहुंच जाएंगे। 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को नए लुक में देखा गया। उन्होंने अपने बाल कटवाए और उनको कलर भी करवाया। हार्दिक ने बालों पर सैंडी ब्लॉन्ड कलर करवाया है। भारतीय ऑलराउंडर ने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नए लुक की फोटोज शेयर की हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव को उनकी वाइफ मुंबई एयरपोर्ट पर उन्हें छोड़ने आईं थी।

वहीं हार्दिक पंड्या ब्लैक रंग की ड्रेस में कूल डूड अंदाज में एयरपोर्ट पहुंचे थे। इस दौरान हार्दिक के ड्रेस के साथ उनके हाथ में हैंडबैग पर सबकी नजरें अटक गई। हार्दिक और सूर्या के एयरपोर्ट पहुंचने से पहले ही वहां मीडियाकर्मियों की भीड़ भी जमा थी। एयरपोर्ट पर कुछ फोटो क्लिक कराने के बाद हार्दिक और सूर्या बोर्डिंग के लिए गए।

दक्षिण अफीका ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

लंदन। दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में 5 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त हासिल कर ली है। ये साल 1998 के बाद से ही इंग्लैंड की धरती पर दक्षिण अफ्रीकी टीम की पहली सीरीज जीत है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने मई 1998 में इंग्लैंड की धरती पर एकदिवसीय सीरीज 2-1 से जीती थी। अब मेजबान टीम अंतिम मैच में जीत के साथ ही सीरीज का समापन करना चाहेगी। एडन मार्करम और रयान रिकेल्टन की अच्छी शुरुआत से दूसरे एकदिवसीय में पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 8 विकेट पर 330 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने 13.1 ओवरों में 73 रन बना दिये। रिकेल्टन 33 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुए। वहीं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे कप्तान टेंबा बावुमा महज चार रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। मार्करम ने तेजी से खेलते हुए 64 गेंदों में एक छक्के और छह चौकों की सहायता से 49 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 325 रन ही बना सकी। मेजबान टीम की ओर से जोस बटलर और जो रूट ने 61-61 रन बनाये जबकि जैकब बेथेल ने 58 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से नांद्रे बर्गर ने तीन जबकि केशव महाराज को दो विकेट लिए।

आर्चर ने एकदिवसीय में 150 विकेट पूरे किये

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में चार विकेट लेने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 150 विकेट पूरे किये। ??आर्चर ने दूसरे एकदिवसीय में 10 ओवरों में ही 62 रन देकर 4 विकेट लिए। आर्च्रर ने रयान रिकेल्टन, मैथ्यू ब्रीट्जके, सेनुरन मुथुसामी और केशव महाराज के विकेट लिए। अब तक 82 अंतरराष्ट्रीय मैचों में आर्चर ने 27.03 की औसत से कुल 150 विकेट लिए हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 40 रन देकर छह विकेट रहा है। वहीं इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज दिग्गज जेम्स एंडरसन हैं, जिन्होंने दो दशकों से अधिक के अपने करियर में 401 मैचों में 27.28 की औसत से 991 विकेट लिए हैं। दूसरे एकदिवसीय में आर्चर की अच्छी गेंदबाजी के बाद भी इंग्लैड टीम को हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने मैट ब्रीट्जके की 85 रन की रिकॉर्ड पारी से ये मैच पांच रन से जीत लिया।

महिला विश्वकप के उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगी श्रेया -आईसीसी

दुबई । अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बॉलीवुड अभिनेत्री श्रेया घोषाल आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगी। महिला विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से करेंगे। विश्व कप 30 सितंबर से 2 नवंबर तक खेला जाएगा। इसमें 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। विश्व कप भारत के चार शहरों और श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा। भारत में मैच गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और मुंबई में खेला जाएगा। श्रेया भारत और श्रीलंका के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले गुवाहाटी में होने वाले उद्घाटन समारोह में अपना कार्यक्रम पेश करेंगी। घोषाल ने इस टूर्नामेंट का आधिकारिक गीत ब्रिंग इट होम भी रिकॉर्ड किया है। गौरतलब है कि विश्व कप का पहला मुकाबला 30 सितंबर को भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में खेला जाएगा। इस इवेंट के लिए टिकटों की ब्रिकी भी शुरु हो गयी है। इस साल इस आईसीसी वैश्विक आयोजन के लिए टिकटों की कीमतें काफी कम रखी गयी हैं।

इंग्लैंड टीम की 2027 विश्व कप के लिए स्वत: क्वालीफाई करने की संभावनाएं घटीं

लंदन। दक्षिण अफ्रीका के हाथों एकदिवसीय सीरीज के दूसरे मैच में भी मिली हार से हैरी ब्रुक की कप्तानी वाली इंग्लैंड को करारा झटका लगा है। इससे इंग्लैंड टीम के 2027 विश्व कप के लिए स्वत: क्वालीफाई करने की उम्मीदें कम हुई हैं। इंग्लैंड टीम साल 2023 विश्व कप के बाद से 21 एकदिवसीय मैचों में से केवल 7 में ही जीती है। चैंपियंस ट्रॉफी में भी उसे ग्रुप-स्तर पर ही हार का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड टीम अभी आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में आठवें स्थान पर है। यदि इस प्रारूप में उनका ऐसा प्रदर्शन जारी रहता है, तो उनके स्वत- योग्यता प्राप्त करने की संभावना नहीं है। अभी तक इंग्लैंड टीम अफगानिस्तान से चार अंक पीछे हैं और नंबर एक टीम भारत से 37 अंक पीछे हैं। विश्व कप 2027 संस्करण में 14 टीमें शामिल होंगी। टूर्नामेंट की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया करेगी। ऐसे में अभी इंग्लैंड टीम के पास अपनी स्थिति बदलने के लिए अभी भी समय है। एशेज से पहले उसे दूसरे नंबर की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ एक सीरीज खेलनी है। इसके बाद टी20 विश्व कप से पहले तीन और मैच खेलने के लिए उसे श्रीलंका जाना है। उसे भारतीय टीम से तीन मैचों की सीरीज खेलनी है। अब अग आगे भी उसे हार मिलती है तो उसके लिए विश्वकप में स्वत: क्वालीफाई करना संभव नहीं होगा।

त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज - फखर-अबरार के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान ने यूएई को हराकर फाइनल में प्रवेश किया

दुबई। फखर जमां और स्पिनर अबरार अहमद के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान ने एशिया कप के ठीक पहले यहां खेली जा रही टी20 त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के अपने अंतिम लीग मैच में यूएई को 31 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। अब खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान की टीम रविवार को अफगानिस्तान से खेलेगी। पाकिस्तान की जीत में फखर की नाबाद 77 रन की पारी सबसे महत्वपूर्ण रही। वहीं अबरार ने गेंदबाजी के दौरान चार विके लेकर विरोधी टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। इस मैच में पाक टीम ने पहले खेलते हुए 172 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई की टीम 7 विकेट पर 140 रन ही बना सकी। यूएई की ओर से ओपनर आलीशान शराफू ने सबसे अधिक 68 रन बनाये जबकि कप्तान वसीम और ध्रुव पराशर ने 18-18 रन बनाए। वहीं पाक स्पिनर अबरार अहमद के सामने यूएई के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। शाहीन अफरीदी और मोहम्मद नवाज ने एक-एक विकेट लिया। पाक टीम इस सीरीज में नंबर वन पर रहते हुए फाइनल में पहुंची है क्योंकि वह तीन में से दो मुकाबले जीती है। पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फखर जमां के नाबाद 77 और मोहम्मद नवाज के नाबाद 37 रनों की सहायता से निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 171 रन बनाये। यूएई की ओर से हैदर अली ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए वहीं जुनैद सिद्दिकी, मोहम्मद रोहिद खान और पराशर ने एक एक विकेट लिया। फाइनल में पहुंचने के बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने फखर और नवाज की जमकर प्रशंसा की और कहा कि इनके प्रदर्शन की जीत में अहम भूमिका रही।

बीसीसीआई ने जर्सी प्रायोजन की राशि बढ़ायी

400 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई होने का अनुमान

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम जर्सी के प्रायोजन की राशि बढ़ा दी है। इससे अब जर्सी का प्रायोजन करना और महंगा हो जाएगा। बीसीसीआई ने द्विपक्षीय सीरीज में जर्सी प्रायोजन के लिए प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपए और बहुपक्षीय टूर्नामेंट के लिए प्रति मैच 1.5 करोड़ रुपए कर दिए हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, नई दरें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा स्वीकृत प्रतियोगिताओं पर लागू होंगी। ये राशि वर्तमान दरों से अधिक है। पहले द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.17 करोड़ रुपए और बहुपक्षीय मैचों के लिए 1.12 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाता था। 'ड्रीम 11 के जर्सी प्रायोजक के रूप में हटने के बाद अब बोर्ड ने प्रायोजन की राशि बढ़ायी है। बीसीसीआई को जर्सी प्रायोजन राशि बढ़ाने से 400 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई होने का अनुमान है। ये नई दरें आगामी एशिया कप के बाद से ही अमल में आयेंगी। अब बोर्ड संभावित रूप से प्रति मैच 400 करोड़ रुपए से अधिक कमा सकता है। अंतिम आंकड़ा हालांकि बोली के परिणाम के आधार पर अधिक हो सकता है। ड्रीम 11 के हटने के बाद बीसीसीआई ने मंगलवार को बोलियां आमंत्रित कीं थीं हालांकि इसमें कुह शर्तें भी रखी गयीं थीं। बोर्ड की ओर से बोलियों को लेकर ये शर्त लगायी गयी है कि समूह का ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी आदि से कोई संबंध नहीं होना चाहिये। न ही इसमें संलग्न किसी भी व्यक्ति का कंपनी में किसी भी प्रकार से निवेश होना चाहिये। भारतीय टीम अभी यूएई में 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप में बिना किसी मुख्य प्रायोजक के खेलेगी, क्योंकि बोर्ड ने बोली जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर तय की है। इससे पहले केन्द्र सरकार के गेमिंग एप पर प्रतिबंध के बाद टीम के प्रयोजक ड्रीम 11 से करार समाप्त हो गया था।

दक्षिण अफ्रीका ने 27 साल बाद इंग्लैंड में जीती वनडे सीरीज

लॉर्ड्स । दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे वनडे में इंग्लैंड को 5 रनों से हराकर 3 मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई। 1998 के बाद पहली बार साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड में वनडे सीरीज जीती है। दूसरे मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका ने 8 विकेट पर 50 ओवर में 330 रन बनाए। जबाव में इंग्लैंड 9 विकेट पर 325 रन ही निर्धारित 50 ओवर में बना पाई। मेहमान टीम द. अफ्रीका के लिए सर्वाधिक 85 रन मैथ्यू ब्रीट्जके ने बनाए। इसके अलावा ट्रिस्टन स्टब्स ने भी 58 रन की पारी खेली। एडन मार्करम (49), डेवाल्ड ब्रेविस (42), रियान रिकल्टन (35) और कॉर्बिन बॉश (32*) ने भी अच्छी पारियां खेली। इंग्लैंड के लिए 4 विकेट जोफ्रा आर्चर ने लिए। 331 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लैंड के लिए जो रूट और जोस बटलर ने 61-61 रन की पारी खेली। इसके अलावा जैकब बेथेल ने 58, विल जैक्स ने 39 और कप्तान हैरी ब्रूक ने 33 रन का योगदान दिया। अंत में जोफ्रा आर्चर ने भी तेज गति से 27 रन बनाए। इसके बावजूद आखिरी ओवर में इंग्लैंड सिर्फ 5 रन से मैच हार गई।

एशिया कप - भारतीय महिला हॉकी टीम ने पहले ही मैच में थाईलैंड को 11-0 से हराया

उदिता और डुंग डुंग ने दो-दो गोल किये

हांगझोउ । उदिता दुहान और ब्यूटी डुंग डुंग के दो-दो गोलों की सहायता से भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में जीत से शुरुआत की है। भारतीय टीम ने पूल बी के अपने पहले ही मैच में थाईलैंड को 11-0 से हरा दिया। उदिता ने मैच के 30वें और 52वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला जबकि डुंग डुंग ने 45वें और 54वें मिनट में गोल दागे। इन दोनों के अलावा भारत की ओर से मुमताज खान ने सातवें मिनट, संगीता कुमारी ने 10वें, नवनीत कौर ने 16वें, लालरेम्सियामी ने 18वें, थौदाम सुमन देवी ने 49वें, शर्मिला देवी ने 57वें और रुताजा दादासो पिसल ने 60वें मिनट में गोल किये। भारतीय टीम ने मैच में हाफ टाइम तक ही 5-0 की बढ़त हासिल कर ली थी। इस टूर्नामेंट में भाग ले रही 8 टीमों को दो पूल में बांटा गया है। दोनों ही पूल से शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें सुपर 4 चरण में पहुंचेंगी। वहीं सुपर 4 की शीर्ष दो टीमें 14 सितंबर को होने वाले फाइनल में मुकाबला करेंगी। अब भारतीय टीम का मुकाबला शनिवार को जापान से होगा।

ब्रीट्जके ने लगातार पांचवें मैच में अर्धशतक लगाकर रिकार्ड बनाया सिद्धू का रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन। दक्षिण अफ्रीका के मैथ्यू ब्रीट्जके ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां हुए दूसरे एकदिवसीय मैच में 77 गेंदों में 85 रन की शानदार पारी खेलकर एक नया विश्व रिकार्ड अपने नाम किया है। ब्रीट्जके ने अपने करियर ने पांचवें मैच में ही शुरुआती पांच मैच में 50 से अधिक रनों का रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने 77 गेंदों में ही 85 रन की पारी के दौरान सात चौके और तीन छक्के भी लगाये। वहीं सिद्धू ने अपने करियर की शुरुआत में लगातार चार मैच में 50 से ज्यादा रन बनाए थे। पांच मैच में एक शतक और लगातार चार अर्धशतक लगाकर ब्रीट्जके ने न्यूजीलैंड के खिलाफ लाहौर में डेब्यू करते हुए 150 रन बनाये थे। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर में 84 गेंद में 83 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो मैच में उन्होंने 57 और 88 रन बनाये थे। इसी के साथ ही ब्रीट्जके उन दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों के विशेष क्लब में भी शामिल हो गए, जिनके नाम पांच एकदिवसीय मैचों में लगातार अर्धशतक का रिकार्ड है। वहीं जोंटी रोड्स ने सबसे पहले साल 2000-01 में यह उपलब्धि हासिल की थी, उसके बाद क्विंटन डी कॉक ने साल 2017 और 2019 में दो बार रिकार्ड बनाया था। नकिया और हेनरिक क्लासेन ने 2024-25 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

टेलर ने संन्यास से वापसी की पर न्यूजीलैंड नहीं समोआ से खेलेंगे

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज रहे रॉस टेलर ने 4 साल बाद संन्यास से वापसी की है। टेलर ने कहा है कि अब वह टी20 विश्व कप 2026 क्वालीफायर में सामोओ की ओर से खेलेंगे। टेलर न्यूजीलैंड के कप्तान भी रहे हैं। उनकी मां सामोआ की रहने वाली है, ऐसे में वह अपनी मां के देश की ओर से खेलना चाहते हैं। टेलर ने न्यूजीलैंड की ओर से 41 शतक लगाये हैं। टेलर ने सोशल मीडिया पर कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि अब मैं नीली जर्सी पहनूंगा और समोआ की ओर से उतरूंगा। यह मेरे पसंदीदा खेल में वापसी से कहीं अधिक है। यह मेरी विरासत, संस्कृति, गांवों और परिवार का प्रतिनिधित्व करने का बहुत बड़ा सम्मान है। मैं खेल को वापस देने, टीम में शामिल होने और मैदान के अंदर और बाहर अपने अनुभव साझा करने को लेकर उत्साहित हूं। टेलर ने न्यूजीलैंड की ओर से सभी प्रारुपों (टेस्ट, एकदिवसीय और टी20) को मिला दें तो कुल 450 मैच खेले हैं जिसमें 112 टेस्ट मैच शामिल है। उन्होंने न्यूजीलैंड की ओर से अंतिम बार साल 2022 में खेला था। ऐसे में तीन साल से अधिक समय होने के कारण वह वह अप्रैल से समोआ की ओर से खेलने के योग्य हो गए थे। टेलर ने लिखा है, 'मैं समोआ को हमेशा किसी न किसी रूप में कुछ देना चाहता था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि मैं खेल के रूप में कुछ दे पाऊंगा। मैंने हमेशा सोचा था कि मैं युवा बच्चों को कोचिंग दूंगा।' टेलर इस साल अक्टूबर में ओमान में टी20 विश्व कप एशिया-प्रशांत क्वालीफाइंग सीरीज में भी खेलेंगे। इसमें समोआ मेजबान देश और पापुआ न्यू गिनी के साथ ही ग्रुप 3 में उतरेगा। क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में तीन टीमों के तीन ग्रुप हैं. जिनमें से प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सुपर सिक्स में पहुंचेंगी।

US ओपन: भांबरी और वीनस का सफर सेमीफाइनल में थमा

न्यूयॉर्क । भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के उनके जोड़ीदार माइकल वीनस अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में हार गए, जो किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

भांबरी और वीनस को नील स्कूप्स्की और जो सैलिसबरी की छठी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश जोड़ी से रोमांचक मुकाबले में 7-6 (2) 6-7 (5) 4-6 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इससे पहले भारतीय खिलाड़ी ने इतिहास रच दिया था। दि ीटी के रहने वाले 33 वर्षीय भांबरी ओपन युग में लिएंडर पेस, महेश भूपति और रोहन बोपन्ना के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के युगल सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल चौथे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए। भांबरी और वीनस की जोड़ी ने फ्लशिंग मीडोज में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। और अंतिम चार तक के अपने सफर में वरीयता प्राप्त जोड़ियों को भी हराया। हार के बाद भांबरी ने कहा, यह मेरे लिए एक विशेष सप्ताह रहा है। इस स्तर पर खेलना और किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचना एक बड़ा क्षण है।

एशिया कप के लिए सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम दुबई पहुंची

दुबई। सूर्यकुमार यादव की कप्तान में भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए दुबई पहुंच गयी है। कप्तान सूर्यकुमार के साथ ही ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए दुबई पहुंचे थे। इस बार सारे खिलाड़ी अलग-अलग शहरों से होते हुए दुबई पहुंचे। सूर्यकुमार के अलावा ऑलराउंडर शिवम दुबे, बैटिंग कोच सितांशु कोटक, हार्दिक पंड्या पहले चरण में यहां पहुंचे। वहीं हर्षित राणा, कुलदीप यादव, रिंकू सिंह और अभिषेक शर्मा दूसरे चरण में यहां पहुंचे। इसके बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर भी दुबई एयरपोर्ट पर नजर आये। भारतीय क्रिकेट टीम यहां अपने अभियान की शुरुआत यूएई के खिलाफ 10 सितंबर से होने वाले मैच से करेगी और उसके बाद 14 सितंबर को वह दुबई में पाकिस्तान से खेलेगी। भारतीय टीम का इस टूर्नामेंट के लिए कोई कोई अभ्यास मैच नहीं रखा गया है। भारतीय टीम ने अंतिम बार कोई टी-20 मैच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले फरवरी में इंग्लैंड से खेला था। भारतीय कोच गौतम गंभीर का मानना है कि अभ्यास मैचों की जगह इंट्रा-स्क्वाड मैचों को खेलना लाभदायक रहेगा।

एलिसा हीली की कप्तानी में महिला एकदिवसीय विश्वकप में उतरेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने एलिसा हीली की कप्तानी में महिला एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनक्स को भी शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम मौजूदा चैंपियन है और उसका लक्ष्य इस टूर्नामेंट में भी जीत दर्ज करना रहेगा। विश्वकप 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। टीम में डार्सी ब्राउन और जॉर्जिया वेयरहैम को भी शामिल किया गया है। ये दोनो भी अपनी हाल की चोटों से उबरकर टीम में वापसी करने में सफल रही हैं। इस टीम में 10 ऐसी खिलाड़ी भी शामिल हैं जो साल 2022 में खेले गए एशिया कप में भी शामिल रहीं थीं। टीम में एलिस पेरी, बेथ मूनी, एनाबेल सदरलैंड, ताहलिया मैकग्रा और एशले गार्डनर जैसी अनुभवी खिलाड़ियों को भी जगह दी गयी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्वकप में अपना पहला मुकाबला एक अक्टूबर को इंदौर में न्यूजीलैंड से खेलेगी।

ग्रामीण अंचलों में भी रही, जश्ने ईद मिलादुन्नबी की धूम

1500 यौमे विलादत पर, जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन, लामता, भरवेली, हीरापुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पर्व

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मुस्लिम धर्मावलंबियों का सबसे बड़ा पर्व जश्ने ईद मिलादुन्नबी जिला मुख्यालय के अलावा ग्रामीण अंचलों में भी अदब व एहतराम के साथ मनाया गया। जहां सुबह से लेकर देर रात तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। इसी कड़ी में जिला मुख्यालय से 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली हीरापुर और और जिले से करीब 45 किमी दूर लामता में भी जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा जुलूस ए मोहम्मदी निकाला गया ।जहां जुलूस में शामिल आशिकाना ए रसूल सलातो सलाम और दुरूद के नजराने पेश करते हुए नजर आए। वही इस्लामी तरानो के साथ जुलूस ए मोहम्मदी ने गाँव व क्षेत्र का भृमण किया ।जिसके उपरांत सभी समाज के लोगो के लिए लंगर ए आम का आयोजन कर, दिन भर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए ।जो देर रात तक चलते रहे।

लामता में दिन भर विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

जिला मुख्यालय 45 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत लामता में भी जश्न ईद मिलादुन्नबी की धूम देखी गई। जहां हर साल की तरह इस साल भी परचम कुशाई(झंडा फहराने) के बाद जुलूस ए मोहम्मदी, क्षेत्र के भ्रमण के लिए निकाला गया। इस दौरान बच्चों से लेकर नौजवानों और बड़े बुजुर्गों को दरूदे मोहम्मदी का विर्द(जाप) करते हुए देखा गया।तो वही जुलूस में शामिल ज्यादातर लोग नात पढ़ते नजर आए। इस दौरान जगह जगह जुलूस का भव्य स्वागत किया गया। वहीं जगह जगह मिठाइयां बांटकर लोगों ने एक दूसरे को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद पेश की। जुलूस के समापन पर लंगर ए आम का आयोजन किया गया।

भरवेली जुलूस में विधायक हुई शामिल, चर्च कमेटी में भी किया जुलूस का स्वागत

हर साल की तरह इस साल भी अंजुमन इस्लामिया कमेटी भरवेली की जानिब से जामा मस्जिद भरवेली मे आमदे मुस्तफा का जश्न धूमधाम के साथ मनाया गया।जहां जामा मस्जिद मे परचम कुशाई(झंडा फहराकर) कर दुआ व सलातो सलाम के बाद जुलूसे मोहम्मदी, क्षेत्र गस्त के लिए रवाना हुआ। जो कि शहर का गस्त करता हुआ मुंडीमांई, हीरापुर, कॉलोनी, सिवनी कैंप होते हुए वापस भरवेली मस्जिद पहुंचा जहां एक दिन पहले हुए नात कंपटीशन के बच्चों को पुरस्कार दिए गए, और इज्तेमाई(सामुहिक) तौर पर देश में अमन, चैन, शांति,देश की तरक्की व भाईचारे के लिए दुवाए की गई।वही सभी समाज के लिए लंगर ए मोहम्मदी का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीण के सभी सामाजिक गणों को भी आमंत्रित किया गया। भरवेली,हीरापुर में आयोजित जश्ने ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में कौमी एकता की मिशाल भी देखने को मिली।जहां इस जुलूस ए मोहम्मदी में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे भी शामिल हुई।तो वही क्रिश्चियन समाज मैथोडिस्ट चर्च कमेटी भरवेली द्वारा जुलूस ए मोहम्मदी का स्वागत कर,शरबत पिलाया।इसी तरह हीरापुर कौमी एकता शहीद भगत सिंह सेवा समिति द्वारा जुलूस का स्वागत कर स्वलापाहार, फल एंव मिष्ठान का वितरण किया गया।

हमारे नबी, सभी के लिए रहमत बनकर आए - अजीज रिजवी

चर्चा के दौरान जामा मस्जिद के इमाम अब्दुल अज़ीज़ रिजवी ने बताया कि हमारे नबी ने दुनिया में अमन शांति वह भाईचारे का पैगाम दिया और सभी के लिए रहमत बनकर आए और यहां के सभी ने लोगों मिलजुल कर जश्ने ईद मिलादुन्नबी अच्छे तरीके से मनाया। उन्होंने बताया कि नबी अकारी मोहम्मद साहब नाइट तो मुसलमान के बल्कि तम एम लोगों के लिए रहमत बनकर इस दुनिया में दूसरी लाए थे।

बेटी बचाव का पहला नारा हमारे नबी ने दिया था-इमरान

वहीं चर्चा के दौरान अध्यक्ष यंग मुस्लिम कमेटी इमरान खान ने बताया की इस्लाम के आखिरी नबी पैगंबर मोहम्मद साहब ने इंसानियत के लिए जो कार्य किए हैं वह कार्य और उनके संदेश ता- कयामत तक काबिले तारीफ रहेंगे। उन्होंने पैगंबर इस्लाम के कुछ संदेशों के बारे में बताया कि दुनिया में आज से 1500 साल पहले बेटी बचाओ का नारा हमारे नबी ने दिया, पड़ोसी के साथ कैसा व्यवहार किया जाए वह हमारे नबी ने बताएं ।उन्होंने कहा था कि अगर आपका पड़ोसी सुरक्षित नहीं है तो आप मुसलमान नहीं, अगर आपके घर खाना बन रहा है आपके पड़ोसी के घर खाना उपलब्ध नहीं, वह भूखा है तो आपका खाना हराम है। जल बचाओ का नारा आज पूरी दुनिया दे रही है हमारे नबी ने जल की क्या अहमियत होती है आज से 1500 साल पहले बता दिया था ,गरीब और जरूरतमंदों की मदद करना यह भी हमारे नबी ने बताया और इस्लाम का कानून बना दिया ।गरीबो को सदका करना फ़र्ज़ कर दिया, मजदूर को उसका हक उसका पसीना सूखने से पहले अदा करने का हुक्म दिया, भ्रूण हत्या को हराम करार कर दिया, और न जाने ऐसे कितने पैगाम इंसानियत के लिए पैगंबर ए इस्लाम ने दिए हैं जो ता–कयामत तक कायम रहेंगे ।

निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी में शिक्षक दिवस का हुआ भव्य आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल से मान्यता प्राप्त निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी, लांजी में शिक्षक दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर शिक्षकों का सम्मान किया। कई छात्रों ने भाषण और कविताओं के माध्यम से शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। संस्थान के निदेशक प्रणय कुमार ने कहा कि शिक्षकों का मुख्य लक्ष्य छात्रों के जीवन से अज्ञानता का अंधकार दूर करना है। कार्यक्रम में शिक्षक कैलाश ब्रम्हपुरे, भानु प्रताप, देवेंद्र कुमार, सागर कुमार, समीर सर, श्रद्धा मैडम, प्रतिभा मैडम और दीक्षा मैडम उपस्थित रहे। शिक्षकों ने अपने संबोधन में डॉ. राधाकृष्णन के विचारों को याद करते हुए कहा कि शिक्षा समाज के उत्थान का प्रमुख साधन है। संस्थान ने पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ संस्कार और समाजोपयोगी शिक्षा प्रदान करने का संकल्प दोहराया। प्रतिभा मैडम ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक अपना जीवन समर्पित कर छात्रों का भविष्य संवारते हैं और ज्ञान का प्रकाश फैलाकर भावी पीढ़ी को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने शिक्षकों की लगन, परिश्रम और समर्पण को शिक्षा जगत की असली ताकत बताया। छात्रों ने सभी शिक्षकों को पेन, डायरी और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया, जबकि संस्थान की ओर से सभी छात्र-छात्राओं को स्वल्पाहार वितरित किया गया।

डायल 112 का किया शुभारंभ

अब आपात स्थिति में 100 की जगह 112 डायल करें

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश पुलिस ने आम जनता की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2016 में डायल 100 सेवा की शुरुआत की थी। इस सेवा का मुख्य उद्देश्य अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाना और आपात स्थितियों में त्वरित सहायता प्रदान करना था। यह सेवा न केवल प्रभावी साबित हुई, बल्कि इसने समाज में विश्वास भी जगाया। क्षेत्र में होने वाले विवाद, सड़क दुर्घटना, चिकित्सीय आपातकाल और अन्य घटनाओं में लोगों ने डायल 100 की सहायता ली। इस सेवा के तहत तैनात पुलिस कर्मी तुरंत सायरन बजाते हुए घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों की मदद की। डायल 100 ने समय पर कार्रवाई कर कई जिंदगियां बचाई, घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया और विभिन्न विवादों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मध्यप्रदेश पुलिस ने अपनी इस पहल को और सशक्त बनाने के लिए डायल 100 सेवा को अपग्रेड कर डायल 112 के रूप में पुनर्जनन किया है। नई डायल 112 सेवा पहले की तरह सभी आपातकालीन सुविधाएं प्रदान करेगी, जिसमें त्वरित पुलिस सहायता, चिकित्सा सेवाएं और विवाद समाधान शामिल हैं। इस नई सेवा को और प्रभावी बनाने के लिए लांजी पुलिस को एक आधुनिक सुसज्जित वाहन भी प्रदान किया गया है। इस वाहन का विधिवत पूजा-अर्चना कर शुभारंभ लांजी थाना प्रभारी विभेन्द्रु व्यंकट टांडिया ने किया। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील की कि अब आपात स्थिति में 100 की जगह 112 डायल करें। नया 112 वाहन लांजी क्षेत्र की जनता की सेवा में 24 घंटे तत्पर रहेगा, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी सहायता प्रदान की जा सके। यह कदम मध्यप्रदेश पुलिस की जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, और डायल 112 सेवा के माध्यम से क्षेत्र में सुरक्षा और सुविधा का स्तर और ऊंचा होने की उम्मीद है।

बन्ना जलाशय के कृषक परेशान

नहर से खेत तक नहीं पहुंच रहा है पानी

बैहर(पद्मेश न्यूज)। बंजर नदी परियोजना का बन्ना जलाशय के आश्रित कृषको भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।इस जलाशय से आश्रित ग्राम बन्ना ,पिपरिया, मोहब्बतटा, के समांपी के छोटे बड़े कृषक अपने खेत तक पानी नहीं पहुंचने से दुखी और चिंतित हैं। इस जलाशय से निकले वाली नहर का समय पर रख रखरखाव व सुधार मरम्मत कार्य गर्मी के सीजन में नहीं करवाया गया। जिससे नहर स्थिति काफी खराब हो चुकी है। कई मीटर तक समतल है मुख्य जल निकास द्वार से कुछ मीटर दूरी पश्चात जगह-जगह से नहर टूटी हुई है। नहर की एक पार समतल है कहीं बीच नहर में तो कहीं नहर के दोनों पार के बीच में झाड़ी नुमा पेड़ उग आए हैं ।ग्राम मोहब्बटा के कृषक गण बसंत मरकाम ,रेवती बाई टेकाम ,मेहताब सिंह मरावी, राजेंद्र सिह वालके दारू सिंह उनके नन्नू सिंह टेकाम आदि ने बताया कि शासन से कई बार कर कार्यपालन यंत्री के कार्यालय में जाकर नहर मरम्मत कराने मौखिक रूप से कह चुके हैं। सिर्फ आश्वासन भर मिला, समय बिता गया पर अभी तक कुछ भी नहीं हुआ ।तब हम सब लोग दुखी मन सें सामूहिक रूप से श्रम दान करके नहर को इस योग बनाये है की। इस वर्ष के वर्षा सीजन में पानी खेत तक पानी पहुंच जाए और अब तो इस वर्ष का वर्षा सीजन समाप्ति की ओर है। इसी प्रकार ग्राम बना के 98प्रति. कृषक आदिवासी जिनका मुख्य व्यवसाय कृषि है कृषक अकबर इनवाती ,नंदलाल इनवाती ,महिपाल सिंह कुंजाम, अशोक यादव ,पाल सिंह ने बताया कि जलाशय अति नजदीक है फिर भी पानी को तरस रहे हैं। हमारे तरफ की नहर ऊपर से खराब हो चुकी है जगह-जगह से कटी हुई है जिससे पानी आगे नहीं बढ़ता। कृषकों ने शासन से आज भी उम्मीद रखे हैं कि वर्षा समाप्ती होते ही नहर की मरम्मत कराऐ एवं जल निकास द्वार का सुधार कार्य करवा कर वर्षा का व्यर्थ बह रहा पानी को रोका जाए बंजर नदी परियोजना का बहुउद्देशीय महत्वपूर्ण बन्ना जलाशय है।

इसकी दूरी लगभग 7 किलोमीटर है जलाशय के अनुविभागीय जल संसाधन अधिकारी ,उप यंत्री एवं समस्त कर्मचारीयो का निवास है। कर कृषकों की समस्या को देखते सिंचाई विभाग के इन अधिकारियों को इस और ध्यान देना अति आवश्यक है।

माडल स्कूल बिरसा के शिक्षक सौरभ शर्मा राज्य स्तरीय शिक्षक दिवस कार्यक्रम में सम्मानित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश में शिक्षक दिवस के अवसर पर 05 सितंबर को राजधानी भोपाल में भव्य राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल की उपस्थिति में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रदेश भर से चयनित 14 उत्कृष्ट शिक्षकों को उनके उल्लेखनीय कार्यों और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह भी उपस्थित थे। इस समारोह सम्मानित होने वाले शिक्षकों में बालाघाट जिले से शासकीय माडल स्कूल बिरसा बिरसा के उच्च माध्यमिक शिक्षक श्री सौरभ कुमार शर्मा भी शामिल हैं। यह बालाघाट जिले के लिए गर्व की बात है और एक बड़ी उपलब्धि है। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में प्राथमिक एवं माध्यमिक श्रेणी के 8 शिक्षक तथा उच्चतर माध्यमिक श्रेणी के 6 शिक्षक शामिल हैं। पुरस्कृत शिक्षकों को समारोह में 25 हजार रुपए की सम्मान निधि, शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया है। सौरभ कुमार शर्मा ने अपने शैक्षणिक जीवन में विद्यार्थियों की प्रगति और विद्यालय के विकास के लिए सतत प्रयास किए हैं। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने न केवल बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए हैं बल्कि राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी सफलता हासिल की है। शिक्षा में तकनीकी साधनों का उपयोग, विद्यार्थियों को नवाचार के लिए प्रेरित करना और विद्यालय का शैक्षिक वातावरण बेहतर बनाना उनके कार्यों की प्रमुख विशेषता रही है।

कलेक्टर एवं एस पी ने गणेश प्रतिमा विसर्जन की तैयारियों का जायजा लिया

सुरक्षा के समुचित इंतजाम करने के निर्देश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना एवं पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने 05 सितंबर को गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए शंकर घाट, जागपुर घाट एवं गायखुरी घाट में की गई व्यवस्था का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था को और दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री जी एस धुर्वे, एसडीएम गोपाल सोनी, सीएसपी वैशाली करहालिया, मुख्य नगर पालिका एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान सभी विसर्जन स्थल पर फ्लेश लाईट लगाने और होमगार्ड के जवानों को बोट व तैराकों के साथ मौजूद रहने के निर्देश दिये गये। बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन शंकर घाट पर छोटे पुल से पूरे सम्मान के साथ किया जाएगा। अपर कलेक्टर श्री धुर्वे, एसडीएम गोपाल सोनी, सीएसपी सुश्री वैशाली एवं नगरपालिका सीएमओ ने देवटोला एवं ढीमरटोला में प्रतिमा विसर्जन के लिए की गई व्यवस्था का जायजा लिया।

02 मोटरसाइकिल के बीच हुई आपसी भिड़ंत में 01 की मौत,04 घायल

02घायलों का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार, 02 को किया गया रिफर, गायखुरी पटवारी प्रशिक्षण केंद्र परिसर के मामले की जांच में जुटी पुलिस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बीती रात नगर के वार्ड नंबर 33 गायखुरी, पटवारी प्रशिक्षण केंद्र के समीप दो मोटरसाइकिल के बीच आपसी भिढ़ंत हो गई। जहां मोटरसाइकिल की इस आपसी भिड़ंत में मोटरसाइकिल में सवार 01 व्यक्ति की मौत हो गई,तो वही इस घटना में 04 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्होंने उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।जिसमें से 02 घायलों को गंभीर अवस्था में बेहतर उपचार के लिए रिफर किया गया है।जबकि 2 घायल युवकों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। रात करीब 10 बजे हुई इस सड़क दुर्घटना में मृत हुए व्यक्ति का नाम वार्ड नंबर 10, रजा नगर निवासी 41 वर्षीय फैजान पिता मरहूम मो. इस्माइल खान बताया गया है।जिसके शव का शुक्रवार की सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव, उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही इस पूरे मामले की जांच कोतवाली पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

घायलों में इनका समावेश

पटवारी प्रशिक्षण केंद्र के समीप हुई इस सड़क दुर्घटना में जहां वार्ड नंबर 10 रजा नगर निवासी फैजान खान की उपचार के दौरान मौत हो गई। तो वही इस सड़क दुर्घटना में फैजान के साथ मोटरसाइकिल में सवार भटेरा चौकी वार्ड नंबर 2 निवासी 18 वर्षीय कृष्णा पिता राजेश पालेवार का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। इसके अलावा इस सड़क दुर्घटना में ग्रामीण थाना नवेगांव के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चिचगांव वार्ड नंबर 5, शिव मंदिर परिसर निवासी 15 वर्षीय सुजल पिता साहेबलाल पाचे, 13 वर्षीय पियूष पिता सुंदरलाल पाँचे और पीयूष का एक अन्य दोस्त भी घायल हो गया। जिसमें से कृष्णा पालेवार और सुजल पाँचे का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। जबकि सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए पियूष पाँचे और एक अन्य युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल से रिफर किया गया है। जिनके परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

चीचगांव से ट्रिपल सवारी बालाघाट घूमने आए थे युवक

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 10 रजा नगर निवासी फैजान खान, हाथ ठेले में मनिहारी का सामान बेचने का काम करता था।जो रोजाना की तरह गुरुवार को भी ठेला लेकर गायखुरी की तरफ गया गया।जानकारी के अनुसार फैजान ने अपना मनिहारी का हाथ ठेला, गायखुरी में ही किसी पहचान वाले के यहां रख दिया था और घर वापस आ गया था।बताया गया कि रात्रि करीब 8 बजे के दरमियान फैजान ने भटेरा चौकी निवासी कृष्णा पालेवार को फोन कर बुलाया था और दोनों मोटरसाइकिल में सवार होकर पटवारी प्रशिक्षण केंद्र की तरफ ठेला देखने के लिए गए थे। जबकि चीचगांव निवासी सुजल पाँचे, पीयूष पाँचे और एक अन्य, ऐसे तीनों नाबालिक युवक एक ही मोटरसाइकिल में सवार होकर बालाघाट घूमने के लिए आए थे।जो रात्रि करीब 9 बजे दरमियान मोटरसाइकिल में ट्रिपल सवार होकर अपने घर चीचगांव जा रहे थे। बताया गया कि जब वे पटवारी प्रशिक्षण केंद्र के समीप पहुँचे तो फैजान और उन युवकों की मोटरसाइकिल की सीधी भिढ़ंत हो गई।यह भिंढ़त इतनी जबरदस्त थी की मोटरसाइकिल के आपस में टकराते ही दोनों मोटरसाइकिलों में सवार सभी लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया। जहां फैजान ने गोंदिया ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

गोंदिया ले जाते समय रास्ते में हुई फैजान की मौत

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस सड़क दुर्घटना में घायल सभी पांचो को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया। जहां गंभीर रूप से घायल फैजान खान का प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए उसे तत्काल गोंदिया रिफर किया गया। जहां गोंदिया पहुंचने के पूर्व ही फैजान ने दम तोड़ दिया। तो वही कृष्णा पालेवार और सूजल पाँचे का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। जबकि पीयूष पाँचे और एक अन्य युवक को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल से रिफर कर दिया गया है। जिनका नगर के एक निजी अस्पताल में उपचार जारी है।

पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर देर रात गोंदिया के समीप फैजान की मौत होने पर उनके परिजन फैजान का शव लेकर जिला अस्पताल पहुंचे।चिकित्सक से मर्ग डायरी मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर, शव को मर्चुरी में सुरक्षित रखवा दिया।जिसके अगले दिन शुक्रवार की सुबह अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही मामले की जांच के लिए डायरी कोतवाली थाना पहुंचाई गई है।जिसके आधार पर कोतवाली पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सिर के ऊपर पेड़ की शाखा गिरने से एक व्यक्ति घायल

होश आने पर जिला अस्पताल में भर्ती था हरिचंद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाली शगुन नदी के किनारे तेरहवीं के कार्यक्रम में आए एक व्यक्ति सिर में पेड़ की शाखा गिरने से गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गया। जब इस व्यक्ति को होश

आया तो वह जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती था।यह व्यक्ति हरिचंद पिता रोनु सिंह मरावी 40 वर्ष ग्राम भीमा थाना मलाजखंड निवासी है। जिसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिचंद मरावी मजदूरी करता है जिसके परिवार में पत्नी सुशीला और चार बच्चे हैं। हरी चंद के दादा की मृत्यु होने पर 5 सितंबर को घर में तेरहवीं का कार्यक्रम था। हरिचंद और उसके रिश्तेदार ,परिवार के लोग शगुन नदी में नहाने के लिए गए थे 1 बजे कुछ लोग नहा रहे थे तो कुछ लोग नदी किनारे पेड़ के नीचे बैठे थे। हरिचंद भी वहीं पेड़ के नीचे बैठा था तभी अचानक पेड़ की एक शाखा टूटकर हरिचंद के सिर के उपर गिरी। जिससे हरिचंद घायल और बेहोश हो गया था। जिसे तुरंत ही बिरसा के अस्पताल लाकर भर्ती किये जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जिला अस्पताल में भर्ती हरिश्चंद्र को होश आ गया । अब उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई।

एक महिला ने छत्तीसगढ़ राज्य में रहने वाले अपने पति और सास के विरुद्ध दहेज में एक लाख रुपये और कार की मांग करने का लगाई आरोप

महिला के पति हिंगलेश और सास प्रमिला पटले के विरुद्ध दहेज प्रताड़ना का अपराध दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एक 29 वर्षीय महिला ने छत्तीसगढ़ राज्य में रहने वाले अपने पति और सास के विरुद्ध दहेज में 1लाख रुपये और कार की मांग को लेकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताडित कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाई। मलाजखंड पुलिस ने इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर इस महिला के पति हिंगलेश पटले और सास प्रमिला पटले के विरूद्ध दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मलाजखंड थाना क्षेत्र में रहने वाली इस महिला की शादी 25 अप्रैल 2019 को छत्तीसगढ़ राज्य के जिला कबीरधाम में आने वाले ग्राम तितरी रेंगाखार निवासी हिंगलेश पटले के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई थी और शादी में इस महिला को उसके पिता ने अपनी हैसियत से दहेज देकर हिंगलेश पटले के साथ विदा किया था।जिनके एक 5 वर्ष का बेटा और 1 वर्ष की बेटी है। शादी के तीन-चार वर्ष तक हिंगलेश पटले ने अपनी पत्नी इस महिला को ठीक से रखा उसके बाद से उसके व्यवहार में परिवर्तन आने लगा था। हिंगलेश पटले छोटी-छोटी घरेलू बातों को लेकर अपनी पत्नी से झगड़ा विवाद करने लगा था और हमेशा बोलने लगा था कि दूसरी शादी करूंगा और वह अपनी पत्नी इस महिला को घर छोड़ने के लिए मजबूर करने लगा था। इस संबंध में इस महिला ने अपने पिता को बताई थी। सन 2023 -24 में इस महिला के पिता ने ग्राम। रेंगाखार में। अपनी बेटी इस महिला के नाम से जमीन खरीद कर मकान बनवा दिया था। ताकि बेटी और दामाद ठीक से रहे। इसके बावजूद भी इस महिला को उसका पति हिंगलेश पटले अनावश्यक किसी न किसी बात को लेकर परेशान करने लगा था और उसके सास प्रमिला पटले भी परेशान करने लगी थी। माँ बेटे दोनों मिलकर इस महिला को अश्लील गालियां देते हुए शारीरिक एवं मानसिक रूप से परेशान करने लगे थे। इस महिला को उसका पति हिंगलेश पटले और उसकी सास प्रमिला पटले दहेज कम दिये है बोलकर दहेज में 1लाख रुपए और कार की मांग करने लगे तब इस महिला ने दहेज मांगने की संबंध में अपने पिता को बताई। इसके बाद पिता ने इस महिला को रेंगाखार के घर में रहने की सलाह दिए। उसके बाद यह महिला अपने दो बच्चों के साथ 15 दिन से रेंगाखार में आकर रहने लगी थी। 31 अगस्त को इस महिला का पति हिंगलेश पटले रेंगाखार घर आया और रात 10ः00 बजे से लेकर 3ः00 बजे तक दहेज की बात को लेकर लड़ाई झगड़ा कर प्लास्टिक का पाइप बेलन से मारपीट किया। मारपीट करने से इस महिला के हाथ पर पीठ में चोंटेआई। हिंगलेश पटले ने मोबाइल फोन भी तोड़ दिया था। जिसके कारण दूसरे दिन इस महिला ने अपने मायके फोन करके घटना के संबंध में अपने पिता को बताई। इसके बाद यह महिला अपने पिता और भाई के साथ अपने मायके आ गई। इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर मलाजखंड थाने में इस महिला के पति हिंगलेश पटले उसकी मां प्रमिला पटले के विरुद्ध दहेज की मांग को लेकर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित और मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 115(2) 296 351(3) 85 भारतीय न्याय संहिता और धारा 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू किया।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

किराये पर चाहिए
बालाघाट शहर में कोई भी ऐसी बिल्डिंग जिसमें न्युनतम 8000-9000 वर्ग फीट जगह हो, कोचिंग संस्थान चलाने के लिए लीज पर नवंबर 2025 से चाहिए। विद्यार्थियों के लिए पार्किंग सुविधा अनिवार्य है। पुरानी या बंद पाठशाला, कोचिंग संस्थान की बिल्डिंग के मालिक नीचे दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करे।
Mob No. 8948940687,8889063333

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट